@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 30 जुलाई 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 260 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सामूहिक रूप से बाहर करने की स्थिति आई तो सुप्रीम कोर्ट इसमें हस्तक्षेप करेगा

-विशेष गहन पुनरीक्षण मामले की सुनवाई 12 अगस्त तक स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की। चुनाव आयोग द्वारा तैयार हो रही मतदाता सूची से 65 लाख मतदाताओं के बाहर होने की आशंका पर शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि सामूहिक रूप से बाहर करने की कोई स्थिति आती है, तब सुप्रीम कोर्ट इसमें हस्तक्षेप करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की इस आशंका को दूर करने की कोशिश की कि चुनाव आयोग की ओर से तैयार हो रही मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों को बाहर किया जा रहा है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण पेश हुए। उन्होंने कहा कि जिन 65 लाख लोगों ने फॉर्म जमा नहीं किया, उन्हें बाहर किया गया है। चुनाव आयोग का दावा है कि वे या मर चुके हैं या स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं। प्रशांत भूषण ने पीठ को बताया कि इन लोगों को सूची में शामिल होने के लिए नए सिरे से आवेदन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर बड़े पैमाने पर लोगों को बाहर किया जाता है, तब अदालत इस पर गौर करेगी इसतरह के मामलों को अदालत के संज्ञान में लाना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत ने टिप्पणी कर कहा, हम बात सुनने को तैयार है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, और इसलिए आयोग से अपेक्षा की जाती है कि वह कानून के अनुसार कार्य करे।

देवघर में बस-ट्रक भिड़े, 6 कांवड़ियों की मौत

इनमें 4 बिहार के, ड्राइवर सीट समेत सड़क पर गिरा, 100 मीटर बिना ड्राइवर के चली बस

देवघर। बस और ट्रक के बीच टक्कर में 6 कांवड़ियों की मौत हो गई। 24 कांवड़िए घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार सुबह 5 बजे देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास नावापुरा गांव में हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आधा हिस्सा पूरी तरह से धंस गया। कांवड़ियों के झोले और सामान बस में लटके दिख रहे हैं। हादसे में बस का ड्राइवर सीट समेत नीचे गिर गया। 100 मीटर तक बस बिना ड्राइवर के चली। देवघर डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया- 'सुबह लगभग 05:30 बजे मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस हादसा हुआ है। इसमें 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। 24 लोग घायल हैं। 8 घायलों का AIIMS में इलाज चल रहा है। बाकी लोग सदर अस्पताल में भर्ती हैं।' हालांकि गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर 18 लोगों की मौत की जानकारी दी थी। न्यूज एजेंसी ने भी सांसद के हवाले से 18 लोगों की मौत की बात कही थी। पीएम मोदी, सीएम हेमंत सोरेन और राज्यपाल ने हादसे पर दुख जताया है। 40 कांवड़ियों से भरी बस देवघर से बासुकीनाथ जा रही थी। देवघर से 18 किमी पहले बस सामने से आ रहे सिलेंडर लदे ट्रक से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, बस ड्राइवर को झपकी आ जाने

के कारण हादसा हुआ। टक्कर के बाद ड्राइवर सीट समेत सड़क पर गिर गया, उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही 3 महिला कांवड़ियों की घटनास्थल पर जान चली गई। 6 मृतकों में 4 बिहार के हैं। इनमें बेतिया की दुर्गावती देवी (45), पटना की संता देवी, गयाजी से सुमन कुमारी और वैशाली के पीयूष कुमार (19) हैं। ड्राइवर सुभाष तूरी (30) देवघर का रहनेवाला था। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बस से घायल कांवड़ियों को निकाला और मोहनपुर थाने की सूचना दी। बस में सवार रहे मोतिहारी के अनिल यादव ने बताया, 'घटना सुबह 5 बजे के करीब की है। देवघर से बस कांवड़ियों को लेकर जा रही थी। दूसरी ओर से गैस सिलेंडर लदा हुआ ट्रक आ रहा था। दोनों में टक्कर नावापुरा गांव के जमुनिया हॉस्पिटल के सामने में हुई।' '5 लोग तो मौके पर ही मर गए। घायलों की गिनती नहीं कर पाया। 3 से 4 लोगों की स्थिति बहुत गंभीर थी।' देवघर सदर SDO रवि कुमार ने बताया, '5 लोगों की मौत हुई है। 24 लोग जख्मी हैं, जिनका इलाज चल रहा है। कुछ लोगों को ज्यादा चोट आई है, जिन्हें रेफर किया जा सकता है। सभी का देवघर सदर अस्पताल में इलाज हो रहा है।'

शाह बोले: पहलगाम हमला करने वाले 3 आतंकी ढेर

इनके नाम सुलेमान, फैजल और जिब्रान

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 14 मिनट बोले। उन्होंने भाषण की शुरूआत पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने से की। उन्होंने बताया कि जिन आतंकियों ने बैसरन घाटी में हमारे 26 पर्यटकों को मारा, उन्हें 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव में ढेर कर दिया गया। इन आतंकियों के नाम सुलेमान, फैजल अफगान और जिब्रान हैं। ये तीनों पहलगाम हमले के आतंकी थे और तीनों मारे गए। उन्होंने सदन में इसके सबूत भी दिए। शाह ने बताया कि आतंकियों की मदद करने वाले 2 आरोपियों की भी पहचान हो गई है। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। शाह ने अपने भाषण में नेहरू, इंदिरा, आतंकवाद, सोनिया, चिदंबरम, अटलजी, मनमोहन सिंह, चीन, कश्मीर, आर्टिकल 370 का जिक्र किया। लेकिन अमेरिका, सीजफायर और ट्रम्प पर कुछ नहीं बोले। ऑपरेशन सिंदूर से ऑपरेशन महादेव कैसे चलाया इसकी जानकारी दी। इंदिराजी ने पाकिस्तान के 2 टुकड़े किए। यह बहुत बड़ी विजयी थी और हम सब भी इस पर गर्व करेंगे, लेकिन युद्ध की चकाचौंध में हुआ क्या। शिमला में समझौता हुआ, पीओके मांगना ही भूल गए। अगर उस वक्त पीओके मांग लेते, तो ना रहता बांस न बजती बांसुरी। पीओके तो मांगना ही भूल गए, 15 हजार वर्ग किमी की जीती जमीन भी दे दी।₹'पाकिस्तान के 195 अधिकारियों पर युद्ध अपराध का मुकदमा चलना था, भुट्टो उन्हें इंदिरा जी के सामने से छुड़ाकर ले गया। जनरल मानेकशॉ ने कहा कि भुट्टो ने भारत के नेतृत्व को मूर्ख बनाया। ये हमको सिखा रहे हैं कि ये नहीं किया, वो नहीं किया।₹₹मैं आज पूछना चाहता हूं, 62 के युद्ध में क्या हुआ। 30 हजार वर्ग किलोमीटर अक्साई चिन का हिस्सा चीन को दे दिया गया। उस पर सदन में नेहरू जी ने कहा कि वहां घास का एक तिनका नहीं उगता, उस जगह का क्या करेंगे। उनका सिर मेरे जैसा था। एक सदस्य ने कहा कि आपके सिर पर भी एक भी बाल नहीं है, उसे चीन भेज दें क्या।₹ ₹मैंने एक दिन सलमान खुर्शीद के बयान को सुना कि उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी बाटला हाउस एनकाउंटर पर रो पड़ीं। अरे शहीद मोहनलाल के लिए रोना था। आप कहेंगे तो कल सलमान खुर्शीद के उस बयान को संसद में दिखा देंगे।₹₹मैं यूपीए सरकार और हमारी सरकार के कामकाज का लेखाजोखा रखना चाहता हूं। यूपीए सरकार में कश्मीर में जो आतंकी घटनाएं हुई, उनमें मोदी सरकार में कमी हुई। सुरक्षाबलों की मौत यूपीए में 1060 थी और हमारे समय में आधी रह गई है।₹अनुच्छेद 370 ने कश्मीर में आतंकवादी इकोसिस्टम को तबाह कर दिया है। एक जमाना था आतंकियों के जनाजे निकलते थे, अब जो मारा जाता है, उसे वहीं दफना दिया जाता है। आतंकियों का महिमामंडन करने की इजाजत मोदी सरकार में नहीं है।

सांप के काटने से बच्चे की मौत

मथुरा। फरह क्षेत्र के ग्राम पींगरी के जाटव बस्ती में मंगलवार की सुबह एक मासूम बच्चे की नींद में ही सांप के काटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 8 वर्षीय धीरज पुत्र दिनेश के रूप में हुई है। परिवारजनों के अनुसार, धीरज सोमवार की शाम को सामान्य रूप से अपने घर में सोया था। सुबह जब परिजनों ने उसे उठाने की कोशिश की तो वह अचेत अवस्था में मिला। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों की प्रारंभिक जांच में यह पुष्टि हुई कि बच्चे की मौत सर्पदंश के कारण हुई है। रात्रि में सोते समय बच्चे को सांप ने डंसा था। गहरी नींद में होने के कारण वह कुछ बता नहीं सका।इस घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। धीरज की मौत से उसके माता-पिता और परिवार गहरे सदमे में हैं। पूरे गांव में मातम का माहौल है।

महिलाओं के सशक्तिकरण में दिल्ली की रेखा सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली- 29 जुलाई। दिल्ली की महिलाओं के सशक्तिकरण व उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार महिलाओं को दुकानों/वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में नाइट शिफ्ट (24×7, रात्रि पाली) में कार्य करने की छूट दी जा रही है। यह निर्णय इस क्षेत्र के कार्यबल (वर्कफोर्स) में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाएगा साथ ही Ease of Doing Business (व्यापार करने में आसानी) को भी बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कड़े प्रावधान किए जा रहे हैं, जिनमें रात की ड्यूटी के दौरान परिवहन की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त सुरक्षा गार्ड की तैनाती आदि शामिल है। देश के कुछ राज्यों में महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की छूट मिली हुई है। मुख्यमंत्री के अनुसार सरकार का यह निर्णय दिल्ली को 24×7 बिज़नेस हब बनाने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि माननीय उपराज्यपाल की स्वीकृति के लिए यह प्रस्ताव उन्हें शीघ्र भेजा जा रहा है। इस विषय पर उपराज्यपाल जी से पहले चर्चा हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इस निर्णय को लागू करने के लिए दिल्ली दुकान एवं स्थापना अधिनियम-1954 में छूट दी जा रही है। इस अधिनियम की धारा 14, 15 एवं 16 के अनुसार महिलाओं को (गर्मी के मौसम में) रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक व (सर्दी के मौसम में) रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक कार्य करने की अनुमति नहीं है। लेकिन अब इसमें परिवर्तन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि महिला कल्याण हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर है। हम विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कामकाजी महिलाओं के आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार हरियाणा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु आदि में यह छूट पहले

से ही जारी है। अब इसे देश की राजधानी दिल्ली में भी लागू किया जा रहा है, क्योंकि दिल्ली सरकार महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को अपनी नीति की केंद्रीय प्राथमिकता मानती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दुकानों/वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में महिलाओं को नाइट शिफ्ट (24×7) में कार्य करने की छूट में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी या तनाव न हो, इसके लिए कड़े प्रावधान (शर्तें) लागू की जा रही हैं। महिलाओं को रात्रि पाली में रखने से पहले उनकी लिखित सहमति लेना जरूरी होगा, कार्यस्थल पर सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड और सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था अनिवार्य होगी।

शेष पृष्ठ 3 पर

कांग्रेस को न भारत के सामर्थ्य पर भरोसा न सेना पर, उनके नेताओं के उथलेपन को दुनिया ने देखा

- लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी ने जवाब दे कहा- भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से किसी ने नहीं रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं है। यूएन के 193 देशों में सिर्फ 3 देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि देश-दुनिया भर से भारत को समर्थन मिला। लेकिन दुर्भाग्य है कि मेरे देश के पराक्रम को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला है। 22 अप्रैल के हमले के बाद 3-4 दिन में ही ये उछल रहे थे, कह रहे थे कहां गई 56 इंच की छाती, कहां गया मोदी, मोदी फेल हो गया। क्या मजा ले रहे थे। उन्हें लग रहा था कि इस बार बाजी मार ली। कांग्रेसी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की हत्या में भी अपनी राजनीति तलाश रहे थे। अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए मुझ पर लगातार निशाना साध रहे थे। कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी उथलापन से देश के सुरक्षा बलों का मनोबल गिरा रहा था। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस को न भारत के सामर्थ्य पर भरोसा है। न सेना पर इसलिए वे लगातार सवाल उठा रहे हैं। ऐसा करके मीडिया में छा सकते हैं, लेकिन देशवासियों के दिलों में जगह नहीं बना सकते।

पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान सोच नहीं सकता था कि कोई बहावलपुर मुरीदके भी जमींदोज कर सकता है। लेकिन हमारी सेनाओं ने आतंकी अड्?डों को तबाह किया। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि भारत अपनी शर्तों पर अपने तरीके से जवाब देगा। पीएम मोदी से पहले राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाया। अगर दम है तब प्रधानमंत्री यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं। कहें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारा एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा।

राहुल गांधी को करार जबाव देकर पीएम मोदी ने कहा कि मैं डंके की चोट पर दोबारा दोहराता हूं भारत की सेना ने पाकिस्तान की सेना को चंद मिनट में बता दिया कि हमारा ये लक्ष्य था हमने पूरा कर दिया। ताकि उन्ह्रहें यह पता चले कि हमारे दिल दिमाग में क्या चलता है। हमारी सेना ने अपना लक्ष्य सौ प्रतिशत हासिल किया है। अगर पाकिस्तान में समझदारी होती, तब आतंकियों के समर्थन में खुलेआम न खड़ा होता है।

उसने निर्लज्ज होकर आतंकियों के साथ खड़े होने का फैसला किया। हम पूरी तरह तैयार थे। मौके की तलाश में थे, लेकिन हमारा लक्ष्य साफ था कि आतंक और आतंकियों को नष्ट करना। 9 मई की रात हमारी मिसाइलें पाकिस्तान के हर कोने में प्रचंड प्रहार किया, जिसकी उसके कभी कल्पना नहीं की थी, हमारे प्रचंड प्रहार से पाकिस्तान को घुटनों पर आने मजबूर कर दिया। आपने देखा होगा कि वहां से लोगों के क्या बयान आते थे कि अरे मैं स्विमिंग पूल में नहा रहा था, मैं दफ्तर जाने की तैयारी में था। मैं सोच भी नहीं पाया और भारत ने हमला कर दिया। इसके बाद पाकिस्तानी डीजीएमओ न गुहार लगाई बस करो बहुत हो गया, अब और ज्यादा मार झेलने की ताकत नहीं है। इसके बाद सीजफायर हुआ।

मैं आज दोबारा कह रहा हूं कि यह भारत की स्पष्ट और सेना के साथ मिलकर तैयार की गई नीति थी कि हमारा लक्ष्य क्या है। हमने पहले दिन ही कहा था हमारा एक्शन नॉन एक्सेलेटरी है। दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन रोकने नहीं कहा।

पीएम मोदी ने कहा कि बालाकोट के समय भी यही हुआ। हमारी सेना ने अंदर घूसकर मार दिखाया। ऑपरेशन सिंदूर के समय हमारा लक्ष्य तय था। हमारा लक्ष्य था कि आतंक के जो एपिसेंटर हैं, जहां से योजना बनी ट्रेनिंग मिली उस पर हमला किया जाएगा। हमने उनकी नाभि पर हमला कर दिया। जहां पहलगाम के आतंकियों का रिक्रूटमेंट हुआ, ट्रेनिंग मिलती थी, उस जगह को आइडेंटिफाई किया और ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों की नाभि पर प्रहार किया। इस बार भी हमारी सेना ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करके देश के सामर्थ्य का परिचय दिया। देश भूलता नहीं देश को याद है, 6 मई को ऑपरेशन सिंदूर हुआ, 7 मई को प्रेस वार्ता स्पष्ट कर दिया कि आतंकियों अड्डे, आकाओं को हम नष्ट करना चाहते हैं। हमने स्पष्ट कर दिया कि हमने जो तय किया वह कर दिया।

मंडी में बादल फटने से फिर बरपा कहर, तीन की मौत, मलबे में दबीं कई गाड़ियां

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भारी बारिश ने फिर तबाही मचाई है। बादल फटने से इस बार मंडी शहर के विभिन्न स्थानों पर कहर बरपा है। मंडी शहर के जेल रोड़ में अभी तक तीन लोगों की पानी के बहाव में बहने से मौत की पुष्टि हुई है। एक महिला का शव मलबे में दबी गाड़ियों के बीच में फंसा हुआ था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकला गया। मलबे में फंसे कई लोगों को खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाला गया। मंडी सदर क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थान आज बंद रखने का फैसला लिया गया। बादल फटने के बाद आई बाढ़ में दर्जनों

छोटे-बड़े वाहन मलबे में दब गए हैं और कुछ बह गए हैं। इसके अलावा पैलेस कॉलोनी, जोनल अस्पताल और अन्य स्थानों पर बारिश ने कहर बरपाया है। पुलिस विभाग, एनडीआरएफ, होमगार्ड और अग्निशमन विभाग की टीमों की ओर से बचाव एवं राहत कार्य चलाया जा रहा है। मृतकों में बलबीर सिंह पुत्र कृष्ण सिंह, अमनप्रीत सिंह उर्फ सनी पुत्र दर्शन सिंह व सपना पत्नी दर्शन सिंह के रूप में हुई है। एक व्यक्ति दर्शन सिंह घायल है और उपचार के लिए मंडी के क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर वासियों ने डर के साए में पूरी रात काटी। सुबह नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, विधायक सदर अनिल शर्मा, नगर निगम के मेयर वीरेंद्र भट्ट, कमीशनर रोहित राठौर और अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एसपी मंडी साक्षी वर्मा भी मौके पर मौजूद रहीं। ब्यास, सुकेती, और सकोडी खड्ड के उफान पर होने से साथ लगते घरों के लोग भी सहम गए। धर्मपुर लोनिवि मंडल कार्यालय व अधीक्षण अभियंता कार्यालय के ऊपर भारी भूस्खलन हुआ है।

2 लाख श्रद्धालुओं ने किंए नागचंद्रेश्वर के दर्शन

उज्जैन। नागपंचमी के मौके पर मध्यप्रदेश के शिवालयों और नाग मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट रात 12 बजे खोले गए। महानिवार्णी अखाड़ा के महंत श्री विनीत गिरी महाराज ने त्रिकाल पूजन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ। सुबह 10 बजे तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। बारिश के बावजूद गेट नंबर 4 पर भक्तों की 2 किमी लंबी लाइन लगी है। श्री नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट हर साल सिर्फ एक बार

नागपंचमी के दिन 24 घंटे के लिए खोले जाते हैं। क्राउड मैनेजमेंट और सिक्योरिटी के लिए 200 सीनियर अफसर, 2500 कर्मचारी, 1800 पुलिसकर्मी और 560 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंगलवार दोपहर 12 बजे महानिवार्णी अखाड़ा की ओर से पूजन होगा। शाम को भगवान महाकाल की आरती के बाद पुजारियों और पुरोहितों द्वारा अंतिम पूजा की जाएगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की आठवीं विधानसभा का मानसून सत्र 4 अगस्त से प्रारंभ होगा

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 29 जुलाई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की आठवीं विधान सभा का तृतीय सत्र (मानसून सत्र) सोमवार, 4 अगस्त 2025 को दोपहर 2ः00 बजे दिल्ली विधानसभा भवन, पुराना सचिवालय में प्रारंभ होगा। डिजिटल सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत, यह मानसून सत्र पूरी तरह काग़ज़ रहित (Paperless) रूप में राष्ट्रीय ई-विधान अनुप्रयोग (NeVA) के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। विजेन्द्र गुप्ता द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, विधानसभा की बैठकें 4 अगस्त से 8 अगस्त 2025 तक निर्धारित की गई हैं। हालांकि, आवश्यकतानुसार सत्र की अवधि में विस्तार भी किया जा सकता है। प्रत्येक बैठक दोपहर 2ः00 बजे प्रारंभ होगी और निर्धारित कार्यसूची के पूर्ण होने तक संचालित की जाएगी। विजेन्द्र गुप्ता ने निर्देशित किया है कि नियम 280 (विशेष उल्लेख) के अंतर्गत विषय उठाने की इच्छा रखने वाले माननीय सदस्य ह्द्ङ्क पोर्टल (https://cms.neva.gov.in/) के माध्यम से ही पूर्व कार्यदिवस को शाम 5ः00 बजे तक अपना

नोटिस प्रस्तुत करें। प्राप्त नोटिसों में से प्राथमिकता निर्धारण हेतु पहले 10 विषयों की लॉटरी प्रक्रिया संबंधित दिन को पूर्वाह्न 11ः00 बजे सचिव कक्ष में आयोजित की जाएगी। सदस्यों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने विषय संक्षिप्त, स्पष्ट एवं केन्द्रित रखें — 8 से 10 पंक्तियों के भीतर, जो किसी एक विभाग से संबंधित एकल मुद्दे पर आधारित हो। सदन में वक्तव्य देते समय केवल प्रस्तुत विषयवस्तु तक ही सीमित रहें द्य डिजिटलीकरण एवं पारदर्शिता के प्रति अध्यक्ष की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए यह भी निर्देशित किया गया है कि प्रश्नों, प्रस्तावों तथा अन्य सभी नोटिस अब केवल NeVA पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इस हेतु NeVA सेवा केंद्र में एक समर्पित सहायता कक्ष कार्यदिवसों पर प्रातः 9ः30 से सायं 6ः00 बजे तक कार्यरत है, जहाँ सदस्य अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि ऑनलाइन प्रक्रिया में तकनीकी सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। विजेन्द्र गुप्ता ने सभी सदस्यों से इस ऐतिहासिक काग़ज़ रहित मानसून सत्र में सक्रिय भागीदारी की अपील की है और अपेक्षा व्यक्त की है कि निर्धारित प्रक्रियाओं का पूर्ण पालन करते हुए सदन की कार्यवाही को सरल, पारदर्शी और परिणाममुखी बनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में लगे भूकंप के झटके

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। सोमवार तड़के आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 रही। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप के झटके भारतीय समयानुसार सोमवार सुबह 2 : 06 बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र इस्लामाबाद के पश्चिम में जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई में था। पाकिस्तान, भूकंप के लिए दुनिया के सबसे संवेदनशील देशों में शामिल है, जहां कई बड़े भूकंपीय फॉल्ट स्थित हैं। इसके चलते, पाकिस्तान में अक्सर भूकंप आते हैं और विनाशकारी होते हैं। पाकिस्तान भूगर्भीय रूप से यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों, दोनों को ओवरलैप करता है।

वॉलमार्ट में चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध पर आतंकवाद और हमले के आरोप दर्ज करने की मांग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में एक वॉलमार्ट में चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध पर अधिकारी आतंकवाद और हत्या की कोशिश जैसे गंभीर आरोप लगाने की मांग कर रहे हैं। यह घटना शनिवार को ट्रैवर्स सिटी के एक वॉलमार्ट में हुई थी। इस घटना में 11 लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों का मानना है कि हमलावर ने लोगों को बिना किसी वजह के अंधाधुंध निशाना बनाया। ग्रैंड ट्रैवर्स काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह हमला शाम करीब 4 : 45 बजे हुआ, जब 42 साल का एक आदमी स्टोर में आया और एक फोल्डिंग चाकू से लोगों पर हमला करने लगा।

चीन के लड़ाकू विमान फिर ताइवान की सीमा में घुसे

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि चीन के लड़ाकू विमानों ने एक बार फिर उसकी संप्रभुता का उल्लंघन किया और पीएलए के 4 लड़ाकू विमान ताइवान की सीमा में घुस आए। साथ ही 10 युद्धक जहाजों ने भी ताइवान के जलीय सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान की सरकार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 6 बजे चीन की सेना के चार विमान ताइवान की सीमा में देखे गए। साथ ही 10 युद्धक जहाजों ने भी ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। ताइवान ने कहा कि वे हालात पर नजर बनाए हुए हैं और हालात के मुताबिक जवाब दिया जाएगा।

सूडान में आरएसएफ ने बनाई वैकल्पिक सरकार, तेज हुआ गृहयुद्ध

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने वैकल्पिक सरकार के गठन का एलान किया है। इसके साथ ही गठबंधन ने देश की राजधानी खार्तूम में स्थित सैन्य अधिकारियों को सीधी चुनौती दे दी है। देश में तीन वर्षों से जारी गृहयुद्ध तेज हो गया है। अल जजीरा कि रिपोर्ट के अनुसार, खुद को सूडान संस्थापक गठबंधन (टीएएसआईएस) की नेतृत्व परिषद कहने वाले इस गठबंधन ने एलान किया है कि आरएसएफ कमांडर मोहम्मद हमदान हेमेदती दागालो 15 सदस्यीय राष्ट्रपति परिषद की अध्यक्षता करेंगे। इसमें क्षेत्रीय गवर्नर भी शामिल होंगे। टीएएसआईएस ने सूडानी राजनेता मोहम्मद हसन को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। पिछले काफी समय से सूडान आंतरिक संघर्ष से जूझ रहा है। इसके चलते लोगों को बेहद समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

जंगल के बीच पटरी से उतरी ट्रेन, तीन की मौत और 50 से ज्यादा घायल, भूस्खलन की आशंका

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में रविवार को एक बड़ा रेल हादसा हुआ। सिगमारिंगन से उल्म जा रही एक पैसेंजर ट्रेन जंगल के बीच से गुजरते समय पटरी से उतर गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जनों यात्री घायल हो गए। ट्रेन में करीब 100 लोग सवार थे। जर्मनी देश के समय अनुसार हादसा शाम करीब 6 : 10 बजे रिडलिंगन शहर के पास हुआ। जर्मन रेल ऑपरेटर डॉयचे बान ने पुष्टि की कि ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के कारणों की फिलहाल पुष्टि नहीं हो सकी है। ऑपरेटर का कहना है कि घटनास्थल पर जांच चल रही है और आसपास के 40 किलोमीटर इलाके में ट्रैफिक रोक दिया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जर्मनी के कई हिस्सों में भारी बारिश और तूफान के चलते लैंडस्लाइड की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार, दक्षिणी जर्मनी में इन दिनों मौसम बेहद खराब बना हुआ है। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं। स्थानीय टीवी चैनल एसडब्ल्यूआर के अनुसार, कई घायलों को हेलिकॉप्टर के जरिए पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। कई घायल लोगों को गंभीर हालत में भर्ती किया गया है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि वे परिवहन और गृह मंत्रालय के संपर्क में हैं और बचाव कार्य के लिए हर संभव मदद दी जा रही है। साथ ही, इस हादसे ने एक बार फिर जर्मनी के रेलवे सिस्टम की खस्ता हालत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पहली बार नहीं है जब जर्मनी में इस तरह का हादसा हुआ है। जून 2022 में भी एक ट्रेन बवेरियन एल्प्स के पास पटरी से उतर गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान में फ्लैश फ्लड का कहर टीवी एंकर समेत 15 लोग लापता,

स्थानीय लोग सरकार की व्यवस्थाओं से नाराज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में रविवार को हाईवे पर अचानक पानी भर गया। फ्लैश फ्लड की चपेट में आई एक टीवी एंकर और उसके परिवार के सदस्यों समेत 15 लोगों के बह जाने की आशंका है। वहीं कई दिनों से प्रकृति की मार झेल रहे इस इलाके के विस्थापितों ने स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क पहुंच और संचार सेवाओं की गंभीर कमी की शिकायत की है।

बाढ़ से प्रभावित डायमर की बाबूसर और थोर घाटियों में बचे लोगों ने कहा कि वे हाल के दिनों की सबसे घातक बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, जिसमें कई लोग बेघर हो गए और उनका सारा सामान बह गया। मीडिया हाउस डॉन के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फ्लैश फ्लड से बाबूसर हाईवे पर अचानक पानी बढ़ गया और इसमें 10 से 15 पर्यटक बह गए। अब तक सात शव बरामद किए जा चुके हैं। पर्यटकों में एक निजी चैनल की टीवी एंकर, उनके पति और उनके चार बच्चे भी शामिल हैं।

गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने बताया कि एक पश्तो भाषा के टीवी चैनल की एंकर के परिवार ने अधिकारियों से संपर्क कर बताया है कि वह, उनके पति और उनके चार बच्चे लापता हैं।

फारक ने बताया कि उन्हें एंकर का एक बटुआ मिला है। वहीं, चिलास के मीनार इलाके में सिंधु नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। माना जा रहा है कि यह महिला उन पर्यटकों में शामिल है जो बाबूसर हाईवे पर आई बाढ़ में बह गए थे।

उन्होंने कहा, खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से बाकी लापता लोगों की तलाश जारी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि भारी मशीनरी का उपयोग करके मरम्मत कार्य जारी है, 15 स्थानों पर सड़क अवरुद्ध है, और उनमें से 13 स्थानों पर आंशिक रूप से मार्ग साफ कर दिया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सोमवार तक राजमार्ग आंशिक रूप से यातायात के लिए फिर से खोल दिया जाएगा।

गिलगित क्षेत्र में, दान्योर नाले से आई अचानक बाढ़ के कारण मुख्य आपूर्ति पाइपलाइन और कई सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त होने के बाद, दान्योर और सुल्तानाबाद इलाकों के हजारों निवासी लगातार तीन दिनों तक पीने के पानी के बिना रहे। वहीं आम लोग सरकार की अनदेखी से भी खासा नाराज हैं। गिलगित के पूर्व मंत्री मुहम्मद इकबाल के नेतृत्व में क्षेत्र के बुजुर्गों ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार बार-बार आश्वासन के बावजूद बाधित जल आपूर्ति बहाल करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि हालांकि निवासियों ने पाइपलाइन को अस्थायी रूप से बहाल करने में कामयाबी हासिल की थी, लेकिन बाद में आई बाढ़ ने इसे फिर से नष्ट कर दिया। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि अभी तक कोई मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है और सरकार को कार्रवाई के लिए एक दिन का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा वे विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। इस बीच, घांचे जिले के कोंडस और हल्दी के निवासियों ने भी राहत सामग्री, बिजली, पेयजल और सड़क मार्ग की कमी की शिकायत की।

कोंडस में हुए विनाशकारी भूस्खलन में 50 से ज्यादा घर बह गए, जिससे कई परिवार बेघर हो गए और उन्हें भोजन, आश्रय, चिकित्सा देखभाल, और आपातकालीन सेवाओं की तत्काल आवश्यकता है। स्थानीय लोगों ने इंटरनेट की अनुपलब्धता पर भी दुख जताया, जिससे बातचीत करना या मदद के लिए फ़ोन करना और भी मुश्किल हो गया। जुटल और गिलगित-बाल्टिस्तान के अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों ने भी बुनियादी सुविधाओं की कमी की शिकायत की और सरकार की धीमी प्रतिक्रिया और समय पर राहत पहुंचाने में विफलता की आलोचना की।

हमास नेता सिनवार की विधवा फर्जी पासपोर्ट पर गाजा से भागी, तुर्किये में की दोबारा शादी

गाजा पट्टी, एजेंसी। हमास के पूर्व नेता याह्या सिनवार की विधवा समर मुहम्मद अबू जमर फर्जी पासपोर्ट पर गाजा से भाग निकली। अब उसने तुर्किये में दोबारा शादी कर ली है। इस्राइली समाचार एजेंसी ड्ढठ्ठद्दह्ल की रिपोर्ट में जमर के भागने और दोबारा शादी करने का दावा किया गया है।

जमर ने 2011 में सिनवार से शादी की थी। जमर ने गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय से धर्मशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। रिपोर्ट के अनुसार, समर ने फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल किया और अपने बच्चों के साथ चोरी-छिपे गाजा से बाहर निकल गईं। उन्होंने एक और गाजा निवासी महिला के पासपोर्ट का इस्तेमाल किया और राफा बॉर्डर के रास्ते मिस्र गईं।

गाजा के एक व्यक्ति ने ड्ढठ्ठद्दह्ल को बताया कि समर अब गाजा में नहीं हैं, वे अब तुर्किये में हैं। उसने कहा कि गाजा से इस तरह भागना बहुत मुश्किल है और इसके लिए पैसों, मदद और ऊंचे स्तर पर संपर्क की जरूरत होती है- जो आम लोगों के पास नहीं होती। रिपोर्ट में कहा गया है कि समर ने पिछले साल अक्तूबर में याह्या सिनवार की मौत के बाद तुर्किये में दोबारा शादी की। यह शादी हमास के एक सीनियर नेता फती हम्माद ने करवाई। हम्माद पहले भी हमास नेताओं और उनके परिवारों को संघर्ष वाले इलाकों से बाहर निकालने की कोशिशों से जुड़ चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने गाजा में युद्ध के शुरुआती समय में अपने वरिष्ठ नेताओं के परिवारों को बाहर निकालने के लिए एक योजना बनाई थी, जिसमें फर्जी दस्तावेज और मेडिकल रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया। सिनवार के भाई मोहम्मद की पत्नी नजवा, जो कुछ समय के लिए हमास का नेतृत्व भी कर रही थीं, वह भी इसी नेटवर्क की मदद से गाजा से बाहर निकल गईं। रिपोर्ट के मुताबिक, तब से उन्हें किसी ने नहीं देखा। इस्राइल की सेना ने याह्या सिनवार को 16 अक्तूबर 2024 को गाजा के राफा इलाके में एक टूटी-फूटी इमारत में ढूंढ निकाला और मार गिराया। वीडियो फुटेज में वह धूल में सने हुए एक कुर्सी पर बैठे दिख रहा था और ड्रोन पर एक डंडी फेंकते नजर आया। बाद में सिर में गोली लगने और मलबे की चोटों से उसकी मौत हो गई।

चीन के दबाव में सांस्कृतिक मंच हुआ राजनीति का शिकार, बदला गया ताइवान का झंडा और नाम

टोक्यो, एजेंसी। जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित इंटरनेशनल कोयर प्रतियोगिता एक बड़े राजनीतिक विवाद में घिर गई है। ताइवान ने इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में चीन द्वारा राजनीतिक दबाव डालने पर कड़ा विरोध जताया है। ताइवान का आरोप है कि चीन के हस्तक्षेप के बाद आयोजकों को उनके देश का झंडा हटाना पड़ा और नाम बदलकर चाइनीज-ताइपेई कर दिया गया। इस घटना से न केवल कलाकारों की भावनाएं आहत हुई हैं, बल्कि सांस्कृतिक मंच पर राजनीतिक दखल की आलोचना भी तेज हो गई है।

प्रतियोगिता में ताइवान के छह कोयर ग्रुप शामिल थे, जिनमें स्कूली बच्चों से लेकर वयस्क कलाकार शामिल थे। आयोजकों पर चीन के अधिकारियों ने दबाव डाला कि ताइवान का नाम बदलकर चाइनीज-ताइपेई किया जाए और राष्ट्रीय ध्वज हटाया जाए। ताइवान के प्रतिनिधि कार्यालय को शनिवार शाम इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद एक विधायक को इस मुद्दे पर आयोजकों से बातचीत के लिए भेजा गया। जापान के सांसद केइजी फुरुया ने ताइवान की तरफ से आयोजकों से बात की और उसका पक्ष रखा। लेकिन आयोजकों ने अंततः चीन के दबाव में आकर सभी झंडे हटा दिए और नाम बदल दिए।

दक्षिण कोरिया सरकार ने बातचीत का भेजा प्रस्ताव, किम जोंग उन की बहन बोली- कोई दिलचस्पी नहीं

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन ने दक्षिण कोरिया की नई सरकार के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जिसमें उसने दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए बातचीत की पेशकश की थी। किम जोंग की बहन ने इस प्रस्ताव को सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत करने में कोई रुचि नहीं है, चाहे उसका प्रतिद्वंद्वी कोई भी प्रस्ताव क्यों न पेश करे। किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग की इन टिप्पणियों से फिर से यह स्पष्ट होता है कि उत्तर कोरिया का निकट भविष्य में दक्षिण कोरिया व अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की कूटनीतिक बातचीत करने का कोई इरादा नहीं है।

उत्तर कोरिया इस समय रूस के साथ अपने बढ़ते सहयोग पर अधिक ध्यान दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर उत्तर कोरिया को लगता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होने के बाद भी वह रूस के साथ अपने संबंधों को पहले जैसा नहीं रख पाएगा तो वह अपना रुख बदल सकता है। दक्षिण कोरिया के सरकारी मीडिया की ओर से जारी बयान में किम यो जोंग ने कहा, 'हम एक बार फिर आधिकारिक रुख स्पष्ट करते हैं कि सियोल में चाहे कोई भी नीति अपनाई जाए और कोई भी प्रस्ताव रखा जाए, हमें उसमें कोई रुचि नहीं है। न ही उनसे मिलने का कोई कारण है और न ही चर्चा करने के लिए कोई मुद्दा है।'

ली जे-म्युंग सरकार की क्या नीति

यह दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की सरकार की नीति के बारे में उत्तर कोरिया का पहला आधिकारिक बयान है। ली जे-म्युंग जून की शुरुआत में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति बने थे। उत्तर कोरिया के साथ तनावपूर्ण रिश्तों को सुधारने के लिए राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इस बीच, खबर है कि उत्तर कोरिया ने चोई ह्योन-श्रेणी के अपने तीसरे जंगी पोत के निर्माण का काम शुरू कर दिया है जिसे अगले साल अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। यह पोत देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन के उस संकल्प के तहत है जिसमें उन्होंने देश की लंबे समय से उपेक्षित नौसेना को ताकतवर बनाने के लिए हर साल बड़े पोत बनाने का निश्चय किया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि देश के पश्चिमी तट पर स्थित नाम्फो शिपयार्ड में निर्माण कार्य की शुरुआत के लिए समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कई शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

भारत की मदद के लिए मोहम्मद यूनुस ने कहा धन्यवाद, डॉक्टर्स से बोले- आपका दिल बहुत बड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारतीय डॉक्टर्स समेत 21 विदेशी फिजिशियन और नर्सों की टीम की जमकर तारीफ की। रविवार को मोहम्मद यूनुस ने स्टेट गेस्ट हाउस में विदेशी डॉक्टर्स की मेडिकल टीम से मुलाकात की और उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

बीती 21 जुलाई को बांग्लादेशी वायु सेना का एक लड़ाकू विमान ढाका में एक स्कूल और कॉलेज कैंपस के बीच क्रैश हो गया था। इस विमान हादसे में 27 लोगों की मौत हो गई थी और 170 से ज्यादा घायल थे। इनमें अधिकतर छात्र थे। हादसे के बाद अंतरराष्ट्रीय मेडिकल टीम ने ढाका पहुंचकर हादसे में घायल लोगों के इलाज में मदद की। इस विदेशी डॉक्टर्स की टीम में चीन, सिंगापुर और भारत के डॉक्टर्स और नर्सें शामिल रहीं। डॉक्टर्स से मुलाकात में मोहम्मद यूनुस ने उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि ये टीम न सिर्फ अपनी स्किल के साथ बांग्लादेश आई बल्कि अपने बड़े दिल के साथ भी आई। इनकी मौजूदगी से न

सिर्फ साझा मानवता की पुष्टि हुई है बल्कि इस संकट के समय में वैश्विक साझेदारी का मूल्य भी पता चला है।

इस मेडिकल टीम में दस सदस्य सिंगापुर के, आठ चीन के और चार भारत से गए विशेषज्ञ शामिल रहे। हादसे में जलने से घायल हुए लोगों की मदद में इस टीम ने काफी मदद की। मोहम्मद यूनुस के स्वास्थ्य मामलों के सलाहकार प्रोफेसर सैयदुर रहमान ने कहा कि विशेषज्ञों की इस टीम की मदद से कई जिंदगियां बचाने में मदद मिली। बांग्लादेश की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम ने भी विदेशी डॉक्टर्स की इस टीम से मुलाकात की और उनके काम और उनकी मदद की जमकर तारीफ की। मोहम्मद यूनुस ने डॉक्टर्स की इस टीम से अपील की कि वे बांग्लादेश के साथ संपर्क बनाए रखें और बांग्लादेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर बनाने में मदद करें। इस दौरान चीन और सिंगापुर के राजदूत भी मौजूद रहे।

प्लेन क्रैश में 31 लोग मारे गए

राजधानी ढाका में 21 जुलाई को वायुसेना का एक ट्रेनी विमान माइलस्टोन स्कूल पर क्रैश हो गया था। हादसे में 31 लोगों की मौत हुई थी। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। इसके अलावा 165 घायल हुए। इनमें से 78 की हालत गंभीर है। क्रैश हुआ फाइटर जेट चीन में बना एफ-7बीजीआई था। हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया।

सीरिया में संसदीय चुनावों की तारीख की घोषणा, 15-20 सितंबर के बीच होंगे

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में संसदीय चुनावों की घोषणा कर दी गई है। चुनाव 15 से 20 सितंबर के बीच होंगे। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के बाद पहली बार चुनाव होंगे। चुनाव प्रक्रिया के आयोजन के लिए नियुक्त निकाय के प्रमुख ने रविवार को चुनाव के संबंध में जानकारी दी।

जनसभा चुनावों की उच्च समिति के अध्यक्ष मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने सरकारी समाचार एजेंसी सना को बताया कि चुनाव 15 से 20 सितंबर के बीच होंगे। ये चुनाव सीरिया के लिए इसलिए खास हैं, क्योंकि दिसंबर में विद्रोहियों के तेज हमले के बाद पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद का पतन हो गया था, जिसके बाद देश की नई सरकार के तहत ये पहले चुनाव होंगे।

210 में से एक तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति करेंगे नियुक्ति : सीरिया की संसद में कुल 210 सीटें हैं। इनमें से एक तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा खुद लोगों को नियुक्त करेंगे, जबकि बाकी सीटों पर चुनाव होंगे। एक साक्षात्कार में, चुनाव समिति के एक अन्य सदस्य हसन अल-दाघिम ने बताया कि निर्वाचित सीटों के लिए मतदान करने हेतु सीरिया के प्रत्येक प्रांत में एक निर्वाचक मंडल स्थापित किया जाएगा।

मार्च में अल-शरा द्वारा हस्ताक्षरित एक अस्थायी संविधान में एक जन समिति के गठन का आह्वान किया गया था, जो एक स्थायी संविधान के पारित होने और आम चुनाव होने तक अंतरिम संसद के रूप में कार्य करेगी। इस प्रक्रिया में वर्षों लग सकते हैं।

सांप्रदायिक हिंसा के बीच हुई चुनाव की घोषणा : चुनाव की ये घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी प्रांत स्वेदा में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद दमिश्क में धार्मिक और जातीय झगड़े तेज हो गए हैं। इस लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए और सीरिया के युद्धोत्तर नाजुक संक्रमण के खतरे में पड़ गए। दो हफ्ते पहले सशस्त्र बेडौइन कबीलों और ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यकों के लड़ाकों के बीच हुए अपहरणों के बाद हिंसक झड़पें शुरू हो गईं।

भूख से बिलखते बच्चे, इजरायल की पसीजा दिल, गाजा में 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत

गाजा, एजेंसी। इजरायल की सेना ने गाजा के तीन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत कर दी है। यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं मद्देनजर उठाया गया है। इजरायल 21 महीने से चल रहे युद्ध में अपने आचरण की वजह से अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है। इजरायली सेना ने कहा है कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर अगली सूचना तक हर दिन सुबह 10: 00 बजे से रात 8: 00 बजे तक रहेगी।

सेना के मुताबिक, वह सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगी। पहले ही गाजा में हवाई मार्ग से सहायता पहुंचाया है जिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है।

खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजरायल ने सहायता पर रोक लगा दी थी। उनका कहना है कि हमास अपने शासन को मजबूत करने के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं में गबन करता है। हालांकि, इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। हाल के दिनों में गाजा से कमजोर बच्चों की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद इजरायल की वैश्विक आलोचना तेज हो गई। आलोचना करने वालों में उसके करीबी भी हैं और उन्होंने युद्ध और इससे उत्पन्न मानवीय त्रासदी को समाप्त करने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने सहायता प्रतिबंधों में ढील देने के कदमों का स्वागत किया, लेकिन कहा कि गाजा में जरूरतमंद सभी लोगों तक सामान पहुंचाने के लिए व्यापक युद्धविराम की आवश्यकता है। इजरायल ने स्पष्ट किया है कि वह अन्य इलाकों में हमास के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है। इससे पहले, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजरायल के अलग-अलग हमलों में कम से कम 27 फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक डॉ. मुनीर अल-बुर्श ने कहा, 'यह युद्धविराम तब तक निरर्थक रहेगा, जब तक यह जीवन बचाने का एक वास्तविक अवसर न बन जाए।' स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक ने कुपोषित बच्चों के इलाज में मदद के लिए चिकित्सा आपूर्ति और अन्य सामान पहुंचाने का आह्वान किया। बुर्श ने कहा कि इसमें देरी का मतलब और लोगों की मौत होगा। इजरायल का कहना है कि अगर हमास आत्मसमर्पण कर दे, हथियार डाल दे और क्षेत्र को छोड़ दे, तो वह युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार है। हालांकि, समूह ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी की गवर्निंग बॉडी की बैठक हुई आज

कौमी पत्रिका
संजय अरोड़ा

चंडीगढ़ज्ञ राजीव वर्मा, मुख्य सचिव, संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान इलेक्ट्रिक वाहन (EV) पोर्टल – www.chandigarhev.com – का औपचारिक शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल ईवी लाभार्थियों के लिए बेहतर पहुँच और पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु एक उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल मंच प्रदान करता है। यह पात्र नागरिकों को चंडीगढ़ ईवी नीति के अंतर्गत सब्सिडी के लिए ऑनलाइन आवेदन करने, अपने आवेदन की स्थिति रीयल-टाइम में ट्रैक करने तथा पूरे चंडीगढ़ में सभी सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों का लोकेशन-आधारित नक्शा (गूगल मैप्स से एकीकृत) देखने की सुविधा देता है। मुख्य सचिव ने यह भी अवगत कराया कि चंडीगढ़ ने सभी सरकारी भवनों में सोलर फोट ovolt (SPV) संयंत्रों की स्थापना का संतृप्तिकरण (saturation) हासिल कर लिया है—जो सतत ऊर्जा और निम्न-कार्बन भविष्य की दिशा में शहर की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मौजूदा सौर ढांचे की कार्यकुशलता और प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए, मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि छज्ञ्ज्ञ उन सभी एसपीवी परियोजनाओं का तृतीय-पक्ष ऑडिट कराए जो पांच वर्ष या उससे अधिक समय से संचालित हैं। यह कदम जवाबदेही और दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने में सहायक होगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जैसे नवाचारी तकनीकों की परियोजनाएं—जैसे साइकिल ट्रैकों पर प्रस्तावित एसपीवी संयंत्र—उनकी व्यवहार्यता, प्रदर्शन और सौंदर्यात्मक पहलुओं की गहनता से समीक्षा की जाए, तथा इस प्रक्रिया में चंडीगढ़ के प्रमुख वास्तुकार (Chief Architect) को भी निरंतर शामिल रखा जाए। चंडीगढ़ प्रशासन स्मार्ट तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने तथा सतत गतिशीलता व सौर ऊर्जा विस्तार के माध्यम से शहर को एक आदर्श स्वच्छ ऊर्जा नगर के रूप में विकसित करने के अपने लक्ष्य को प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहा है।

वर्ष 2034 तक सहकारिता क्षेत्र की जीडीपी में तीन गुणा वृद्धि सुनिश्चित करेगी राष्ट्रीय सहकारिता नीति

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत मिशन के तहत %सहकार से समृद्धि% के संकल्प को राष्ट्रीय सहकारिता नीति के माध्यम से रफ्तार दी जाएगी। यह नीति वर्ष 2034 तक देश के सहकारिता क्षेत्र की जीडीपी में तीन गुणा वृद्धि सुनिश्चित करेगी, जिसमें हरियाणा भी अहम योगदान देगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गरीब और वंचित वर्ग को अवसरों के साथ देश के आर्थिक ढांचे में सशक्त भागीदारी दी जाएगी। वीरवार देर शाम गुरुग्राम में लक्ष्मणराव इनामदार राष्ट्रीय सहकारी अनुसंधान एवं विकास अकादमी (लिनाक) व सहकार भारती के तत्वावधान में सहकार कार्यकर्ताओं व विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि देश में लंबे समय से सहकार आंदोलन निष्क्रिय स्थिति में था, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना और %सहकार से समृद्धि% के आह्वान से पुनर्जीवित किया है। वर्ष 2021 में मंत्रालय के गठन के बाद राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर हुए सुनियोजित प्रयासों का परिणाम है कि आज सहकार आंदोलन न केवल पुनः सक्रिय हुआ है, बल्कि अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक बन रहा है। इससे युवाओं, महिलाओं और किसानों को आत्मनिर्भरता की दिशा में नई राह मिली है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा घोषित राष्ट्रीय सहकारिता नीति को ऐतिहासिक कदम बताते हुए डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारिता विश्वविद्यालय की नींव और इस नई नीति के क्रियान्वयन से दूरदर्शिता, व्यावहारिकता और परिणाम आधारित निर्णयों के माध्यम से वर्ष 2034 तक सहकारिता क्षेत्र की जीडीपी में तीन गुणा वृद्धि तय है। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि सहकारिता नीति के केंद्र में गांव, कृषि, ग्रामीण महिलाएं, दलित, युवाओं को प्राथमिकता पर अपार अवसर प्राप्त होंगे। पर्यटन से लेकर परिवहन, बीमा क्षेत्र से लेकर हरित क्षेत्र जैसे उभरते क्षेत्रों में सहकारी इकाइयों की भागीदारी होने से इनसे जु? करो?ं सहकार बन्धुओं को लाभ पहुंचेगा। इससे एक ब?ा व मजबूत सहकारी इकोसिस्टम तैयार होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी नीति के तहत राज्य सहकारी बैंकों के माध्यम से हर तहसील में 5-5 मॉडल सहकारी गांव विकसित करने के लक्ष्य पर काम किया जाएगा, ताकि ग्राम्य जीवन में आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त बनाया जा सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार राष्ट्रीय सहकारिता नीति में स्थानीय आवश्यकताओं को स्थान देते हुए शीघ्र लागू करते हुए सभी भागीदार संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी और देश की अर्थव्यवस्था व लक्ष्यों के अनुरूप अपना योगदान देना सुनिश्चित करेगी। सहकार भारती के संरक्षक व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डीएन ठाकुर ने सुझाव दिया कि प्रदेश में तहसील से लेकर गांव स्तर तक सहकारिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि राष्ट्रीय सहकारिता नीति की भावना को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर अकादमी के महानिदेशक डॉ. मनोज कुमार सहित विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सरकार के आह्वान पर समाजसेवी संगठनों ने भी मदद के बढ़ाए हाथ

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के आह्वान पर सीईटी परीक्षा के दौरान समाजसेवी संगठनों ने भी विभिन्न तरह के आयोजन कर सहायता के लिए हाथ बढ़ाए। अगर सिरसा जिला की बात करें तो सिरसा पुलिस लाइन से बाहर ऐसे वाहन भी खड़े दिखाई दिए जो परीक्षार्थियों को शहरी सेंटर तक पहुंचाने के लिए फ्री परिवहन सर्विस दे रहे थे। सिरसा निवासी अजमेर सिंह ने कार के जरिए परीक्षार्थियों को सेंटर तक पहुंचाया। इसके लिए बाकायदा उन्होंने वाहन पर फ्री सेवा का पोस्टर चस्पा कर रखा था। सिरसा में रविवार को पहली व दूसरी पारी की परीक्षा के दौरान पुलिस ने मानवता का परिचय देते हुए उन अभ्यार्थियों को भी सेंटर तक पहुंचाया, जो गलती से दूसरे परीक्षा केंद्रों पर पहुंच गए थे। फतेहाबाद के भारत भूषण ने बताया कि बस स्टैंड के समीप गा?ी खराब हो गई थी। डायल 112 पर कॉल करने के बाद तुरंत पुलिस सहायता मिली और फिर उन्हें ओढां सेंटर तक पहुंचाया गया। दो अभ्यर्थी ऐसे रहे जिनका परीक्षा केंद्र सिरसा में रानियां रोड पर था, लेकिन गलती से रानियां पहुंच गए। अभ्यार्थी लहरियां निवासी हवासिंह ने पुलिस हेल्पलाइन पर फोन किया, उसे पांच मिनट में पुलिस गा?ी उपलब्ध हुई जो सेंटर तक छो?कर गई। महिला अभ्यर्थी ज्योति ने बताया कि वह गलती से रानियां पहुंच गई थी। उसने पुलिस मदद मांगी और उसे पुलिस ने समय पर सिरसा स्थित सेंटर में पहुंचाया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह डॉ. सुमिता मिश्रा ने की सीईटी परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

चण्डीगढ। हरियाणा गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने 26-27 जुलाई, 2025 को होने वाली सीईटी परीक्षा के लिए पंचकूला जिला प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस को निर्देश जारी किए और लापरवाही के प्रति जीरो-टोलरेंस की नीति पर जोर दिया। डॉ. मिश्रा ने पुलिस को क?ी निगरानी रखने और उम्मीदवारों तथा उनके अभिभावकों के प्रति विनम्र व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं देते हुए परीक्षा केंद्रों पर समय से पहले पहुँचने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी उम्मीदवार को कठिनाई होने पर वे सहायता के लिए निकटतम पुलिसकर्मी से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस को निर्देश दिए गए कि उम्मीदवार को किसी भी प्रकार की अ?चन आने पर उसे परीक्षा केंद्र तक पहुंचाएं। उन्होंने उम्मीदवारों की सुविधा के लिए बस स्टैंड और अन्य प्रमुख स्थानों पर हेल्पडेस्क स्थापित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने उम्मीदवारों और अभिभावकों से सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे फर्जी संदेशों, पत्रों या अफवाहों पर ध्यान न देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा "हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग, पुलिस या जिला प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक निर्देशों का ही पालन करें।" गलत सूचना फैलाने या जाली दस्तावे? साझा करने के किसी भी प्रयास पर तत्काल पुलिस कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पंचकूला की उपायुक्त सुश्री मोनिका गुप्ता ने बताया कि पंचकूला जिला सीईटी 2025 की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। पंचकूला, सेक्टर-5 बस स्टैंड से उम्मीदवारों को उनके परीक्षा केंद्रों तक पहुँचाने के लिए 108 से अधिक बसें तैनात की गई हैं। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, कालका, मोरनी, बरवाला और रायपुररानी से दो पालियों में विशेष बसें भी रवाना होंगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों के अंदर न केवल उम्मीदवारों के लिए बल्कि ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के लिए भी मोबाइल फोन पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं। सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू रहेगी। नकल की संभावना पर अंकुश लगाने के लिए कोचिंग सेंटर और फोटोकॉपी की दुकानें दोनों दिन बंद रहेंगी। बैठक के दौरान, पुलिस उपायुक्त, सुश्री सृष्टि गुप्ता ने बताया कि पंचकूला के 44 परीक्षा केंद्रों पर 550 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएगे और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के लिए दूरबीन द्वारा छतों से निगरानी रखी जाएगी। बचने के लिए विशेष यातायात प्रबंधन योजनाएँ लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि "परीक्षा केंद्रों के 500 मीटर के दायरे में किसी भी निजी वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। गलत पार्किंग से सख्ती से निपटा जाएगा और उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" डीसीपी गुप्ता ने कहा कि ईआरवी (आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन) और पीसीआर (पुलिस नियंत्रण कक्ष) वैन के माध्यम से लाउडस्पीकर से घोषणाएँ छात्रों और जनता को मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। सभी पुलिस इकाइयों को हाई अलर्ट पर रहने और किसी भी तरह की ग?ब?ी या शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

वार्ड 15 में होंगे 16.98 लाख के मरम्मत कार्य, विधायक व मेयर ने किया शिलान्यास

यमुनानगर। नगर निगम के वार्ड 15 में 16.98 लाख रुपये की लागत से होने वाले मरम्मत कार्यों का शुक्रवार को विधायक घनश्याम दास अरोड़ा और मेयर सुमन बहमनी ने पार्षद मनु सिंगला की उपस्थिति में शिलान्यास किया और नारियल फोड़ विकास कार्य का शुभारंभ किया। नगर निगम द्वारा वार्ड 15 की क्षतिग्रस्त सड़कों, गलियों, नालियों, स्लैब, पार्कों की टूटी दीवारों व अन्य कार्यों की मरम्मत की जाएगा। इस दौरान उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व मेयर मदन चौहान, भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण सिंगला, जेई नरेंद्र गुंदाल व अन्य मौजिज लोग उपस्थिति रहें। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि हमारा संकल्प सभी वार्डों का सतत विकास और जनता की सुविधाओं का विस्तार करना है। इसको लेकर नगर निगम द्वारा गंभीरता से हर वार्ड में विकास कार्य किए जा रहे है। हर वार्ड में पक्की गलियां, नालियां, सामुदायिक केंद्र व अन्य विकास कार्य किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि लगभग सभी वार्डों में 20 से 25 लाख तक के मरम्मत कार्य होने हैं। इसके लिए भी हमने टेंडर लगाए है। उन्होंने बताया कि जल्द ही नगर निगम द्वारा वार्ड 8 में 20.88 लाख रुपये, वार्ड 9 में 20.73 लाख रुपये, वार्ड 10 में 20.78 लाख रुपये, वार्ड 12 में 21.15 लाख रुपये, वार्ड 13 में 21.12 लाख, वार्ड 14 में 18.23 लाख, वार्ड 16 में 21.18 लाख रुपये, वार्ड 17 में 21.18 लाख रुपये, वार्ड 18 में 21.13 लाख रुपये, वार्ड 20 में 21.18 लाख, वार्ड 22 में 21.18 लाख रुपये की लागत से विभिन्न मरम्मत कार्य करवाए जाएंगे। इनके लिए टेंडर जारी किए गए है। विधायक अरोड़ा ने कहा कि पेयजल, पक्की गलियां, नालियां, सीवर लाइन, बिजली सभी नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताएं है। इन सभी आवश्यकताओं को पूरा कराने के लिए हम प्रयासरत है। हमारा प्रयास हर नियमित कॉलोनी में पक्की गलियों, नालियों, बिजली, पेयजल की व्यवस्था कराना है। जिन भी नियमित कॉलोनी में ये सुविधाएं नहीं है, उन सभी में जल्द से जल्द ये सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हमारी सरकार को आमजन की चिंता है।

महिलाओं के सशक्तिकरण में दिल्ली की रेखा सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसके अलावा महिला जहां काम करेगी, वहां पर कंपनी को यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम (POSH Act) के तहत आंतरिक शिकायत समिति बनानी होगी। साथ ही महिलाओं के लिए रेस्ट रूम, टॉयलेट, लॉकर आदि की सुविधा भी उपलब्ध करानी होगी। नियम यह भी बनाया गया है कि महिलाओं को वेतन का भुगतान बैंक/ईसीएस से होना चाहिए। शर्तों में ईएसआई, बोनस, भविष्य निधि आदि सभी कानूनी लाभ प्रदान करना, साप्ताहिक अवकाश व ओवरटाइम का भुगतान भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय दिल्ली को 24×7 बिज़नेस हब बनाने में मददगार तो होगा ही, साथ ही महिलाओं की वर्कफोर्स में भागीदारी को भी बढ़ाएगा और दिल्ली को Ease of Doing Business को बढ़ावा देगा।

विश्राम गृह का किया था औचक निरीक्षण, एसडीई और जेई को चार्जशीट किया

चंडीगढ़,29 जुलाई। हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा द्वारा बहादुरगढ़ स्थित पीडब्ल्यूडी के विश्राम गृह के औचक निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर 4 अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने बहादुरगढ़ स्थित पीडब्ल्यूडी बीएंडआर के विश्राम गृह का जब औचक निरीक्षण किया था तो मौके पर गंदगी के अलावा वीआईपी कमरों में दीमक जैसी गंभीर खामियां पाई गई। मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने इस लापरवाही को गंभीरता से लिया और एसडीई श्री राजेश तंवर जो बहादुरगढ़ में अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे, और जेई श्री मोहित चौहान के खिलाफ हरियाणा सिविल सेवा (पीएंडए) नियम 2016 के तहत चार्जशीट करने के आदेश दिए गए हैं। वहीं, एसडीई श्री मुकेश शर्मा सीडीसी, जिन्होंने 24 जुलाई 2025 को कार्यभार संभाला था, उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी के एक्सईन श्री अनिल रोहिल्ला को चेतावनी जारी की गई है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पीडब्ल्यूडी बीएंडआर की बात हो या फिर पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट की, दोनों ही विभागों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्य के प्रति सजग रहे और अपनी जिम्मेवारी को समझे। उन्होंने कहा कि सरकार ने विश्राम गृह आमजन की सहूलियत के लिए बनाएं है, लेकिन अगर वीआईपी कमरों में ही लापरवाही बरती जा रही तो अन्य कमरों में क्या हाल होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। लापरवाही की वजह से दीमक वहां फर्नीचर को खराब कर रही थी, साफ—सफाई थी नहीं, ऐसे में लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई बनती हैं। क्योंकि जिन अधिकारियों को इसकी सार संभाल करनी चाहिए थी, वो लापरवाही बरत रहे थे। श्री गंगवा ने दोनों विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जितने भी कार्यालय, विश्राम गृह एवं अन्य बिल्डिंग विभाग की हैं, उनमें व्यवस्थाएं बना कर रखे, समय समय पर उनकी जांच करें क्योंकि सार—संभाल करवाना उनकी जिम्मेवारी है।

NAME CHANGE
I, VINITA SHUKLA Wife of JC-332568L Rank-SUB MAJ Name-RAM BABU SHUKLA Permanent address VILL-BAIRGAON, PO-BASUHAR, TEHSIL-CHAIL, DISTT-KAUSHAMBI, UTTAR PRADESH-212216, have changed my name from VINITA SHUKLA to VINEETA SHUKLA for all future purposes vide Affidavit dated 29/07/2025 before First Class Magistrate, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Geeta Joshi W/o Mr. Harish Chander Joshi is the owner of Freehold Residential Bearing Plot No. S-137, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 297/198, situated in Village Shakkar Pur in the abadi of Shakkar Pur School Block Illaqa Shahdara, Delhi. by virtue of GPA along with ATS and Will dated 14.02.1986., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Piare Lal Gupta S/o Mr. Kishore Lal our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Kumar Gaurav & Mr. Saurav which is to be financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Bachchu Singh** is purchasing the 3rd Floor, area measuring 106.4 sq. yds., out of khasra no. 444, situated in the revenue estate of village mundka, Delhi-110041 from Mr. Pankaj Lakra who is the owner of the property vide Relinquishment Deed dated 20.06.2025 which was registered as doc no. 2025/6/I/3883, book no. 1, volume no. 6409, on pages 119-132, dated 23.06.2025, SR West Punjabi Bagh. and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited,** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Prerna Kumari W/O Chandrashekhar Ajad Permanent resident of Bara Khurd, PO: Barakhurd , Dist: Nalanda, Bihar -803113, Presently residing at C-7 Second floor Ganeshpuri Sahibabad Ghaziabad Uttar Pradesh -201005, have changed my name and shall hereafter be known as Babita Kumari

NAME CHANGE
I, RASHMITA DASH Wife of JC-733063P Rank-SUB Name-PRATAP KUMAR DASH Presently residing at VILL-KUJAHALA, PO- KUJAHALA, TEH-JAJPUR, DIST-JAJPUR, ODISHA-755017, have changed my name from RASHMITA DASH to RASMITA DASH for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 17/08/1978 instead of my correct date of birth as 17/06/1975 vide Affidavit dated 28/07/2025 before Sub Divisional Magistrate, JODHPUR.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Sh. Subhash Chand Jain is the owner of Freehold Residential Property bearing New No. M-22, Old No. 1/11972-D, area measuring 50 sq. yds., i.e. 41.80 sq. mtrs., out of Khasra No. 290-296 and 0/231, situated at Village Uldhan Pur, in the abadi of Naveen Shahdara, Delhi. by virtue of Relinquishment Deed dated 04.04.2025 as Doc. No. 2025/23/I/2682, in Book No. I, Vol. No. 6064, on pages 109-126, dated 09.04.2025 SRO-IV-A., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Smt. Dolly and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Laxmi Nagar Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as SHABNAM alias SHABNAM AHMAD D/o MOH JAMA KHAN W/o ADNAN AHMAD, R/o Tower Oracale, Sector 104, Maharshi Nagar, O-603, Pihu Kingston royal home brahm niwas hazipur, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my name and shall hereafter be known as SHABNAM AHMAD

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHAMMAD JAVED KHAN S/o MOHAMMAD YUNUS KHAN residing at 806, Sheesh Mahal, Azad Market, North Delhi, Delhi - 110006 declare that the name of mine and my wife has been wrongly written as JAVED KHAN and IRAM in my minor son namely ARHAAN KHAN aged 15 years in his school record. The actual name of mine and my wife are MOHAMMAD JAVED KHAN and IRAM ASHRAF respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHAMMAD JAVED KHAN S/o MOHAMMAD YUNUS KHAN residing at 806, Sheesh Mahal, Azad Market, North Delhi, Delhi - 110006 declare that the name of mine has been wrongly written as JAVED KHAN in my minor son namely ARHAM KHAN aged 11 years in his school record. The actual name of mine is MOHAMMAD JAVED KHAN which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह आम जनता को सूचित किया जाता है कि राजदेवी सिंह शिक्षण संस्थान, अपने प्रबंधक डॉ. नमन् प्रताप सिंह के माध्यम से, गैर-कृषि भूमि में 1/2 हिस्सा अर्थात 0.2605 हेक्टेयर का स्वामी है, जो कुल क्षेत्रफल 0.5210 हेक्टेयर में से है। यह भूमि खसरा संख्या 1649/1 (क्षेत्रफल- 0.4070 हेक्टेयर) एवं खसरा संख्या 1655/2 (क्षेत्रफल- 0.1140 हेक्टेयर) से संबंधित है। उक्त भूमि ग्राम मौलाबकीपुर, परगना मोहन, तहसील हसनगंज, जनपद उन्नाव में स्थित है (जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा जाएगा)। उक्त संपत्ति का स्वामित्व राजदेवी सिंह शिक्षण संस्थान के नाम पर बिक्री विलेख संख्या 10682, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 4098, पृष्ठ संख्या 391-418, दिनांक 21.11.2015, उप-पंजीयक कार्यालय हसनगंज में पंजीकृत है। अतिरिक्त रूप से, राजदेवी सिंह शिक्षण संस्थान ने उक्त संपत्ति को यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, जिसका पता 102 स्काई हाई, पार्क रोड, हज़रतगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226001 है, के पक्ष में ऋण/क्रेडिट सुविधा हेतु बंधक रखा है। उक्त संपत्ति पर यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड का भार वर्तमान में भी प्रभावी है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sanjay Yadav** is purchasing the FIRST FLOOR WITHOUT ROOF RIGHT, Revenue Record No : KHASRA NO.-12/18, PROPERTY NO.-RZ-D-3/78,ON PLOT NO. 3A, NEAR GALI NO.-3, 0, Delhi, VILLAGE MIRZAPUR COLONY KNOWN AS VINOD PURI, VIJAY ENCLAVE, South West Delhi, Delhi – 110045 from Mr. Sanjay Gupta who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 18.03.2025 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited,** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, JC-442284K Rank-NB SUB Name-SABU MATHEW residing at VILL- ARUVICKAL, PO-ANJOOTTI-MANGALAM, DIST-KOTTAYAM, KERALA-686579, have change my minor daughter's name from ANMARIYA SABU to ANN MARIA SABU for all future purposes vide affidavit dated 29/07/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJENDER SINGH S/O PREM SINGH BHAKUNI residing at S-538 4TH FLOOR SCHOOL BLOCK-2 GALI NO-3 SHAKARPUR DELHI-110092. have changed my name to RAJENDER SINGH BHAKUNI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rajneesh s/o Kanhaiya Lal Aggarwal R/O H.No.18, Sector-3, Ballabgarh, Haryana-121004, have Changed my name to Rajneesh Aggarwal permanently

NAME CHANGE
I, Yameen Khan s/o Mohmmad Safi Khaa R/o Asoti(51) Palwal-121102, Haryana have changed my name to Yamin Khaa for all future purposes .

NAME CHANGE
I, Shyam Manohar S/O: Shri Ram Singh, Permanent Adress 07, Dwarikapur Auraiya, Uttar Pradesh - 206122, Present adress HNO -70 Gali No 2Illahabanssector 86 phase 2 Noida Uttar Pradesh 201305 . have changed the name of my minor daughter namely Srashti aged 9 years and she shall hereafter be known as Kavya Rathor.

NAME CHANGE
I, Kasana Parveen W/O Parvez Alam, D/O Mohammed Tahir, R/O D-83/A, Krishna Park, Devli road, Khanpur, New Delhi - 110062 have changed my name to Kashana Parveen.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I IRSHAD AHMAD S/O SHAFAQAT HUSSAIN R/O E-13/19, KHIRKI EXTN. MALVIYA NAGAR, NEW DELHI-110017 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as IRSHAD AHMED and Nasreen in my minor daughter namely INSHA IRSHAD aged 17 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine and my wife are IRSHAD AHMAD and Sama Nasreen , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, PAMATAI is Mother of No. JC-463050N Rank- NB/SUB Name-PATIL UMESH SAMBHAJI, R/O VILL HAROLI, POST-DESHING, TEH-KAVATHE MAHANKAL, DIST-SANGLI, STATE-MAHARASHTRA, PIN-416410 have changed my name from PAMATAI to PAMATAI SAMBHAJI PATIL and date of birth from 17-09-1965 to 06-04-1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 28.07.2025. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, TETRI DEVI is Mother of No. 2801553W Rank-HAV Name-YADAV RADHESHYAM SUBHAS, R/O VILL-BIRPURA, POST-BIRPURA, TEH-RASRA, DIST-BALLIA, STATE-UTTAR PRADESH PIN-221709, have changed my name from TETARI to TETRI DEVI and date of birth from 22-11-1961 to 01-01-1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 28.07.2025. before Public Notary Delhi. Delhi.

NAME CHANGE
I, SAMBHAJI is father of No. JC-463050N Rank- NB/SUB Name-PATIL UMESH SAMBHAJI, R/O VILL HAROLI, POST-DESHING, TEH-KAVATHE MAHANKAL, DIST-SANGLI, STATE-MAHARASHTRA, PIN-416410,have changed my name from SAMBHAJI to SAMBHAJI BAPU PATIL and date of birth from 17-09-1961 to 01-12-1954 for all future purposes. Vide affidavit dated 28.07.2025. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PAMATAI is Mother of No. JC-463050N Rank- NB/SUB Name-PATIL UMESH SAMBHAJI, R/O VILL HAROLI, POST-DESHING, TEH-KAVATHE MAHANKAL, DIST-SANGLI, STATE-MAHARASHTRA, PIN-416410 have changed my name from PAMATAI to PAMATAI SAMBHAJI PATIL and date of birth from 17-09-1965 to 06-04-1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 28.07.2025. before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PIYALI DASGUPTA D/O NIPESH SEN residing at E479,first floor Greater Kailash 2 New Delhi 110048. have changed my name to PIYALI SEN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MAUHAMMAD RUSTAM S/O MAUHAMMAD CHHUTTAM R/O H.NO.101, GALI NO.1, NEAR SABJI MANDI, AZZI COLONY, BALLABGARH, FARIDABAD-121004, HARYANA, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD RUSTAM PERMANENTLY.

NAME CHANGE
I, Mohammad Arfan s/o Tehseen Ur Rehman R/o H.No.507, Gali No.20, 1st Floor, Zakir Nagar, Okhla, Delhi-110025, have changed my name to Mohd Arfan permanently

NAME CHANGE
I, IQBAL S/O ALLADIN residing at R-43/6, GALI NO-19, BRAHAMPURI, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name to MOHD IQBAL for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Vinod Kumar Sharma & Mr. Dipanshu Sharma are the owner of Freehold Residential Plot area measuring 130.45 Sq. Yards i.e. 109.7 Sq. Meters, out of Khasra No. 588, situated at Mauza Baghpat Bangar Andar Hadud, Abadi Panchsheel Colony Gali No. 4, Meerut Road Baghpat, Under Nagar Palika Parishad Baghpat, Tehsil & District Baghpat, U.P., by virtue of Sale Deed dated 14.10.2020 as Doc no. 5180, Vol no. 7160, Page no. 163-182, SR- Sadar Baghpat & Gift Deed dated 09.02.2024 as Doc no. 1486, Vol no. 8671, Page no. 361-388, SR- Sadar Baghpat., till date and has lost/Misplace his Original Sale Deed dated 25.03.1998 as Doc no. 729, on this dated 25.03.1998, in SR- Baghpat & Sale Deed dated 14.01.2015 as Doc no. 268, Vol no. 5528, Page no. 397-414, in SR- Baghpat. & Original Sale Deed dated 14.01.2015, as Doc no. 269, Vol no. 5529, Page no. 01-20, in SR- Baghpat. it was executed in favour of Mrs. Sudesh Sharma W/o Mr. Krishna Kumar Sharma, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Shahdara, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Name-RAJNITISH KUMAR residing at VILL-PAHARPUR, PO & PS-FATEHPUR, TEHSIL-GAYA, DIST-GAYA, BIHAR-824232, inform that my father's name wrongly mentioned in my army record as BHUNESHWAR YADAV his correct name is BHUNESHWAR PRASAD vide affidavit dated 29/07/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CORRECTION
I ANUJ GOEL, R/O, W 4/47, BLOCK W SANIK FARM CLUB ROAD, PUSHPA BHAWAN, NEW DELHI 110062,DECLARE THAT MY FATHER NAME IS WRONGLY WRITTEN VED PARKASH GUPTA IN PPM SYSTEM, PLOT NO. 139,SECTOR 62,FARIDABAD, WHILE MY FATHER'S RIGHT NAME IS VED PARKASH GOEL, WHICH MAY BE AMENDED ACCORDINGLY

NAME CHANGE
I SANTOSHI KUMARI, W/O JITENDRA KUMAR, R/O 601-A, FIRST FLOOR, LEFT SIDE, GALI NO. 6-A, GOVIND PURI, KALKA JI, NEW DELHI 110019,HAVE CHANGE MY NAME TO JANVI GUPTA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, CHANCHAL W/O SANDEEP KUMAR, R/O A-405,RESETTLEMENT COLONY KHYALA,NEW DELHI,WEST DELHI-110018,HAVE CHANGED MY NAME FROM LAXAMI DEVI TO CHANCHAL FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I hitherto known as HARNANDI SHARMA W/O NARENDER KUMAR R/O Salarpur Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304, have changed my name and shall hereafter be known as ARCHANA.

NAME CHANGE
I Sanjay Kumar S/o Mamchand R/o D-122, East Jawahar nagar, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed the name of my minor son Hunny aged 13 years and he shall hereafter be known as Garv Panchal.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Surya Prakash Tiwari S/o Santosh Tiwari, R/o Vill-Chhajarasi colony, Sec-63, Nearby Nav sarswati school, Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh- 201301 have changed my name and shall hereafter be known as Sujit Tiwari.

NAME CHANGE
I hitherto known as VAIBHAVI MAURYA alias MISHTI D/o ARUN SINGH R/o 672, Ghatorni, Mehrauli, Hauz Khas, South Delhi, Delhi - 110030 have changed my name and shall hereafter be known as VAIBHAVI MAURYA.

NAME CHANGE
It is for general information that I PARI GUPTA D/o SURESH GUPTA R/o 804, Ground Floor, Sunlight Colony, VTC Jungpura, Defence Colony, South Delhi, Delhi - 110014, declare that name of my Mother has been wrongly written as RITU GUPTA in my 10th Class and as BIMALA DEVI in my 12th Class Educational Documents. The actual name of my Mother is REETU GUPTA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as KHWAISH CHAUDHARY D/o NARESH CHAUDHARY, R/o A-29, Khanpur Village, M B Road, Dr. Ambedkar Nagar, South Delhi, Delhi - 110062, have changed my name and shall hereafter be known as KHWAHISH CHAUDHARY.

NOTICE
Public at large is hereby informed that (1) Prabhjot Katyal and (2) Gaurav Katyal is the owner of the House No. 203/14 (New No. 78/5), MC No. 203/14-B admeasuring 250 sq. yds., Jaikampur, Tehsil and Distt. Gurugram, Haryana. Under MCG. Initially, Sale Deed dated 13/06/1960 by Lala Mangat Ram favouring Lala Jeewan Mal Banga in respect of Plot admeasuring 200 sq. yds. and Sale Deed dated 13/06/1960 by Ratni Devi Joja favouring Lala Jeewan Mal Banga in respect of Plot admeasuring 200 sq. yds. (Doc. No. 2915), Later, Lala Jeewan Mal Banga died leaving behind WILL dated 22/06/1984 in favour of Shahni Devi Banga. Later, Suit for Declaration in Case No. 424/90, DOD 18/09/1990 in Court of Chander Bhan, HCS, Sub Judge IIIrd Class, Gurgaon in favour of Shahni Devi Banga (Plaintiff). Who died leaving behind Regd. WILL dated 22/11/1999 favouring (1) Jagdish Kumar Bagga, (2) Subhash Chandra, (3) Vinod Kumar Bagga, (4) Sudershan Kumar Bagga and (5) Anand Sarup in respect of Said Property. Later Anand Sarup Banga died leaving behind legal heirs (1) Sarla Banga, (2) Ravikant Anand Banga, (3) Vijaykant Banga, (4) Kiran Banga. Later Jagdish Kumar Banga died leaving behind legal heirs (1) Subodh Banga, (2) Namrata Sharma, (3) Rajnish Banga and (4) Munish Banga. Later Regd. Award passed in Suit for Declaration in CIS No. CS/3647/2022, DOD 31/08/2023 in Court of Anil Kumar Yadav, Civil Judge (Junior Division), Gurugram whereas Plaintiff 1, Sudarshan Kumar Banga became owner of 127 sq. yds., (2) Subhash Chander Banga became owner of 41 sq. yds., (3) Vinod Kumar Banga owner of 150 sq. yds., (4) Defendant No. 4 to 7 owned share of 41 sq. yds. and (5) Defendant No. 8 to 11 owned share of 41 sq. yds. and (5) Defendant No. 8 to 11 share of 41 sq. yds. whereas award is passed in favour of Plaintiff and Defendant No. 2 to 11 as owner of Suit Property House Bearing No. 203/14, (New No. 78/5, admeasuring 400 sq. yds.), Further Defendant No. 12, 14 and 20 are ex parte in the said case, (Doc. No. 1128, SR-Gurugram), Finally, Sale Deed dated 11/07/2024 executed by (1) Sudarshan Kumar Banga, (2) Subhash Chander Banga, (3) Kiran Banga, (4) Sarla Banga alias Sarla Anand Banga, (5) Vijaykant Banga through SPA of Ravikant Anand Banga alias Ravi Banga, (6) Ravikant Anand Banga alias Ravi Banga, (7) Subodh Banga, (8) Namrata Sharma, (9) Rajnish Banga and (10) Munish Banga in favour of (1) Prabhjot Katyal and (2) Gaurav Katyal. In respect of Said Property (doc no. 4380, SR-Gurgaon) who intends to mortgage the said property with Bandhan Bank Ltd. Whosoever, is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 29/7/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NOTICE
Public at large is hereby informed that Sh. Anish Sharma W/o. Sh. Ram Lubhaya is the owners of the House No. 434/20, admeasuring 125 sq. yds., Part of Khasra No. 191/2 min, Situated in Hidayatpur Chawani, Colony Shakti Nagar, Gurgaon Tehsil and District Gurgaon. Initially, Sale Deed dated 01.08.1973 executed in favour of Smt. Khando Bai in respect of the Said Property. (Doc. No. 1851) who died leaving behind WILL dated 27.09.1992 in favour of Sh. Sandeep Batra in respect of the Said Property. who executed Sale Deed dated 02.03.1994 in favour of M/s. Bahubali Enterprise through (1) Sh. Prakash Chand Jain (1/3rd Share), (2) Sh. Naresh Jain Jain (1/3rd Share) and (3) Sh. Vivek Jain (1/3rd Share) in respect of the Said Property, admeasuring 125 sq. yds., (Doc. No. 10397) who executed Sale Deed dated 25.09.2012 in favour of (1) Sh. Sanjay Ahuja S/o. Sh. Om Prakash and (2) Smt. Hardevi W/o. Sh. Om Prakash in respect of the Said Property, admeasuring 125 sq. yds., (Doc. No. 15486), Later Sale Deed dated 13.09.2018 executed by Smt. Hardevi W/o. Sh. Om Prakash in favour of Sh. Anish Sharma W/o. Sh. Ram Lubhaya in respect of Plot No. 434/20, admeasuring 62.5 sq. yds., Doc. No. 9128 in Book No. I, Volume No. 11/315 on Pages 53.25/85-86 on 13.09.2018 in SR-Gurgaon who intends to sell said property to Intended Borrower who intends to mortgage the said property with Bandhan Bank Ltd. Whosoever, is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 29/7/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गुरुग्राम की सफाई व्यवस्था पर पीएम, सीएम की नजरः विपुल गोयल

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि गुरुग्राम की सफाई व्यवस्था को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पूर्ण कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे इस कार्य को अभियान के रूप में लेते हुए अपनी जिम्मेदारियों का शत-प्रतिशत निर्वहन करें। गुरुग्राम को एक सुंदर एवं स्वच्छ शहर बनाने में सक्रिय योगदान दें। विपुल गोयल गुरुग्राम स्थित बंधवाड़ी प्लांट का निरीक्षण करने के उपरांत पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में फरीदाबाद नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा, गुरुग्राम के डीसी अजय कुमार तथा गुरुग्राम नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया सहित नगर निगम एवं जीएमडीए के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री ने नगर निगम अधिकारियों से शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम एक वैश्विक शहर है। यहां किए जाने वाले प्रयासों का संदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जाता है। गुरुग्राम की सफाई व्यवस्था की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं निरंतर निगरानी रख रहे हैं।

हरियाणा में शुरू होगी लाडो सखी योजना और डिजिटल लर्निंग इकोसिस्टम, मुख्यमंत्री ने तीज पर किया ऐलान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तीज के अवसर पर अंबाला में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को और अधिक गति देने के लिए 'लाडो सखी' योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की देखभाल के लिए 'लाडो सखी' को लगाया जाएगा। यह 'लाडो सखी' आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा वर्कर व ए.एन.एम. बहनें गर्भवती महिलाओं की प्रसव के दौरान देखभाल करेंगी। इस योजना के तहत बेटी पैदा होने पर हर 'लाडो सखी' को एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ियों में 'बढ़ते कदमः डिजिटल बाल कार्यक्रम' शुरू करने की घोषणा की। यह कार्यक्रम आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की नन्हे बच्चों की देखभाल और शिक्षा में मदद करेगा। सरकार की नई पहलों

से हरियाणा में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स 50 प्रतिशत हो गए हैं। इस गति में और तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री ने आज कुछ और नई पहलों की घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि हरियाणा स्टार्टअप्स नीति में 50 प्रतिशत लाभार्थी महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स होंगी। छोटी उम्र में ही उद्यमशीलता में रुचि को बढाने के लिए छात्राओं को 10 हजार 'डु-इट-योअर सेल्फ' किट वितरित की जाएंगी। हाथ से बनाई जाने वाली चीजों, जैसे कि पारंपरिक कपड़ा, पर्यावरण के अनुकूल ग्रामीण शिल्प, आयुर्वेद आधारित हैल्थ एंड वैलनेस, देसी खाद्य उत्पादों आदि में बनाने में लगे महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स की सहायता के लिए एक योजना शुरू की जाएगी। इसमें 50 हजार से 1 लाख रुपये तक की मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार, नीति आयोग के सहयोग से, महिला उद्यमिता मंच का 'हरियाणा स्टेट चैप्टर' शुरू करेगी ताकि राज्य की महिला उद्यमियों को 700 से अधिक सलाहकारों के नेटवर्क से व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिले, क्षेत्र-विशेष का प्रशिक्षण मिले और वित्त पोषण, बाजार तक पहुंच व इनक्यूबेशन के लिए सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नई औद्योगिक और क्षेत्रीय नीतियों के तहत हरियाणा सरकार राज्य में महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा की महिलाओं को रोजगार देने वाली इकाइयों को अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करेगी।

घृणित अपराधों के लिए समाज में कोई जगह नहीः डा. अरविंद शर्मा

एजेंसी

जींद। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि डा. विकास के हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा

मिलेगी। ऐसे घृणित अपराध के लिए समाज में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सरकार किसी भी प्रकार के अपराधी को नहीं बख्शेगी। दोपहर सहकारिता मंत्री डा. अरविंद शर्मा गांव मुआना पहुंचे थे। गौरतलब है कि 24 जुलाई की रात को भाजपा नेता व पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा के चिकित्सक पुत्र डा. विकास की धारदार हथियार से हमला करके हत्या कर दी गई थी। कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने परिजनों से मुलाकात करते हुए शोक संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने डा. विकास के पिता शिवकुमार शर्मा से बातचीत करते हुए कहा कि ऐसे घृणित अपराध के लिए समाज मे कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के स्पष्ट निर्देश हैं कि अपराध में शामिल सभी दोषियों को किसी भी सूरत में सलाखों के पीछे पहुंचाया जाए। कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि इस दुख की घड़ी में वो परिवार के साथ हैं।

डीसीआरयूएसटी में ड्रोन और भू-स्थानिक तकनीक पर कार्यशाला

सोनीपत। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल के वास्तुकला विभाग द्वारा टाउन प्लानर्स संस्थान, भारत (आईटीपीआई), नई दिल्ली के सहयोग से ड्रोन सर्वेक्षण-भू-स्थानिक सूचना प्रणाली और प्रौद्योगिकियां विषय पर राष्ट्रीय स्तर की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलगुरु प्रो. प्रकाश सिंह के संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं अकादमिक संस्थानों और उद्योगों के बीच की दूरी को कम करती हैं। उन्होंने ड्रोन, उपग्रह चित्रण और जीआईएस जैसी आधुनिक तकनीकों की शहरी नियोजन, आपदा प्रबंधन और ठोस कचरे की निगरानी में क्रांतिकारी भूमिका को रेखांकित किया। प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय की नवाचार और व्यावहारिक शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से भावी शहरी योजनाकारों और अभियंताओं को अत्याधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों से अवगत होने का अवसर मिला है, जिससे डीसीआरयूएसटी की पहचान एक अग्रणी शोध और अकादमिक संस्थान के रूप में और सुदृढ़ हुई है।

विधायक ने जनता दरबार में सुनी 170 शिकायतें

सोनीपत। हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने गन्नौर स्थित देवा सोशल वेलफेयर सोसाइटी के कैंप कार्यालय परिसर में जन संवाद कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय जनता दरबार लगा क्षेत्र के लगभग 170 लोगों की शिकायतें सुनी। विधायक ने समाधान के निर्देश दिए हैं। जनता दरबार में मुख्य रूप से बिजली कटौती, पेयजल आपूर्ति मेंबाधा, सड़क निर्माण, पेंशन वितरण में देरी, सफाई व्यवस्था, सीवरेज जाम, सरकारी योजनाओं में नाम न जुड़ना जैसी समस्याएं सामने आईं। कई वरिष्ठ नागरिकों व महिलाओं ने पेंशन व राशन कार्ड से संबंधित परेशानियों को रखा। विधायक कादियान ने अधिकतर समस्याओं को मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर हल करवाया। वहीं कुछ मामलों को तुरंत लिखित रूप में नोट कर विभागीय अधिकारियों को देते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को किसी भी समस्या के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए वह स्वयं हर सप्ताह अलग-अलग स्थानों पर जनता दरबार लगाएंगे। उनका उद्देश्य प्रशासन को जनता के करीब लाना है, ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति लाई जा सके। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े किसी भी मामले में लापरवाही या देरी को बिल्कुल सहन नहीं किया जाएगा।

बिहार में शराब ले जा रहे तस्करों से 70 लाख शराब बरामद, मुकदमा दर्ज

पलवल। जिले की होडल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 70 लाख रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी है। शराब को एक बंद बॉडी कैंटर में भरकर मानेसर से बिहार ले जाया जा रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कैंटर को नेशनल हाईवे-19 पर उजीना ड्रेन के पास रोका और मौके से चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें अंग्रेजी शराब की 1091 पेटियां बरामद की गईं। मामले में आबकारी अधिनियम सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सीआईए होडल प्रभारी जगमिंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप कैंटर में भरकर मानेसर से पलवल, कोसी के रास्ते बिहार भेजी जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी की और संदिग्ध वाहन को रोककर जांच शुरू की। गाड़ी की बॉडी पर सील लगी हुई थी, जिसे तोड़कर जब अंदर देखा गया तो उसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की पेटियां भरी हुई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अफजल खान निवासी राजस्थान के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी कोई वैध लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। प्रारंभिक पूछताछ में अफजल ने बताया कि वह यह खेप गुरुग्राम निवासी राहुल के कहने पर बिहार लेकर जा रहा था।

हरियाणा में 30-31 जुलाई को होगी एचटेट परीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में सीईटी की परीक्षा के बाद अब अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) का आयोजन किया जाएगा। यह परीक्षा प्रदेश भर में 30 व 31 जुलाई को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में प्रदेश भर में चार लाख से अधिक अभ्यर्थी 673 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देंगे। लेवल-3 (पीजीटी) की परीक्षा 30 जुलाई (बुधवार) को सायं 3:00 बजे से 5:30 बजे तक संचालित होगी। लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा 31 जुलाई (वीरवार) को प्रातः 10:00 बजे से 12:30 बजे तक संचालित होगी। इसी दिन यानि 31 जुलाई (वीरवार) को सायं 3:00 बजे से 5:30 बजे तक लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा संचालित होगी।हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा एचटेट की परीक्षा आयोजित की जाएगी। नकल व अन्य अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए लगभग 220 उड़नदस्तों की नियुक्ति की गई है। एचटेट परीक्षा की ड्यूटी में कोताही बरतने वालों के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व सघन चेकिंग भी होगी। इसके अलावा सभी कक्षों में सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉल कर दिए गए हैं, जिनके माध्यम से हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा बनाए गए कंट्रोल रूम से पैनी नजर रखी जाएगी। इसके अतिरिक्त परीक्षा केंद्रों में जैमर भी लगाए जाएंगे ताकि अनुचित साधनों का प्रयोग इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से कोई ना कर सके। परीक्षा के दिनों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू रहेगी।इस बीच हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के प्रवक्ता ने बताया कि परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले सभी उम्मीदवारों की मेटल डिटेक्टर के माध्यम से फ्रिस्किंग होगी और बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उम्मीदवारों के पास किसी प्रकार के अवैध सामग्री न हो। उन्होंने आगे बताया कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या असामाजिक गतिविधियों से बचने के लिए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से बोर्ड मुख्यालय पर स्थापित हाईटैक कंमाड एंड कंट्रोल सेन्टर से परीक्षा केंद्रों की लाइव निगरानी की जाएगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाएगा ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सके। परीक्षा केंद्रों के आस-पास पुलिस द्वारा पूरी तरह से सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे परीक्षा के दौरान अपना पहचान-पत्र पहनना सुनिश्चित करें तथा बोर्ड द्वारा जारी किए गए सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें और परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए हर संभव प्रयास करें। अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता से निभाएं ताकि परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित हो सके। बोर्ड प्रवक्ता ने बताया कि नकल व अन्य अनियमितताओं पर सख्ती से रोक लगाने के लिए लगभग 220 प्रभावशाली उड़नदस्तों की नियुक्ति की गई है।

नूरनखेड़ा से तीन दिन में हटे शराब का ठेका, मंत्री ने दिए निर्देश

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के लघु सचिवालय में आयोजित जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में हरियाणा के युवा, खेल, अधिकारिता, उद्यमिता एवं कानून राज्यमंत्री गौरव गौतम ने जनसमस्याओं के प्रभावी समाधान पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमों के पालन के साथ-साथ विवेक का प्रयोग करें ताकि शिकायतों का समयबद्ध समाधान हो सके। उन्होंने चेताया कि किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में 24 शिकायतों की सुनवाई हुई, जिनमें से 14 शिकायतों का मौके पर समाधान कर दिया गया। एक मामले को दो माह बाद पुनः प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, वहीं एक अन्य शिकायत में लोकायुक्त के आदेशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने को कहा गया। शेष शिकायतों को लंबित रखा गया। नूरनखेड़ा गांव के ग्रामीणों द्वारा शराब ठेका हटाने की मांग पर मंत्री ने तीन दिन में ठेका हटाने के

निर्देश आबकारी विभाग को दिए। वहीं, गांव गढ़ी बाला के रामनिवास द्वारा ग्रामीण बस्ती योजना के अंतर्गत मिले प्लॉट पर निशानदेही और कब्जा दिलवाने की मांग पर मंत्री ने ज़िला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया व एडीसी को समन्वय से समाधान करने को कहा। शहद उत्पादक किसानों को भुगतान न मिलने की शिकायत पर, मधुक्रांति बी फार्मर्स वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश जाखड़ द्वारा दायर मामले में, मंत्री ने एसडीएम, डीसीपी व जिला बागवानी अधिकारी की संयुक्त जांच कमेटी गठित करने के निर्देश दिए। विधायक निखिल मदान, ज़िला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया, पुलिस आयुक्त ममता सिंह, उपायुक्त सुशील सारवान, अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार, जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, गोहाना भाजपा जिला अध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, जिला महामंत्री नीरज कुमार ठरु सभी एसडीएम,एसीपी व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हर गांव में खोले जाएंगे महिला सांस्कृतिक केंद : मंत्री कृष्णलाल पंवार

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के विकास एवं पंचायत विभाग मंत्री कृष्णलाल पंवार ने कहा कि सरकार द्वारा हर गांव में महिला सांस्कृतिक केंद्र खोले जाएंगे। इन सांस्कृतिक केंद्रों में सामान भी उपलब्ध करवाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में खोले जाने वाले इन सांस्कृतिक केंद्रों में महिलाएं कला और संस्कृति को बढ़ावा देने वाली नृत्य, भजन-संगीत जैसी गतिविधियां कर पाएगी।

मंत्री पंवार सिरसा के चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के सभागार में हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय तीज उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिरसा में आठ महिला सांस्कृतिक केंद्र की शुरुआत की गई है। इसके अलावा 86 ई-लाईब्रेरी भी खोली गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार महिलाओं के सम्मान के लिए निरंतर प्रयासरत है। नई-नई योजनाएं लागू

की जा रही है, जिससे महिलाएं और सशक्त हो रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए 25 नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद के चुनाव में 65 प्रतिषत महिलाएं चुनी गई है, आज हवाई जहाज उड़ाने से लेकर सैन्य क्षेत्र में भी महिला शक्ति अगुवाई कर रही है। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किए गए अलग-अलग उत्पाद के स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कैबिनेट मंत्री ने दो छात्राओं को सराहनीय प्रस्तुति पर नकद राशि देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान अंबाला में आयोजित राज्य स्तरीय तीज उत्सव समारोह का लाइव टेलिकास्ट भी किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। कैबिनेट मंत्री ने कार्यक्रम में जिले में बेस्ट प्रदर्शन करने तीन महिला स्वयं सहायता समूहों को एक लाख, 50 हजार व 25 हजार के नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके अलावा उपस्थित महिलाओं को तीज के त्योहार पर दी जाने वाली सम्मान स्वरूप कोथली भी प्रदान की। कृष्णलाल पंवार ने कहा कि हरियाणा सरकार महिलाओं के उत्थान व उनकी शिक्षा पर जोर दे रही है।

सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल पर चौटाला वासियों ने दिया धरना

एजेंसी

सिरसा। जिला के चौटाला गांव में जन स्वास्थ्य विभाग की अनियमितताओं और लापरवाही के खिलाफ ग्रामीणों ने धरना दिया और विभाग पर सीवरेज लाइन बिछाने के बाद सड़कों के निर्माण में धांधली का आरोप लगाया। ठेकेदार द्वारा बिना ठोस पत्थर डाले मिट्टी पर ही सीमेंट-कंक्रीट (सीसी) की सड़क बिछाने के काम का ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया है। ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए सोमवार शाम को जन स्वास्थ्य विभाग के एसडीओ विशाल ज्याणी गांव पहुंचे और धरनारत ग्रामीणों से बात की। उन्होंने निर्माणाधीन सड़क पर बिछाई गई बजरी के सैंपल भी लिए। धरने पर स्थानीय विधायक आदित्य देवीलाल भी पहुंचे और ग्रामीणों को अपना समर्थन दिया। विधायक आदित्य देवीलाल ने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने का ग्रामीणो को भरोसा दिलाया। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित ठेकेदार घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे नवनिर्मित सड़कें ज़्यादा दिन नहीं टिकेगी। का. राकेश फगोडिया सहित अन्य ग्रामीणों ने विभाग से इस मामले का तुरंत संज्ञान लेने और दोषी ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग उठाई। ग्रामीणों ने यह सवाल भी उठाया कि जब चौटाला जैसा नेताओं का गांव होने के बावजूद यह स्थिति है, तो अन्य जगहों का क्या हाल होगा। ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल डबवाली आकर एसडीएम अर्पित संगल से भी मिला। राकेश फगोडिया और अन्य ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन इस मामले में सख्त कदम उठाएगा और गुणवत्तापूर्ण सड़कें गांव में बनाई जाएंगी। ये भी मांग हैं कि डीसी और एसडीएम खुद आकर निरीक्षण करें और ये दोनों अधिकारी अपनी मौजूदगी में सैंपल भरवाकर जांच करवाएं।

सोनीपत में कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने दस सांस्कृतिक केंद्रों का किया उदघाटन

जेंसी

सोनीपत। सोनीपत में जिला स्तरीय तीज महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने जिले के 10 गांवों में बनाए गए सांस्कृतिक केंद्रों का उद्घाटन किया और तीज को केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत तथा नारीशक्ति के सम्मान का प्रतीक बताया। डॉ. शर्मा ने कहा कि तीज पर्व सावन की हरियाली और पारंपरिक गीत-संगीत से जुड़ा वह अवसर है, जो महिलाओं को आत्मिक प्रसन्नता के साथ-साथ सामाजिक समरसता का अनुभव कराता है। उन्होंने कहा कि गांवों में आरंभ किए गए सांस्कृतिक केंद्रों से महिलाएं जुड़कर नए लोकगीत व भजन तैयार करेंगी, जिससे लोकसंस्कृति को सहेजने का कार्य होगा। इन केंद्रों में से पांच का संचालन महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपा गया है, जो स्वावलंबन और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के सामाजिक व शैक्षणिक विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं जैसे

लखपति दीदी योजना, पंचायती प्रतिनिधित्व, महिला सुरक्षा व स्वास्थ्य योजनाएं। बीते वर्षों में 80 नए कॉलेज खोले गए, जिनमें 30 केवल बेटियों के लिए हैं। साथ ही, गैस सिलेंडर 500 रुपये में व आयुष्मान योजना का लाभ भी महिलाओं को मिल रहा है। महोत्सव में लोकगीत, नृत्य, मेंहदी प्रतियोगिता और पारंपरिक व्यंजनों की प्रदर्शनी ने समां बांध दिया। इस दौरान हरियाणा सरकार ने एक हजार महिला समूहों को कोथली भेंट की। एकता महिला समूह (धनाना) को एक लाख रुपये, नारी महिला समूह (जैनपुर) को 50 हजार रुपये और शेरावाली महिला समूह (जाजी) को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। वहीं, जिले की पहली ग्राम दुकान की चाबी भी महिला समूहों को सौंपी गई, जो ककरोई चौक पर शुरू की गई है।

30 जुलाई को एक शिफ्ट व 31 जुलाई को दो शिफ्ट में होगी एचटेट परीक्षा

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला में 30 व 31 जुलाई को आयोजित होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता (एचटेट) परीक्षा होगी। इस परीक्षा को लेकर एडिशनल लेबर कमिश्नर एवं जिला में परीक्षा के नोडल अधिकारी कुशल कटारिया ने सेंटर संचालकों तथा ड्यूटी मजिस्ट्रेट के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदू बोकन व हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। बैठक में जिला शिक्षा विभाग से रचना बंसल ने पीपीटी के माध्यम से सभी को परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। बैठक में एएलएसी कुशल कटारिया ने कहा कि यह काफी संवेदनशील कार्य है, जिसे सभी सेंटर संचालकों तथा ड्यूटी मजिस्ट्रेट को पूरी जिम्मेदारी के साथ करना है। उन्होंने कहा कि सभी सेंटर संचालक यह सुनिश्चित करें कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश ना हो। परीक्षा के लिए हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने जो नियम निर्धारित किए हैं, उनका दृढ़ता से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी को कोई शंका हो तो उसे समय रहते दूर कर लें। कुशल कटारिया ने बताया कि हरियाणा

अध्यापक पात्रता परीक्षा के लेवल तीन की परीक्षा 30 जुलाई को एक शिफ्ट में दोपहर तीन बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। 40 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 12327 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसी प्रकार लेवल दो व एक की परीक्षा 31 जुलाई को सुबह व शाम की दोपहर की शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। लेवल-2 की परीक्षा 69 केंद्रों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक करवाई जाएगी, जिसमें 20122 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

फरीदाबाद में अपराध नियंत्रण पर पुलिस आयुक्त ने ली बैठक,थाना प्रभारियों व अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

फरीदाबाद। शहर में बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक ली। सेक्टर-21 स्थित कार्यालय में आयोजित इस बैठक में सभी पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी और अपराध शाखा के प्रभारियों ने भाग लिया।बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं से संबंधित अपराधों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जाए और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शहर में आपसी लड़ाई-झगड़ों और पुरानी रंजिश से जुड़े मामलों पर विशेष निगरानी रखी जाए, क्योंकि अधिकांश गंभीर घटनाएं इन्हीं कारणों से होती हैं। पुलिस आयुक्त ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में

तीन सवारी वाले वाहन अधिक दिखाई देते हैं, वहां विशेष रूप से नाकाबंदी की जाए और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। नशीले पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर भी पुलिस आयुक्त ने सख्ती बरतने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की जानकारी मिलते ही संबंधित व्यक्ति पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। यह अभियान लगातार तेज किया जाए, ताकि नशे के जाल को शहर से समाप्त किया जा सके। इस बैठक में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अभिषेक जोरवाल, पुलिस उपायुक्त एनआईटी मकसूद अहमद, पुलिस उपायुक्त बल्लभगढ़ राजकुमार, पुलिस उपायुक्त यातायात जयवीर सहित सभी सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रबंधक और अपराध शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

आने वाली पीढ़ियों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारीः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जीवन का आधार प्रकृति है और प्रकृति का संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आज हम आधुनिकता की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, वन महोत्सव हमें इसी बात की याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम प्रकृति का शोषण न करें, बल्कि उसके साथ मिलकर रहना सीखें। जब हम एक पेड़ लगाते हैं तो हम जीवन का एक स्रोत रोपित करते हैं, एक नई उम्मीद पैदा करते हैं।मुख्यमंत्री यमुनानगर के कलेसर में वन विभाग द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय वन महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे थे। उन्होंने राज्य स्तरीय वन महोत्सव में पौधरोपण भी किया, साथ ही वन विभाग के नव निर्मित विश्राम गृह का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कालेश्वर महादेव मठ मंदिर में जाकर भगवान शिव की पूजा अर्चना की और प्रदेश की सुख स्मृद्धि के लिए कामना की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वन महोत्सव प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता, हमारे दायित्व और आने वाली पीढ़ियों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के हमारे संकल्प का प्रतीक है। कलेसर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह न केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यटकों, प्रकृति प्रेमियों और ट्रैकिंग करने वालों के लिए भी बेहद आकर्षक स्थल है। सरकार कालका से लेकर कलेसर तक के पूरे क्षेत्र को पर्यटन हब के रूप में विकसित कर रही हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वन क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पौधरोपण करते हुए एक पेड़ मां के नाम से एक अनूठा अभियान शुरू किया था। इसी कड़ी में एक पेड़ मां के नाम के पहले चरण में हरियाणा में एक करोड़ 60 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा था, हमने लक्ष्य से बढ़कर 1 करोड़ 87 लाख पौधे लगाये। इस साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम के दूसरे चरण की शुरूआत की है। दूसरे चरण में 90 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है।

अमेरिका ने भारत पर व्यापार समझौते में तुरंत शुल्क हटाने का दबाव बढ़ाया

- 1 अगस्त से पहले व्यापार समझौते की डील पर संकट

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से पहले एक नई चुनौती सामने आ गई है। अमेरिका चाहता है कि भारत समझौते के लागू होते ही अधिकांश उत्पादों पर आयात शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दे। जबकि भारत इस प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के पक्ष में है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, अमेरिका की मांग है कि अधिकांश वस्तुओं पर शून्य शुल्क तुरंत लागू हो, जबकि कुछ संवेदनशील उत्पादों पर यह 1-2 वर्षों में हटाया जा सकता है। परंपरागत रूप से भारत 'टैरिफ स्टेजिंग' के तहत शुल्क कम करने की नीति अपनाता आया है, जिसमें समयबद्ध तरीके से शुल्क घटाया जाता है। ब्रिटेन के साथ हाल में हुए मुक्त व्यापार समझौते में भारत ने 10 वर्षों में 90 फीसदी वस्तुओं पर शुल्क हटाने का समझौता किया, जिसमें से 64 फीसदी वस्तुएं समझौते के लागू होते ही शुल्क मुक्त हो गईं। यह मॉडल भारत को घरेलू उद्योगों की रक्षा का अवसर देता है। इस बीच, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत की नीति घरेलू बाजार को संरक्षित करने पर केंद्रित रही है, लेकिन अमेरिका चाहता है कि बाजार अधिक खुले। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस मुद्दे पर अभी और वार्ता की आवश्यकता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यदि समझौता होता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि भारत को अमेरिकी मांगों के आगे नहीं झुकना चाहिए और संतुलित समझौता करना चाहिए। समझौते को लेकर अंतिम समयसीमा 1 अगस्त तय की गई है, और ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दोनों देश व्यापार समझौते पर सहमति बना पाते हैं या नहीं।

टीसीएस में कर्मचारियों की छंटनी से कंपनी में तनाव का माहौल

- कंपनी पर टाटा के मूल्यों से हटने का आरोप

नई दिल्ली ।

भारत की अग्रणी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने कुल कर्मचारियों के लगभग 2 प्रतिशत यानी 12,000 से अधिक लोगों की छंटनी कर दी है। यह खबर अधिकतर कर्मचारियों को किसी आधिकारिक सूचना के बजाय अखबारों के माध्यम से मिली, जिससे कंपनी के अंदर अचानक तनाव और अनिश्चितता का माहौल बन गया।

एक मध्य-स्तरीय कर्मचारी ने बताया कि छंटनी की जानकारी कंपनी के आंतरिक पोर्टल पर रविवार को अपडेट की गई थी, लेकिन अधिकांश लोगों ने उसे समय पर नहीं देखा। यह पहली बार है जब टीसीएस ने इतने बड़े स्तर पर औपचारिक रूप से छंटनी की है। इससे पहले 2012 में कंपनी ने लगभग 2,500 कर्मचारियों को निकाला था। टीसीएस को अब तक एक स्थिर और सुरक्षित नियोक्ता के रूप में देखा जाता रहा है, जिसने 2008 के वित्तीय संकट और कोविड-19 जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी कर्मचारियों की छंटनी नहीं की थी।

कई कर्मचारियों का मानना है कि कंपनी अब टाटा समूह की पारंपरिक मान्यताओं और मूल्यों से हट रही है। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि हाल ही में कंपनी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अपस्किलिंग पर जोर दिया था, लेकिन अब छंटनी का यह कदम उन प्रयासों के विपरीत प्रतीत हो रहा है। इस घटनाक्रम ने पूरे आईटी सेक्टर में चिंता बढ़ा दी है कि अन्य कंपनियां भी इसी राह पर चल सकती हैं।

सोने के भाव 97,650 रुपए, चांदी लगभग 1,13,250 रुपए

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में मंगलवार को तेजी देखी जा रही है। मंगलवार के कारोबारी` दिन दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के भाव 97,650 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,13,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने-चांदी के शुरुआती कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 82 रुपये की तेजी के साथ 97,627 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,545 रुपये था। फिलहाल यह 98 रुपये की तेजी के साथ 97,643 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 215 रुपये की तेजी के साथ 1,13,268 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,13,053 रुपये था। इस समय यह 198 रुपये की तेजी के साथ 1,13,251 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,313.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,310 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.30 डॉलर की तेजी के साथ 3,312.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 38.33 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 38.22 डॉलर था।

इस समय यह 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 38.27 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

तेलंगाना में ऐपल एयरपॉड संयंत्र बंद होने के बाद फिर शुरू

- चीन पर निर्भरता घटाने की कोशिश

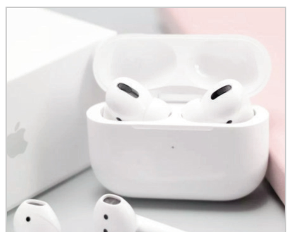

नई दिल्ली ।

तेलंगाना के कोंगरा कलां में स्थित ऐपल इंक के एयरपॉड असेंबली संयंत्र ने जुलाई की शुरुआत में उत्पादन दोबारा शुरू कर दिया है। इस संयंत्र का संचालन फॉक्सकॉन की सहायक कंपनी फॉक्सकॉन इंटरकनेक्ट टेक्नॉलाजी कर रही है। जून के अंत में जापान से दुर्लभ खनिज मैग्नेट की आपूर्ति में आई रुकावट के चलते संयंत्र को दो सप्ताह के लिए बंद करना पड़ा था। यह खनिज वायरलेस ईयरबड यानी एयरपॉड्स में प्रमुख भूमिका निभाता है। ऐपल चीन पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से जापान से मैग्नेट की आपूर्ति करवा रही थी, लेकिन आपूर्ति संकट ने उत्पादन पर असर डाला। कंपनी अब उज्बेकिस्तान सहित अन्य स्रोतों से मैग्नेट मंगवाने पर विचार कर रही है ताकि भविष्य में इस तरह की रुकावटों से बचा जा सके। सूत्रों के अनुसार, यह संयंत्र फिलहाल केवल अमेरिका और यूरोप जैसे बाजारों के लिए निर्यात पर केंद्रित है। ऐपल ने सरकार को बताया है कि चीन की तुलना में भारत में उत्पादन लागत अधिक है, जिससे वैश्विक प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। इस संयंत्र में अब तक करीब 5,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। फॉक्सकॉन ने इसमें 50 करोड़ डॉलर का निवेश किया है और संयंत्र की पूर्ण क्षमता पर यह 15,000 से अधिक लोगों को रोजगार देगा। अप्रैल 2025 से यहां एयरपॉड्स की असेंबली शुरू हुई थी। ऐपल और फॉक्सकॉन ने इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है।

ब्रिटेन को भारत का चमड़ा और जूता निर्यात तीन साल में होगा 1 अरब डॉलरः पीयूष गोयल

- देश भर के प्रमुख निर्माण केंद्रों को लाभ होगा

नई दिल्ली ।

भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुए व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) से भारत के चमड़ा और जूता उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जानकारी दी कि 2024 में 49.4 करोड़ डॉलर रहा यह निर्यात तीन वर्षों में दोगुना होकर 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में निर्यातकों के साथ बैठक में बताया कि यह समझौता सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, तकनीकी मानकों को संरेखित करता है और भारतीय भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों जैसे कोल्हापुरी चप्पल और मोजरी की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इससे भारतीय उत्पादों को यूके के 8.7 अरब डॉलर के चमड़ा और फुटवियर बाजार में बेहतर दृश्यता मिलेगी। इस समझौते के तहत यूके ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले 2 से 11.9 फीसदी तक के आयात शुल्क समाप्त कर दिए हैं, जिससे भारत को बांग्लादेश, कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले समान अवसर मिलेंगे। इससे देश भर के प्रमुख निर्माण केंद्रों को लाभ होगा। खासकर एमएसएमई, कारीगरों, महिला उद्यमियों और युवा-नेतृत्व वाले व्यवसायों में हजारों नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। सरकार ने 1,700 करोड़ के भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास कार्यक्रम और केंद्रित उत्पाद योजना जैसी पहलें भी शुरू की हैं, जो टेक्नोलॉजी अपग्रेड, मेगा क्लस्टर और ब्रांडिंग को बढ़ावा देंगी। यह समझौता न केवल चमड़ा और जूता क्षेत्र, बल्कि तिरुपुर, जयपुर, सूरत, लुधियाना जैसे प्रमुख कपड़ा क्लस्टरों को भी नया जीवन देगा।

नुवोको विस्टास ने बढ़ाई सीमेंट उत्पादन क्षमता

- निवेशकों को मिल सकता है 10 फीसदी तक रिटर्न

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख सीमेंट कंपनियों में से एक नुवोको विस्टास कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनवीसीएल) ने अपने कारोबार का तेजी से विस्तार करना शुरू कर दिया है। कंपनी अब भारत की पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता बन चुकी है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 25 मिलियन टन है। कंपनी ने इसे 2027 तक 31 मिलियन टन तक ले जाने का लक्ष्य रखा है, जिससे पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी भारत में उसकी पकड़ और मजबूत होगी। एनवीसीएल केवल सीमेंट ही नहीं बनाती, बल्कि रेडी-मिक्स कंक्रीट और अन्य बिल्डिंग मटेरियल्स भी बनाती है, जिससे उसका व्यवसाय ज्यादा विविध और मजबूत बनता है। यह कंपनी निम्मा ग्रुप का हिस्सा है, जिसे देश में एक भरोसेमंद औद्योगिक समूह माना जाता है। कंपनी की बड़ी उपलब्धियों में हाल ही में हुआ वडराज सीमेंट का अधिग्रहण भी शामिल है। अप्रैल 2025 में एनसीएलटी से मंजूरी मिलने के बाद इस डील के तहत एनवीसलएल की क्लिंकर बनाने की क्षमता में 3.5 मिलियन टन और सीमेंट ग्राइंडिंग क्षमता में 6 मिलियन टन का इजाफा हुआ है। इससे एनवीसीएल की कुल पीसने की क्षमता अब 31 मिलियन टन प्रतिवर्ष हो गई है।

1 साल में गोल्ड लोन 2 गुना हुआ

मुंबई । देश में गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या और उसकी राशि लगभग डबल हो चुकी है। मईं 2024 तक देश के कुल गोल्ड लोन का आंकड़ा 1.16 लाख करोड रुपए का था। जो मईं 2025 में बढ़कर 2.51 लाख करोड़ हो चुका है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में दिए गए एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी है। मुथूट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक का कहना है, जब महंगाई बढ़ती है। तब गोल्ड लोन लेने वालों की संख्या और राशि बढ़ जाती है। लोगों को अपने जरूरी खर्च के लिए गोल्ड गिरवी रखना पड़ता है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री के अनुसार पिछले तीन सालों में विदेश जाकर पढ़ाई करने वालों का कर्ज़ 25.2 फ़ीसदी कम हो गया है। विदेश जाकर पढ़ने वाले छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। इसका असर एजुकेशन लोन में देखने को मिल रहा है।

इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो से 68,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने 30 जुलाई से 4 अगस्त तक मुंबई में आयोजित होने वाले इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (आईआईजेएस) के माध्यम से 68,000 करोड़ रुपये का कारोबार करने का लक्ष्य तय किया है। परिषद के अनुसार यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा, जिसमें 2,100 कंपनियां और 3,600 स्टॉल शामिल होंगे। शो में भारत के 1,300 शहरों और दुनिया के 80 देशों से 50,000 से अधिक आगंतुकों के पहुंचने की उम्मीद है। जीजेईपीसी खाड़ी देशों में 40,000 करोड़ के नए बाजार अवसरों को भुनाने की भी तैयारी कर रहा है।

पिरामल फार्मा को पहली तिमाही में 82 करोड़ का घाटा

- परिचालन आय में भी मामूली गिरावट

नई दिल्ली । पिरामल फार्मा लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 82 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया है। यह घाटा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 89 करोड़ रुपये के मुकाबले थोड़ा कम है। कंपनी की परिचालन आय भी घटकर 1,934 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,951 करोड़ रुपये थी। हालांकि कंपनी का कहना है कि तिमाही के दौरान कर पूर्व आय में सुधार देखा गया है और कुछ क्षेत्रों में मध्यम राजस्व वृद्धि भी दर्ज की गई है। पिरामल फार्मा की चेयरपर्सन नंदिनी पिरामल ने बताया कि कंपनी परिचालन दक्षता को मजबूत करने और लागत नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी तिमाहियों में प्रदर्शन में और सुधार होगा। ताजा आंकड़े कंपनी के घाटे में आंशिक कमी और परिचालन स्तर पर स्थिरता की ओर संकेत करते हैं।

डीपीआईआईटी ने एथर एनर्जी के साथ किया ईवी स्टार्टअप के लिए एमओयू

नई दिल्ली । उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी एथर एनर्जी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहन और विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए नए अवसर प्रदान करना है। यह एमओयू डीप-टेक स्टार्टअप को रणनीतिक मार्गदर्शन और ईवी मूल्य श्रृंखला में बुनियादी ढांचा समर्थन उपलब्ध कराएगा। डीपीआईआईटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस साझेदारी से ऐसे वातावरण का निर्माण होगा जहाँ स्टार्टअप्स इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण, बैटरी नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। यह पहल भारत में ईवी उद्योग को मजबूत करने और नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

ई-कॉमर्स और 3पीएल कंपनियों से वेयरहाउसिंग सेक्टर में जोरदार उछाल

गोदामों की मांग 63 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2.7 करोड़ वर्ग फुट पहुंची

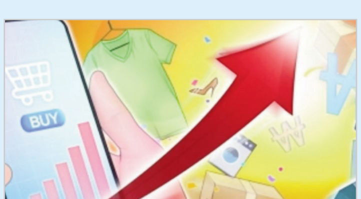

नई दिल्ली । भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2025 की पहली छमाही में औद्योगिक स्थानों और गोदामों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। रियल एस्टेट सेवा प्रदाता सीबीआरई की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में औद्योगिक और वेयरहाउसिंग क्षेत्र में लीजिंग (पट्टे पर लेना) 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गई। इस वृद्धि का प्रमुख कारण ई-कॉमर्स और थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों की मजबूत मांग रही। जनवरी-जून 2025 के दौरान लीज पर दी गई कुल जगह में से 32 प्रतिशत हिस्सेदारी 3पीएल कंपनियों की रही, जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। सीबीआरई के एक अे धिकारी ने कहा कि 3पीएल और ई-कॉमर्स कंपनियों का प्रभुत्व यह दर्शाता है कि तेजी से बदलती उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला में तकनीकी अनुकूलन इस सेक्टर को नई दिशा दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इसी अवधि में 1.67 करोड़ वर्ग फुट नई आपूर्ति दर्ज की गई, जिसमें बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का कुल 57 प्रतिशत योगदान रहा। सीबीआरई को उम्मीद है कि 2025 की दूसरी छमाही में भी इसी तरह की मजबूत मांग बनी रहेगी। आने वाले समय में प्रीमियम, टिकाऊ और तकनीक-समर्थित वेयरहाउसिंग सुविधाओं की मांग और अधिक बढ़ने की संभावना है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 447 और निफ्टी 140 अंक अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.93 अंकों की तेजी के साथ ही 81,337.95 अंकों पर बंद हुआ। वहं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 140.20 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,821.10 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि 10 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। इसी तरह निफ्टी की 50 में से 36 कंपनियों के शेयर बढ़कर बंद हुए। वहीं14 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एलएंडटी के शेयर सबसे ज्यादा 2.15 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि टीसीएस के शेयरों में सबसे अधिक 0.72 फीसदी की गिरावट रही। सेंसेक्स में शामिल अन्य कंपनियों की बात करें तो आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 2.07 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.03 फीसदी, टाटा स्टील 1.69 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.42 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.42 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.28 फीसदी, भारती एयरटेल 1.05 फीसदी, सनफार्मा 0.93 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.75 फीसदी नीचे आये।

वहीं एक्सिस बैंक के शेयर 0.64 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.58 फीसदी, आईटीसी 0.43 फीसदी, टाइटन 0.41 फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 0.08 फीसदी के नुकसान के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट स्तर पर खुला। सेंसेक्स 38 अंक की गिरावट के साथ 80,842 और निफ्टी 2 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 24,678 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव बनाने का आईटी शेयरों की ओर से किया जा रहा था, जिसके कारण निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ लाल निशान में था। वहीं लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी जा रही है। बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट के लिए अभी अनुकूल परिस्थितियों की तुलना में प्रतिकूल परिस्थितियां ज्यादा हैं। बाजारों पर सबसे बड़ा दबाव यह है कि भारत और अमेरिका के बीच अपेक्षित व्यापार समझौता अभी तक नहीं हुआ है और 1 अगस्त की समयसीमा से पहले समझौते की संभावना कम होती जा रही है।

सरकारी बैंकों ने नए डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल से मंजूर किए 98,995 एमएसएमई लोन

- नए डिजिटल मॉडल से एमएसएमई क्षेत्र को कई लाभ मिले

नई दिल्ली।

सरकार ने संसद को बताया कि इस वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 15 जुलाई तक सरकारी बैंकों ने नए डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल के तहत 98,995 एमएसएमई लोन आवेदनों को मंजूरी दी है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में लिखित जवाब में बताया कि इस नए मॉडल के कारण लोन निर्णय लेने में अधिकतम एक दिन का समय लगता है, जो पारंपरिक मैनुअल प्रक्रिया की तुलना में काफी तेज है। नए डिजिटल मॉडल से एमएसएमई क्षेत्र को कई लाभ मिले हैं। आवेदनकर्ता कहीं से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिससे कागजी कार्रवाई और शाखा का दौरा कम हो गया है। डिजिटल प्रणाली के जरिए लोन प्रस्तावों को बिना रुकावट प्रोसेस किया जाता है और त्वरित सैद्धांतिक स्वीकृति मिलती है। साथ ही, निर्णय डेटा एवं लेनदेन व्यवहार और क्रेडिट इतिहास के आधार पर लिया जाता है, जिससे धोखाधड़ी की संभावना घटती है और निर्णय अधिक पारदर्शी होता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह मॉडल सिस्टम-जनरेटेड क्रेडिट लॉजिक और स्कोरकार्ड का उपयोग करता है, जो लोन पात्रता का तेज, सटीक और लक्षित मूल्यांकन सुनिश्चित करता है। इसके तहत बैंकों को बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय अपनी आंतरिक क्षमता विकसित करने की प्रेरणा मिली है। यह नया डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल केंद्रीय बजट 2024-25 में पेश किया गया था। हालांकि, इस मॉडल से बैंकों के एमएसएमई लोन के बुनियादी पात्रता मानदंडों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। सरकार का उद्देश्य एमएसएमई सेक्टर को आसान, तेज और भरोसेमंद वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। यह कदम एमएसएमई क्षेत्र की वृद्धि और विकास में सहायक होगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

दुर्लभ खनिजों पर चीन की पकड़ से वैश्विक आपूर्ति संकट

नई दिल्ली । चीन द्वारा दुर्लभ खनिज तत्वों और उनसे बने स्थायी मैग्नेट के निर्यात पर नियंत्रण ने वैश्विक तकनीकी और वाहन उद्योग को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। चीन वर्तमान में वैश्विक दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति का लगभग 70 फीसदी और दुर्लभ खनिज मैग्नेट का 90 फीसदी उत्पादन करता है। अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध के बीच चीन ने इन खनिजों को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू किया, जिससे इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), स्मार्टफोन, चिकित्सा उपकरण, पवन टर्बाइन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योगों पर असर पड़ा। अगर अमेरिका-चीन व्यापार युद्धविराम आगे नहीं बढ़ता है, तो आने वाले महीनों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में और अधिक बाधाएं आ सकती हैं। इन हालातों को देखते हुए भारत ने दुर्लभ खनिज मैग्नेट के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खनिज आपूर्तिकर्ताओं की तलाश शुरू कर दी है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में ऐसे संसाधनों की पहचान की जा रही है। हालांकि केवल संसाधनों की खोज काफी नहीं है। खनन, प्रसंस्करण और धातु निर्माण की पूरी प्रक्रिया तकनीकी और पर्यावरणीय दृष्टि से बेहद जटिल है। चीन ने दशकों की रणनीति, सरकारी निवेश, तकनीकी शोध, कम श्रम लागत और नरम पर्यावरण मानकों के चलते यह दबदबा हासिल किया है।

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

डॉ. आशीष वशिष्ठ

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरूआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है।

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर वोटों की चोरी का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं।

राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है।

2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद संविधान बदलने का खतरा होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना वोट खोने का डर पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी रणनीति पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

घोर लापरवाही

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में आठ श्रद्धालु मर गये तथा तीस से अधिक गंभीर घायल बताए जा रहे हैं। यह मंदिर पहाड़ी पर है, जहां पहुंचने के लिए आठ सौ सीढ़ियां हैं। मृतकों में चार उप्र के व एक-एक बिहार व उत्तराखंड के बताए जा रहे हैं। सावन माह में मंदिर में भारी भीड़ होती है। बताया जा रहा है कि मंदिर से करीब सौ मीटर पहले ही धक्का-मक्की के चलते करीब लटक रहे तार को सहारे के लिए लोगों ने पकड़ने की कोशिश की, जिससे करेंट लगने से अफरा-तफरी मच गई। हड़बड़ाहट में कुछ लोगों के गिरते ही भगदड़ मच गई। हरिद्वार की शिवालिक पहाड़ियों पर बना यह मंदिर बिल्व पर्वत पर पौड़ी से तीन किलोमीटर दूर है। महंत इसे मंदिर परिसर के भीतर नहीं हुई घटना कह कर हाथ झाड़ रहे हैं और सरकार ने मुआवजा घोषित कर रस्म अदा कर दी। इसी समय उप्र के बाराबंकी के औसानेर मंदिर में मची भगदड़ में दो की मौत हो गयी। मृतक के भाई का आरोप है, वहां तार सुलगते देखा गया था। पूजास्थलों में चढ़ावा और श्रद्धालुओं को बटोरने की होड़ किसी से छिपी नहीं है। स्थानीय प्रशासन या राज्य सरकारें श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने का जिम्मा सलीके से लेने में क्यों असफल हैं। महीना भर पहले ही पुरी में रथ-यात्रा के दौरान मची भगदड़ में तीन भक्तों की मौत हुई है। उससे पहले गोवा में भंदिर उत्सव में भगदड़ में छह मरे थे और इसी जनवरी में तिरुपीति में भी छह श्रद्धालु कुचल कर मारे गए थे। देश के विभिन्न धर्मस्थलों में प्रतिवर्ष होने वाले इन धार्मिक आयोजनों के बारे में सबको पहले से खबर होती है। दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला मुल्क अपने बाशिंदों की जान को लेकर कितना संवेदनहीन हो रहा है। खासकर धर्म को अपना मुख्य एजेंडा बनाने वाली सत्ताधारी पार्टी का जिम्मा है कि वह भक्तों की सुरक्षा के प्रति लापरवाह रवैया बदले। किसी भी बड़े धार्मिक उत्सव/त्योहार को लेकर आयोजकों, मंदिर व्यवस्थापकों व स्थानीय प्रशासन व पुलिस को चेतावनी देनी होगी। समाज में धर्मपरायण व मान्यताओं के प्रति अगाध श्रृद्धा रखने वालों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। विशेष अवसरों पर पूजा-अर्चना करने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती ही है। प्रशासन व पुलिस को भीड़ संभालने का प्रशिक्षण दिया जाए। भगदड़ जैसी घटनाएं घोर लापरवाही की श्रेणी में आती हैं। मुआवजों के भरोसे व्यवस्था नहीं सुधारी जा सकती। इस पर केंद्र को स्पष्ट निर्देश देने चाहिए।

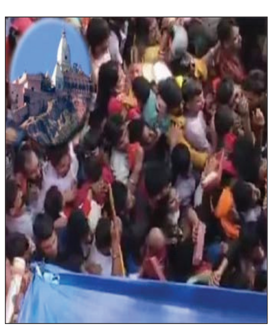

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विघ्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

भारत के लाखों नागरिकों को क्यों भा रहा है विदेश?

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारत के सक्षम नागरिकों में पिछले कुछ सालों में देश छोड़कर विदेश में बसने की प्रवृत्ति ज्यादा ही बढ़ गई है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि संसद के उच्च सदन में विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बता रहे हैं। लाखों की तादाद में न सिर्फ विदेश में बसने बल्कि भारतीय नागरिकता छोड़ने के जो आंकड़े सामने आए हैं वे देश की दशा और दिशा तय करने वालों से तीखे सवाल भी कर रहे हैं। आखिर देशभक्ति और देशप्रेम की विदेश में अलख जगाने का दम भरने वाले इन खासम-खास लोगों को हुआ क्या है, जो वतन की तरफ पलट कर देखना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। आखिर किससे और क्योंकर गलती या गुनाह हुआ, जिसका दर्द हमारे प्यारे हिंदुस्तान को सहना पड़ रहा है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है कि जन्मभूमि के लिए सभी समान होते हैं, फिर चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या सम्प्रदाय का ही क्यों न हो। अमीर हो या गरीब, काला हो कि गोरा, कद में ऊंचा हो कि नाटा, खान-पान, रहन-सहन और पहनावा कुछ भी क्यों न हो पहले तो वह भारतीय ही है, जिसे माँ भारती ने अपनी गोद में बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा है। आज वही लाड़ले विदेश में बसने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? या फिर विदेशी कहलाने को स्टेटस-सिंबल बना यहां से क्यों मुंह मोड़ रहे हैं? शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के साथ ही रोजगार जैसे सवाल अनगिनत हैं जिसके जवाब आज नहीं तो कल कर्ता-धताओं को देने ही होंगे। आखिरकार लाखों करोड़पतियों का यूं भारत छोड़ देना, देश और समाज के लिए हानिकारक ही माना जाएगा। इससे पहले कि विदेश जाने और हमेशा के लिए वहीं बस जाने के कारणों पर विचार करें यहां उच्च सदन में प्रस्तुत आंकड़ों पर भी एक नजर दौड़ा लेते हैं। दरअसल राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में भारतीय नागरिकता त्यागने संबंधी एक सवाल के जवाब में जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं वो पहली ही नजर में गंभीर और चिंता में डालने वाले हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में 2,06,378 भारतियों ने नागरिकता छोड़ी है। इससे पहले साल 2023 में 2,16,219, 2022 में 2,25,620, साल 2021 में 1,63,370, साल 2020 में 85,256 और साल 2019 में 1,44,017 लोग भारतीय नागरिकता त्याग चुके हैं। इस प्रकार बीते वर्ष में ही 2 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपने वतन की नागरिकता छोड़ विदेश की नागरिकता ले ली है।

इससे हटकर पूरी दुनिया में भारत के लाखों लोग ऐसे भी हैं जो पूरी जिंदगी तो विदेश में गुजार देते हैं लेकिन वहां कि नागरिकता नहीं लेते हैं। मतलब साफ है कि ग्रीन कार्डधारी बनकर विदेश में जीवन गुजारना इन्हें पसंद आ जाता है। ऐसे ज्यादातर लोग सिर्फ मजबूरी में या विशेष ऑकेजन में तफरी के तौर पर देश का रुख करते हैं। जो कमाई के लिए या अन्य कारणों से मजबूरीवश विदेश में रह रहे होते हैं उनके लिए जरुर विदेश में रहना किसी सजा से कम नहीं होता है। हमेशा अपनों की कमी और देश की मिट्टी की खुशबू से वंचित होने का दर्द इन्हें सालता रहता है। खुशी का पल हो कि गम का पहाड़ जैसा समय वतन के साथ अपनों की याद दिलाने के लिए काफी होता है। ऐसे समय में ये मजबूरी को कर्तव्य समझ घुटनभरी जिंदगी जीते हैं। इनकी तादाद अन्य से बहुत कम होती हो, ऐसा नहीं है, फिर भी इनकी सुनवाई न तो वहां होती है और न ही यहां। जिन्हें परवाह होती है वे खुद दूसरों के एहसान और खुद की लाचारी के बोझ तले दबे होते हैं। ऐसे में ईश्वर ही इनका मालिक होता है। इन सब को मिला लें तो भारतीय प्रवासी दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय बन जाता है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक प्रति वर्ष 2.5 मिलियन (25 लाख) भारतीय विदेशों में प्रवास करते हैं, जिससे भारत दुनिया का सबसे ज्यादा वार्षिक प्रवासियों वाला देश भी कहलाता है। कोटक प्राइवेट द्वारा ईवाई के साथ साझेदारी में किए गए एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक 22 प्रतिशत अति-धनी भारतीयों ने बेहतर जीवन स्तर, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और व्यापार में आसानी के लिए देश छोड़ने की इच्छा व्यक्त की। इससे साफ है कि जो नागरिक देश छोड़ चुके हैं सो वो तो छोड़ ही चुके हैं अब आगे भी लाखों भारतीय विदेश जाने की तैयारी में बैठे हुए हैं। सरकारी आंकड़े बतलाते हैं कि भारत में करोड़पतियों की आबादी बढ़ी है, बावजूद इसके करों के बोझ और जाँच व आर्थिक व्यवसायिक औपचारिकताओं के कारण बड़ी संख्या में लोग भारत छोड़ रहे हैं। ऐसे में संयुक्त अरब अमीरात भारतीयों के गंतव्य की पसंदीदा जगह बन गई है। यहां की शून्य-कर व्यवस्था और जिंदगी जीने को आसान बनाने वाले प्लान धनाढ्य भारतियों को आकर्षित करते हैं। यूएन वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 1.8 करोड़ भारतीय प्रवासी हैं। प्रवासियों के पसंदीदा देशों की बात करें तो रिपोर्ट बताती है कि एनआरआई और पीआईओ कैटागिरी को मिलाकर अमेरिका में कुल भारतीय आबादी 54,09,062 है, जबकि कनाडा में 28,75,954, मलेशिया में 29,14,127, सऊदी अरब में 24,63,509, कुवैत में 9,95,528, ब्रिटेन में 18,64,318, दक्षिण अफ्रीका में 17,00,000, श्रीलंका में 16,07,500 कुल भारतीय आबादी है। इसी के साथ बताया जाता है कि यूएई, सऊदी अरब और कुवैत में बेहतर रोजगार के अवसर और निवेश के खुले रास्ते भारतीयों को आकर्षित करते हैं। जबकि श्रीलंका, मलेशिया, म्यांमार और सिंगापुर में ऐतिहासिक प्रवासन के साथ ही व्यापारिक संबंधों के चलते भारतीय आबादी पुरानी है। भारत विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 तक दुनिया में कुल लगभग 3.542 करोड़ भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। ये आंकड़े बता रहे हैं कि भारत से सबसे ज्यादा लोग विदेशों में बस चुके हैं, जिन्हें बेहतर जिंदगी जीने की लालसा है और कुछ बेहतर करने की जिज्ञासा है। इसी प्रकार हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2025 बताती है कि भारत सालाना सबसे ज्यादा करोड़पतियों को खोने वाले शीर्ष पांच देशों में से एक है। आश्चर्यजनक और चिंतनीय बात यह है कि इन करोड़पतियों के अपने साथ 26.2 बिलियन डॉलर की संयुक्त संपत्ति देश से बाहर ले जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

मंदिरों में भगदड़ : कब रुकेंगी त्रासदियां

जयसिंह रावत

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई रविवार को जो कुछ हुआ, वह किसी अप्रत्याशित घटना की तरह नहीं था।

यह हादसा एक बार फिर से उस सच्चाई को सामने लाता है कि धार्मिक आस्था का उफान जब प्रशासनिक विवेक, स्थान की क्षमता और वैज्ञानिक भीड़ प्रबंधन पर भारी पड़ता है, तो आस्था का यह सैलाब त्रासदी में बदल सकता है। उस दिन मंदिर के मुख्य मार्ग की सीढ़ियों पर अचानक भगदड़ मच गई। कहा गया कि किसी ने यह अफवाह फैला दी कि रेलिंग में करंट दौड़ रहा है। नतीजा यह हुआ कि 8 श्रद्धालुओं की मौके पर मौत हो गई और लगभग 30 श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना हमें बताती है कि हम आज भी उन्हीं भूलों को दोहरा रहे हैं जिनका इतिहास दशकों पुराना है।

मनसा देवी मंदिर पहाड़ी पर स्थित एक अत्यधिक लोकप्रिय शक्तिपीठ है, जहां सावन और नवरात्र जैसे पर्वों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन इस भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह अक्सर उतनी ही कमजोर साबित होती है जितनी कि श्रद्धा प्रबल। यह पहली बार नहीं है जब हरिद्वार में ऐसा हुआ हो। इससे पहले 1986 के कुंभ मेले की भगदड़ में लगभग 200 लोगों की मृत्यु हुई थी। 2011 में हर की पैड़ी पर भी एक भगदड़ में 20 लोग मारे गए थे। इसी प्रकार 8 नवम्बर 2011 को ही शांतिकुंज के एक कार्यक्रम में भी भगदड़ में 20 श्रद्धालुओं की मौत और 30 घायल हो गए थे। इन हादसों का पैटर्न लगभग एक जैसा रहा है, अत्यधिक भीड़, संकरे रास्ते, अफवाहें और प्रशासनिक लापरवाही।

भगदड़ हादसों के मामले में हरिद्वार अकेला नहीं है। देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी इसी तरह की घटनाएं बार-बार होती रही हैं। 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मची, जिसमें 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी। 2022 में वैष्णो देवी मंदिर में भी नववर्ष के मौके पर भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की जान गई। 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में चट्टान खिसकने की अफवाह से भगदड़ मची थी जिसमें 162 लोग मारे गए थे। 2023 में रामनवमी के अवसर पर वहीं एक और भगदड़ हुई, जिसमें 36 श्रद्धालु मरे। इसी महीने मध्य प्रदेश के बागेर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान टेंट गिरने और दीवार ढहने से दो लोगों की मौत हुई। ये आंकड़े महज संख्याएं नहीं, बल्कि व्यवस्थागत असफलताओं के प्रमाण हैं। प्रश्न यह है कि आखिर ये घटनाएं बार-बार क्यों घट रही हैं? एक कारण तो यह जरूर है कि भीड़ को आयोजन और आयोजन स्थल की सफलता का मापदंड माना जाता है। सरकारें और धार्मिक संस्थाएं जितनी अधिक भीड़ जुटा पाती हैं, उसे उतनी ही बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करती हैं।

श्रद्धालुओं की संख्या को लाखों और करोड़ों में गिनाया जाता है, और यह मान लिया जाता है कि आस्था जितनी व्यापक होगी, उतनी ही मान्यता और चढ़ावा भी मिलेगा, परंतु इस मानिसकता में यह भूल जाती है कि किसी भी स्थल की एक सीमा होती है, जिसे कैरीइंग कैपेसिटी कहा जाता है। कैरीइंग कैपेसिटी का अर्थ है किसी स्थल की वह अधिकतम सीमा जहां तक वह पर्यावरणीय, भौगोलिक और संरचनात्मक रूप से भीड़ को सुरक्षित रूप से संभाल सकती है। मनसा देवी मंदिर जैसे स्थलों पर यह सीमा सीमित होती है, सीढ़ियां संकरी हैं, रेलिंग पुरानी हैं, और ऊपर-नीचे आने-जाने का मार्ग एक ही है। ऐसी स्थिति में यदि हजारों की संख्या में लोग एक साथ एक ही दिशा में बढ़ते हैं और अचानक अफवाह या घबराहट फैलती है, तो भगदड़ अवश्यंभावी हो जाती है। प्रशासनिक दृष्टि से देखा जाए तो भारत में अधिकांश धार्मिक स्थलों पर ऐसी स्पष्ट कैरीइंग कैपेसिटी निर्धारित नहीं की जाती और न ही भीड़ को उसी अनुसार रोका जाता है। जब तक यह वैज्ञानिक आधार पर तय नहीं किया जाएगा कि किस पर्व पर किस स्थल पर कितने लोग एक समय में प्रवेश कर सकते हैं, तब तक सुरक्षा सिर्फ भाग्य पर आधारित होगी।

प्रशासन कई बार दावा करता है कि उसने पर्याप्त इंतजाम किए थे, सीसीटीवी कैमरे लगाए थे, पुलिस बल तैनात किया गया था, रूट प्लान तैयार था, परंतु जब हादसा हो जाता है, तो यही व्यवस्थाएं कागजों में ही सीमित पायी जाती हैं। मनसा देवी मंदिर की घटना में भी यही हुआ। एक अफवाह ने समूची व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया। दूसरी ओर, धार्मिक संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। कई बार आयोजक भीड़ को लेकर कोई वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाते, न ही किसी प्रकार की पूर्व अनुमति की प्रक्रिया का पालन करते हैं। हाथरस की घटना इसका ज्वलंत उदाहरण है। न आयोजन का कोई नियंत्रण था, न किसी एजेंसी से सहमति ली गई थी, और न ही आपातकालीन प्रबंधन की कोई योजना थी। धार्मिक आस्था को आंकड़ों, भीड़ या प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि विवेक और जिम्मेदारी के साथ जोड़ना होगा। जब तक भीड़ को आयोजन की सफलता और चढ़ावे का पैमाना माना जाता रहेगा, तब तक मनसा देवी, नैना देवी, हाथरस या वैष्णो देवी जैसी त्रासदियां दोहराई जाती रहेंगी।

पाकिस्तानी गोलाबारी में अनाथ हुए 22 बच्चों को गोद लेंगे राहुल गांधी

पुंछ (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले करीब दो दर्जन बच्चों को गोद लेने का फैसला किया है।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी में इन बच्चों ने अपने परिजनों को खो दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद करा ने बताया कि राहुल गांधी पुंछ जिले के 22 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएंगे। ये वे बच्चे हैं जिन्होंने या तो अपने दोनों माता-पिता या परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य को खो दिया है।

करा ने बताया, पहली किस्त की सहायता राशि बुधवार को जारी की जाएगी ताकि इन बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। यह सहायता तब तक जारी रहेगी जब तक बच्चे स्नातक नहीं कर लेते।

राहुल गांधी ने मई में पुंछ का दौरा किया था, जहां उन्होंने स्थानीय कांग्रेस नेताओं से इन प्रभावित बच्चों की सूची तैयार करने को कहा था। इसके बाद एक सर्वे कराया गया और सरकारी रिकॉर्ड की पुष्टि के बाद अंतिम सूची बनाई गई।

पुंछ शहर पाकिस्तान की ओर से हुई भारी गोलाबारी से सबसे अधिक प्रभावित रहा। धार्मिक स्कूल जिया उल उलूम पर हुए हमले में आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए थे। इस हमले में वीहान भार्गव नाम के बच्चे की मौत उस वक्त हो गई जब उसका परिवार शहर छोड़ने की कोशिश कर रहा था और उसे शेलिंग के दौरान छर्रे लगे। राहुल गांधी ने पुंछ स्थित क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया, जहां पढ़ने वाले 12 वर्षीय जुड़वां बच्चे- उरबा फातिमा और जैन अली भी हमले का शिकार हुए थे। बच्चों से बात करते हुए राहुल ने कहा, ÷मैं तुम पर बहुत गर्व महसूस करता हूं। तुम्हें अपने छोटे दोस्तों की बहुत याद आती होगी, मुझे इसका दुख है। अब तुम्हें थोड़ा डर भी लगता होगा, लेकिन घबराओ मत, सब कुछ फिर से सामान्य हो जाएगा। तुम्हारा जवाब इस घटना को लेकर यह होना चाहिए कि तुम खूब मन लगाकर पढ़ाई करो, दिल खोलकर खेलो और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाओ।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की ओर से 7 मई 2025 को शुरू किया गया एक सैन्य अभियान था, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के ठिकाने नष्ट किए गए। इसके जवाब में, पाकिस्तान ने 8 से 10 मई तक जम्मू क्षेत्र, खासकर पुंछ में भारी गोलाबारी, ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में 27 लोगों की मौत हुई और 70 से अधिक लोग घायल हुए। पुंछ जिला इस दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, जहां 16 लोगों की जान गई।

मराठा आरक्षण : मनोज जरांगे 29 अगस्त से फिर अनशन को तैयार

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार पर मराठा समुदाय से किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने समुदाय के साथ विश्वासघात किया है। अपनी निराशा व्यक्त करते हुए, जरांगे ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तब वे 29 अगस्त से मुंबई में फिर से भूख हड़ताल शुरू कर दूंगा। जरांगे ने जालना जिले के अंतरवाली सारथी गाँव में बताया कि मराठों की चार प्रमुख माँगें, जिनके लागू होने का महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने आश्वासन दिया था, वे पूरी नहीं हुई हैं। दरअसल

जरांगे लगातार यह माँग करते रहे हैं कि सभी मराठाओं को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। कुनबी एक कृषि प्रधान जाति है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आती है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की भी माँग की है। वह ऐतिहासिक अभिलेखों, जैसे बॉम्बे, सतारा और हैदराबाद के राजपत्रों को लागू करने की माँग पर जोर देते रहे हैं, जिनके बारे में उनका दावा है कि ये मराठा समुदाय को कुनबी के रूप में वर्गीकृत करते हैं।

ईसाई धर्म अपना लो खूब पैसा मिलेगा, पैसे देकर धर्म परिवर्तन करा रहा अमेरिकी गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। पुणे के पिंपरी-चिंचवड क्षेत्र में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक अमेरिकी नागरिक और उसके सहयोगी को कथित तौर पर स्थानीय निवासी को पैसा का लालच देकर ईसाई धर्म में परिवर्तन के लिए प्रेरित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इस घटना में एक नाबालिग भी शामिल था, नाबलिग को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। आरोपियों की पहचान कैलिफोर्निया निवासी शेफर जैविन जैकब (41) और पिंपरी चिंचवाड़ महानगर पालिका क्षेत्र निवासी स्टीवन विजय कदम (46) के रूप में हुई है। जैकब वर्तमान में पुणे में मुकाई चौक के पास रह रहा था। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता सनी बंसीलाल दानानी ने दावा किया कि जैकब और कदम ने 27 जुलाई को उसके घर आकर उसका धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की। पुलिस ने बताया, ''उन्होंने (आरोपियों ने) दावा किया कि ईसाई धर्म अपनाने से दानानी को शांति, समृद्धि मिलेगी और मानसिक रूप से भी स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। उन्होंने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से कहा कि ईसा मसीह ही एकमात्र ईश्वर हैं जबकि अन्य देवता और धर्म काल्पनिक हैं। इतना ही नहीं दोनों ने शिकायतकर्ता को धर्म परिवर्तन करने पर वित्तीय सहायता देने का वादा किया था। पुलिस ने दानानी की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

डेढ़ करोड़ के ड्रग्स मामले में दो आरोपियों को 15 साल की सजा और 2-2 लाख रुपए का जुर्माना

अहमदाबाद (एजेंसी)। यहां की विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने छह साल पुराने में डेढ़ करोड़ रुपए के ड्रग्स मामले में दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए 15 साल की सजा सुनाई है7 साथ ही रु. 2-2 लाख का जुर्माना भी लगाया7 सहायक लोक अभियोजक दिलीपसिंह ठाकोर ने मामले में मजबूत दलीलें दीं और विशेष एनडीपीएस कोर्ट ने आरोपियों को दोषी करार दिया। इसके अलावा अदालत ने आयकर विभाग को आरोपियों से प्राप्त नकदी के बारे में जानकारी देने का आदेश दिया है। पूरा मामला 26 सितंबर 2019 का जब क्राइम ब्रांच मजहर हुसैन तेजाबवाला और इम्तियाज शेख से 1.5 करोड़ रुपये की ड्रग्स सहित 2.01 करोड़ रुपये का सामान जब्त किया था। जांच के दौरान यह पाया गया कि ये दोनों आरोपी मुंबई के डोंगरी इलाके के कुख्यात ड्रग डीलर असफाक बावा से ड्रग्स लेते थे। इसी मामले में क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने मज़हर हुसैन तेजाबवाला और इम्तियाज़ शेख को गिरफ्तार किया था। इन दोनों आरोपियों के खिलाफ विशेष एनडीपीएस कोर्ट में मामला चल रहा था और कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दोषी पाते हुए 2-2 लाख रुपये का जुर्माना और 15 साल कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आयकर विभाग को आरोपियों से मिली नकदी की जानकारी देने का आदेश दिया है। इस सुनवाई के दौरान सहायक लोक अभियोजक दिलीप सिंह ठाकोर ने मजबूत दलीलें दीं।

श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने गए 5 मछुआरों को पकड़ा, नाव भी की जब्त

चेन्नई (एजेंसी)। श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार तड़के कच्छतीवू द्वीप से पांच तमिल मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार कर श्रीलंकाई जल सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप है। स्थानीय मछुआरा संघ के मुताबिक ये मछुआरे सोमवार रात एक नाव से कच्छतीवू के पास मछली पकड़ रहे थे। तभी श्रीलंकाई नौसेना की गश्ती दल ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। नौसेना ने उनकी नाव को भी जब्त कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि गिरफ्तार किए गए मछुआरों को श्रीलंका के कंकेसनथुरई या तलाईमन्नार ले जाया गया, जहां उन्हें स्थानीय अधिकारियों को सौंपा जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना हाल के दिनों में ऐसी कई घटनाओं में से एक है, जिसमें तमिलनाडु के मछुआरों को श्रीलंकाई जल सीमा में मछली पकड़ने के आरोप में पकड़ा है। जुलाई में भी रामेश्वरम के सात मछुआरों को इसी तरह गिरफ्तार किया गया था। और उनकी नाव भी जब्त कर ली थी। इससे पहले फरवरी में श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और पांच नाव भी जब्त की थीं।

औवेसी ने भारत-पाक मैच पर सवाल उठाते हुए कहा- जब रास्ते और व्यापार तक बंद, फिर क्रिकेट मैच क्यों?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भारत और पाकिस्तान के बीच प्रस्तावित क्रिकेट मुकाबले पर सख्त एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के महज पांच महीने बाद भारत को पाकिस्तान के साथ मैदान साझा करना स्वीकार नहीं है। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हो रही चर्चा के दौरान सांसद ओवैसी ने केंद्र सरकार से तीखे सवाल किए। उन्होंने कहा, कि जब पाकिस्तान के जहाज हमारे आसमान में नहीं आ सकते, उनकी कश्ती हमारे पानी में नहीं आ सकती, व्यापार बंद है, तो क्रिकेट मैच क्यों? उन्होंने जोर देकर कहा कि हम कहते हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो क्या क्रिकेट और खून एक साथ बह सकते हैं? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकियों के सफाए का मतलब यह नहीं कि भारत को पाकिस्तान के साथ सामान्य कूटनीतिक या सांस्कृतिक संबंध तुरंत बहाल कर लेने चाहिए। ओवैसी भावुक हो कहते दिखे, कि मेरा जमीर मुझे उस मैच को देखने की इजाजत नहीं देता। उन्होंने कहा क्या आपके पास इतनी नैतिक ताकत है कि आप पहलगाम हमले में मारे गए 25 पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक के परिवारों को जाकर कहें कि अब हम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं? उन्होंने कहा कि यह शहीदों की शहादत का अपमान होगा।

चिराग पासवान का यू-टर्न, नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा एनडीए.. फिर बनेगी नीतीश सरकार

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और एनडीए सहयोगी चिराग पासवान ने कहा कि नीतीश कुमार साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले है। केंद्रीय मंत्री पासवान ये यू-टर्न लिया है क्योंकि वे लगातार बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर सीएम नीतीश की आलोचना कर रहे हैं। लोजपा (रामविलास) प्रमुख की टिप्पणी नीतीश कुमार सरकार का समर्थन करने पर अफसोस जताने के दो दिन बाद आई है, जिस पर उन्होंने आरोप लगाया था कि उसने अपराधियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

पासवान ने कहा कि एनडीए गठबंधन का सहयोगी होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि अगर सरकार में किसी मुद्दे के बारे में कोई जानकारी है, तब हमें उस पर चर्चा करनी होगी और सुधार करना होगा... हम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं और चुनाव जीतने के बाद वह फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले ...बिहार में एनडीए एकजुट है।

उन्होंने कहा कि एक ईमानदार सहयोगी होने के नाते, क्या मुझे सिर्फ उन्हीं सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिन पर मैं चुनाव लड़ रहा हूँ? फिर मैं कैसा सहयोगी हूँ? क्या मुझे 243 सीटों पर प्रचार नहीं करना चाहिए? अगर वे (विपक्ष) मेरी बात पूरी तरह सुन लें, तब उनके इरादे शांत हो जाएँगे। बिहार के हाजीपुर से सांसद पासवान ने कहा कि एनडीए चुनावों के लिए एक विजयी गठबंधन है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

उन्होंने कहा कि मैंने कई बार कहा हैं कि मेरी प्रतिबद्धता और प्रेम प्रधानमंत्री के प्रति है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में (बिहार में) चुनाव लड़े जाएँगे। चुनाव परिणामों के बाद, नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले है।

हिंदू का मतलब दूसरे धर्म या समुदाय का विरोध या उन पर हमला करना नहीं

-संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कट्टर हिंदू विवाद पर बोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने केरल में एक कार्यक्रम में कट्टर हिंदू की परिभाषा को लेकर उठ रहे विवादों पर कहा कि कट्टर हिंदू का मतलब किसी अन्य धर्म या समुदाय का विरोध करना या उनपर हमला करना नहीं है। यह गलत धारणा है। सच्चा हिंदू वह है जो सभी को साथ लेकर चलता है और सभी धर्मों का सम्मान करता है। भागवत ने कहा कि हिंदुत्व का मूल स्वभाव समावेशी है, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा सभी को अपनी आस्था के मुताबिक पूजा करने की आजादी देती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हिंदुत्व को गलत तरीके से पेश करते हैं, जिससे समाज में तनाव पैदा होता है। उन्होंने हिंदुओं से अपील की कि वे अपनी संस्कृति को समझें और इसे दूसरों के खिलाफ इस्तेमाल करने के बजाय एकता का प्रतीक बनाएं। भागवत ने गाय संरक्षण के नाम पर हिंसा करने वालों को गलत बताया। उनका मानना है कि ऐसा करने वाला सच्चा हिंदू नहीं है। उन्होंने भारत की 140 करोड़ आबादी को एकजुट करने की बात कही और कहा कि हिंदुत्व का लक्ष्य किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी के साथ मिलकर देश को मजबूत करना है। भागवत के इस बयान को आरएसएस की समावेशी छवि को मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। यह बयान देश में चल रहे धार्मिक और सामाजिक तनावों के बीच एक अहम संदेश है। उन्होंने कहा कि अपने स्वत्व पर देश खड़ा हो गया, तो क्या चमत्कार होता है, ये हमने पिछले 11 साल में देखा है। हमको आने वाले 10 साल में ये देखना है कि हम विदेशी प्रभाव से सम्पूर्ण मुक्त कैसे होते हैं। नीति कैसी हो ये हम बोल नहीं रहे, हम बोल रहे है कि छोटी छोटी बातें क्या हो, वो हम कर रहे हैं। उसके आधार पर प्रतिमान खड़े कर रहे है और नीति में क्या है क्या नहीं, इसका विचार ना करते हुए उसके परिणाम देखकर सामान्य लोग इसको स्वीकार कर रहे हैं।

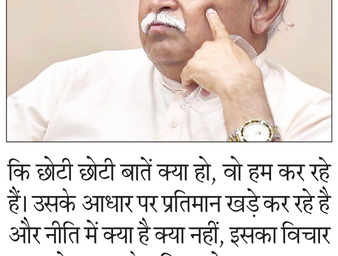

एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर का ड्रग पार्टी मामला, मेडिकल रिपोर्ट में हुई पुष्टि

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर पुणे में एक कथित ड्रग पार्टी में शामिल पाए गए हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पार्टी से नशीले पदार्थ, हुक्का और शराब जब्त की। मेडिकल रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि हुई है कि खेवलकर और एक अन्य व्यक्ति ने शराब का सेवन किया था। खडसे के दामाद खेवलकर खुद को एक उद्यमी, समाजसेवी, डॉक्टर और निर्माता बताते हैं। उनकी प्रोफ़ाइल के अनुसार, उन्होंने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस समर प्रोडक्शंस के तहत अपना पहला संगीत वीडियो ना होना तुमसे दूर लांच किया है। वे चीनी उद्योग, बिजली उद्योग और इवेंट मैनेजमेंट में भी सक्रिय रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार तड़के लगभग साढ़े तीन बजे पुलिस की अपराध शाखा ने छापेमारी की और स्टूडियो अपार्टमेंट में एक ''ड्रग पार्टी'' का भंडाफोड़ किया था। आरोपियों की हिरासत का अनुरोध करते हुए अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि छापेमारी में कोकीन और गांजा जैसे मादक पदार्थ जब्त किए गए थे।

महबूबा के पाकिस्तानी प्रेम पर, उमर का कटाक्ष... पाकिस्तान से प्रेम रखने वाले खत्म हो रहे

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की सियासत में फिर पाकिस्तान से बातचीत का मुद्दा गर्मा गया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने पाकिस्तान से संवाद की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग सम्मान के साथ शांति चाहते हैं और भारत को युद्ध नहीं, बल्कि बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए।

महबूबा ने कहा, 'अगर भारत को तरक्की करनी है, तब जंग की बात बंद कर पाकिस्तान से चर्चा करनी होगी।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करके कश्मीर मुद्दे को हल करें। पूर्व सीएम महबूबा ने कहा कि जब पाकिस्तान से संवाद की बात होती है, तब कश्मीरियों को देश की विदेश नीति में हस्तक्षेप न करने की नसीहत दी जाती है, जबकि कश्मीर ही वह इलाका है जो दशकों से संघर्ष झेलता रहा है।

महबूबा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार हथियारों की दौड़ में लगी है, जबकि देश को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे असली मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट पर भी उन्होंने कहा कि खेल को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए और भारत का हिस्सा लेना स्वागत योग्य है।

लेकिन महबूबा के इन बयानों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और सीएम उमर अब्दुल्ला ने बिना नाम लिए कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि ÷जो लोग पाकिस्तान से बातचीत का समर्थन करते हैं, वहीं अब कमजोर हो रहे हैं।÷ उनका स्पष्ट इशारा इस ओर था कि लगातार संवाद की मांग करके भारत की सख्त नीति कमजोर पड़ती है। उमर का मानना है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाता, तब तक कोई भी संवाद निरर्थक है। राजनैतिक जानकार मानते हैं कि यह सियासी बयानबाज़ी दोनों दलों की रणनीति का हिस्सा है। एक ओर महबूबा संवाद की राजनीति के ज़रिए अपने पारंपरिक जनाधार को साधना चाहती हैं, वहीं उमर अब्दुल्ला भारत समर्थक रुख लेकर राष्ट्रीय धारा में अपनी पार्टी की साख बनाए रखना चाहते हैं।

सांसद पप्पू यादव बोले- पहलगाम हमले के चार आतंकी नहीं पकड़ सके मतलब देश सुरक्षित हाथों में नहीं

-सुरक्षा नीति पर उठाए गंभीर सवाल

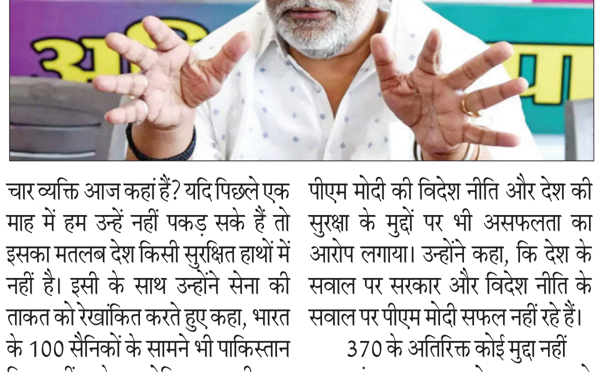

बेंगलुरु (एजेंसी)। पूर्णिया, (ईएमएस)। संसद का मानसून सत्र चल रहा है और इस दौरान लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा जारी है। चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया भाषण पर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने तीखा हमला बोला और सवाल करते हुए कहा, कि वे चार लोग आज कहां हैं, यदि वे 1 माह में भी पकड़े नहीं गए तो इसका मतलब है कि देश सुरक्षित हाथों में नहीं है।

सांसद पप्पू यादव ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल किया कि पाकिस्तान को चीन और अमेरिका से कितनी सैन्य ताकत मिल रही, इसे स्पष्ट किया जाए। इसी के साथ उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जहां सरकार को घेरा वहीं उन्होंने सुरक्षा नीतियों पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, कि वो चार व्यक्ति आज कहां हैं? यदि पिछले एक माह में हम उन्हें नहीं पकड़ सके हैं तो इसका मतलब देश किसी सुरक्षित हाथों में नहीं है। इसी के साथ उन्होंने सेना की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा, भारत के 100 सैनिकों के सामने भी पाकिस्तान टिक नहीं सकेगा, लेकिन असली मुद्दा चीन द्वारा पाकिस्तान को नई तकनीक और समर्थन देना है, लेकिन सरकार इस पर बात नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, कि सत्यता कहीं दिखाई नहीं दी। सच बोलने की हिम्मत होनी चाहिए। पप्पू यादव ने पीएम मोदी की विदेश नीति और देश की सुरक्षा के मुद्दों पर भी असफलता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कि देश के सवाल पर सरकार और विदेश नीति के सवाल पर पीएम मोदी सफल नहीं रहे हैं।

370 के अतिरिक्त कोई मुद्दा नहीं

सांसद पप्पू यादव ने धारा 370 को लेकर केंद्र सरकार को घेरा और कहा कि इस सरकार के पास धारा 370 के अलावा लंबे समय से कोई और मुद्दा ही नहीं रहा है, और सच यह है कि धारा 370 हटाए जाने के बाद से ही कश्मीर में हमले बढ़े हैं।

पहले टैरिफ अब नौकरियों के नाम पर टेंशन दे रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, भारतीयों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले टैरिफ के नाम पर दुनिया को टैंशन में डाला अब नौकरियों के नाम पर डराने का काम कर रहे हैं। ट्रंप ने कई पॉलिसी में बदलाव किया है। अमेरिका में वीजा प्रतिबंधों और लोकल प्रोफेशनल्स की हायरिंग पर जोर ने भारतीय युवाओं के लिए विदेशी नौकरियों के अवसरों को सीमित कर दिया है। इससे गूगल में नौकरी मिलना मुश्किल हो सकता है। हालांकि चुनौतियों के बीच भारत में नए अवसर भी बन रहे हैं। ग्लोबल कंपनियां अब भारत में ही अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स खोल रही हैं, जिससे देश के अंदर ही युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोजेक्ट्स पर काम करने का मौका मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान एच-1बी जैसे वीजा प्रोग्राम्स को लेकर सख्ती बढ़ गई है, जिससे अमेरिकी कंपनियों को विदेशी टैलेंट हायर करने में दिक्कतें आने लगी हैं। इससे भारतीय इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स पर सीधा असर पड़ा है। टीसीएस, इन्फोसिस, विप्रो जैसी टॉप लेवल की आईटी कंपनियां बड़ी संख्या में भारतीय युवाओं को अमेरिका भेजती थीं। डोनाल्ड ट्रंप की नई नीतियों और लगातार आते स्टेटमेंट के चक्कर में उन्हें भी नई रणनीति बनानी पड़ी। बता दें कि ग्लोबल टेक्नोलॉजी लैंडस्केप में भारत दुनिया के सबसे बड़े आईटी टैलेंट हब के रूप में उभर कर सामने आया है। आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों से हर साल हजारों होनहार इंजीनियर और मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स निकलते हैं। ये सभी दुनिया की टॉप कंपनियों में नौकरी का सपना देखते हैं। ज्यादातर लोगों का लक्ष्य एपल, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी ग्लोबल कंपनियों में प्लेसमेंट की तैयारी करते हैं। लेकिन हाल ही में अमेरिका में बढ़ती प्रोटेक्शनिज्म नीतियों ने भारतीय आईटी क्षेत्र के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

आईटी सेक्टर में यह बदलाव भारत को ग्लोबल टेक्नोलॉजी पावरहाउस बनाने की दिशा में मजबूत कदम है। अब जरूरी है कि स्टूडेंट्स सिर्फ विदेश में नौकरी पर निर्भर न रहकर देश में मौजूद खास अवसरों का भी भरपूर फायदा उठाएं। विदेश में हायरिंग में मुश्किलें बढ़ने के बाद कंपनियां अब भारत में ही अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स खोलने पर फोकस कर रही हैं। माइक्रोसोफ्ट, गूगल अमेजोन जैसी दिग्गज कंपनियां भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के जरिए आर एंड डी, एआई, क्लाउड जैसे अल्ट्रा-मॉडर्न सेक्टर्स में काम कर रही हैं। इससे भारत के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स के लिए देश में ही हाई-पेइंग नौकरियों के मौके बढ़ गए हैं। उन्हें खास प्रोजेक्ट के लिए विदेश भेजा जा सकता है। आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों के प्लेसमेंट पर भी अमेरिकी पॉलिसी का असर देखने को मिल रहा है। जहां पहले बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स को विदेशी कंपनियों में अच्छी सैलरी वाली नौकरी का ऑफर मिलता था, वहीं अब कंपनियां भारत में ही अच्छे पैकेज ऑफर कर रही हैं। इसका पॉजिटिव पहलू यह है कि अब टैलेंट ब्रेन ड्रेन के बजाय देश में ही काम कर रहा है, जिससे इकोनॉमी को भी मजबूती मिल रही है। भारतीय युवाओं को अपनी स्किल्स लगातार अपडेट करनी होंगी।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि ली। पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पत्थरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलइमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 5025

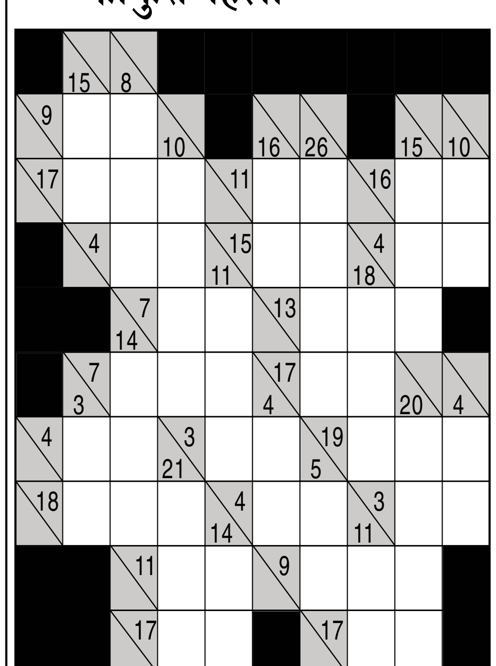

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

■	11 / 7	1	2	3	5
	1	1+2+3+4+5+6=21			
	2	1+2+3+4+5+7=22			
	4	3+5+6+7+8+9=38			
		4+5+6+7+8+9=39			

काकुरो - 5024 का हल

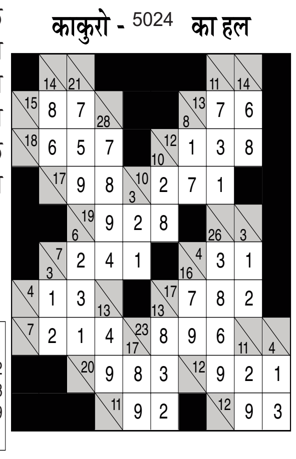

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5025

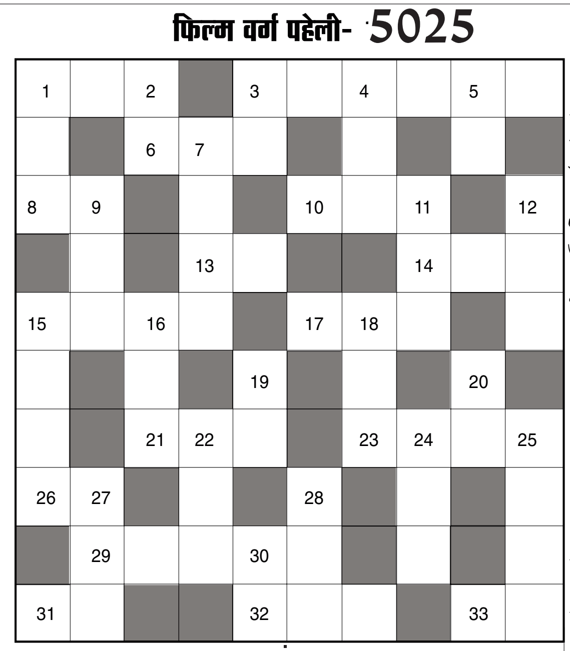

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5024

घा	त	■	स	फ	र	■	आ	क्रो	श
य	■	■	फा	■	ह	मे	शा	■	
ल	व	स्टो	री	■	मा	ला	■	अं	■
■	ही	■	■	आ	न	■	आ	जा	द
अं	दा	ज	■	ई	■	सं	ग	म	■
गा	■	या	र	ना	■	सा	■	■	खु
रे	खा	■	ज	■	स	र	फ	रो	श
■	मो	■	■	सु	र	■	रा	■	बू
आ	शी	र्वा	द	■	ग	द	र	■	■
र्मी	■	■	स	न	म	■	■	यु	वा

सूडोकु 5025

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5024 हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्द पहेली -5025

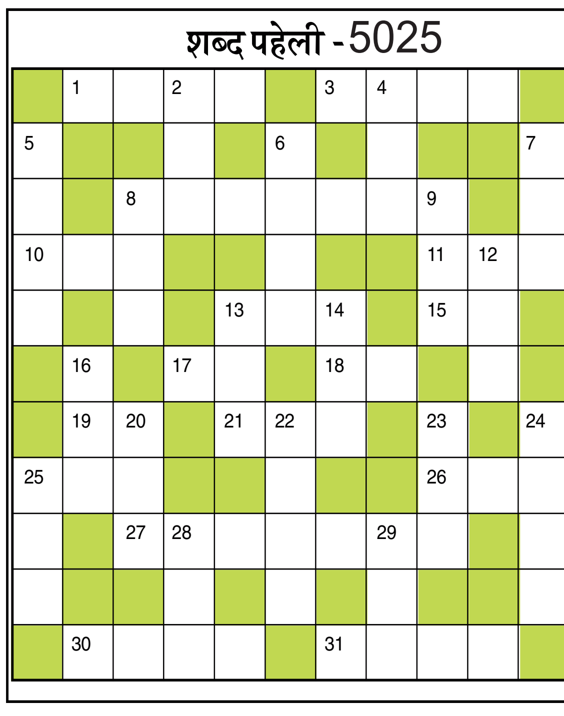

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -5024 का हल

अ	मा	न	त	■	अ	■	बी	र	ब	ल
■	ला	■	वा	■	म	हि	मा	■	ल	व
म	■	■	य	की	न	■	र	■	■	कु
त	क	ली	फ	■	चै	त्र	■	क	ल	श
वा	■	ड	■	रा	न	■	गै	■	ह	■
ला	प	र	वा	ह	■	का	र	गु	जा	री
■	र	■	दा	■	अ	स्त	■	मा	■	मा
प्र	ख	र	■	पा	प	■	म	न	च	ला
जा	■	■	शा	■	ह	न	न	■	■	गू
प	र	■	पि	ह	र	■	ह	■	शा	■
ति	जा	र	त	■	ण	■	र	ह	म	त

हम आतंकवादी नहीं, मुसलमान हैं, पहलगाम में आतंकियों ने हमला नहीं किया, तृणमूल विधायक के बिगड़े बोल

एजेंसी

कोलकाता। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर तृणमूल कांग्रेस विधायक सावित्री मित्रा का बयान सियासी विवाद का सबब बन गया है। मालदा के मानिकचक से विधायक मित्रा ने कहा है कि आतंकवादी कभी पर्यटकों को नुकसान नहीं पहुंचाते, वे हमेशा उनका सम्मान करते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि आतंकियों ने पहलगाम में हमला नहीं किया। इस बयान के बाद भाजपा और हिंदू संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे आतंक का खुला बचाव बताया है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इस बयान को देश और शहीदों का अपमान बताते हुए कहा, जब पूरा देश गम में है, तब तृणमूल विधायक उन्हें क्लीन चिट दे रही हैं जो हमारे लोगों की हत्या कर रहे हैं। क्या यह ममता बनर्जी की पार्टी की आधिकारिक लाइन है? यह न केवल शर्मनाक है, बल्कि राष्ट्रविरोधी भी है। सावित्री मित्रा का जो वीडियो सामने आया है उसमें वह कहती नजर आ रही हैं कि हम आतंकवादी नहीं हैं, मुसलमान हैं। इस पर पलटवार करते हुए अमित मालवीय ने कहा है कि टीएमसी तुष्टिकरण की हद पार कर चुकी है। यह पहली बार नहीं है जब सावित्री मित्रा अपने बयानों को लेकर विवादों में घिरी हैं। तीन जुलाई को मालदा में एक पार्टी बैठक के दौरान उन्होंने कहा था, हमें इस्लाम सबसे प्रिय है।

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

रांची। रांची के पंडरा ओपी पुलिस ने केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के मोबाइल नंबर 9431105882, 6209401932 एवं 9431706452 से मैसेज एवं कॉल के माध्यम से जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम नित्यानन्द पाल है। इसके पास से घटना में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन बरामद किया गया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रेस वार्ता में बताया कि 26 जुलाई को वरीय अधिकारियों के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के मोबाइल पर मैसेज एवं कॉल के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गयी। इस संबंध में थाना में पण्डरा ओपी में सनहा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। छापेमारी टीम ने तकनीकी सहायता से केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री को जान से मारने की धमकी देने वाले मोबाइल न० 6209401932 एवं 9431706452 के धारक नित्यानन्द पाल को धनबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया। आरोपित नित्यानन्द पाल ने अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि अक्सर वे बड़े-बड़े लोगों को फोन पर धमकी देकर पैसा ऐंठने का काम करता है। साथ ही वह नशे में अक्सर किसी न किसी को फोन पर धमकी देता रहता था।

ममता बनर्जी बांग्ला भाषियों के नाम पर चुनावी कार्ड खेल रही हैं : मिलिंद परांडे

नागपुर। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केन्द्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बांग्ला भाषियों के नाम पर चुनावी कार्ड खेल रही हैं। उन्होंने कहा कि परांडे बांग्ला भाषियों के मुद्दे की आड़ में ममता दीदी अपना वोट बैंक बचाने में लगी हुई हैं। मिलिंद परांडे विहिप के नशा मुक्ति अभियान के बारे में नागपुर के धंतोली में स्थित विहिप कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अवैध बांगलादेशी घुसपैठियों और चुनाव आयोग द्वारा बिहार में जारी एसआईआर से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान (एसआईआर) के बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं। विपक्ष लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि देश से अवैध बांगलादेशी घुसपैठियों को हटाने कि मुहिम के चलते ममता बनर्जी घबराई हुई हैं। नतीजतन वह इस मुद्दे को भाषा के साथ जोड़ कर बांग्ला अस्मिता को हवा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि ममता ने आज पश्चिम पंगाल के बोलपुर में रैली कर बांग्ला कार्ड खेला है।

हरियाणा के राज्यपाल ने राष्ट्रपति से शिष्टाचार मुलाकात की

नई दिल्ली। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। प्रो. घोष ने 21 जुलाई को हरियाणा के 19वें राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण की है। मुलाकात के दौरान उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष भी साथ रहीं। प्रो. घोष ने एक बयान में कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मु के साथ हरियाणा की वर्तमान स्थिति के बारे में चर्चा की।

राष्ट्रपति ने विशेष रूप से सामाजिक कल्याण, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने पर बल दिया और प्रदेश की प्रगति के लिए मूल्यवान सुझाव साझा किए। राज्यपाल ने कहा कि वे राष्ट्रपति के मार्गदर्शन से बहुत प्रभावित हुए हैं।

सुप्रिया सुले ने पीएम मोदी को सराहा, किरेन रिजिजू ने कहा, 'यह लोकतंत्र की खूबसूरती है'

एजेंसी

नई दिल्ली। एनसीपी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान बोलते हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद गठित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में विपक्ष के नेताओं को जगह देने के लिए पीएम मोदी की सराहना की। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले के संबोधन का वीडियो शेयर करते हुए इसे लोकतंत्र की खूबसूरती बताया। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, यही हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती है। राहुल गांधी को भी प्रधानमंत्री पीएम मोदी और उनकी सरकार की मंशा की सराहना करनी चाहिए। बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा, ÷जब राष्ट्रीय कर्तव्य की बात

आती है तो सबसे पहले देश, फिर राज्य, फिर पार्टी और फिर परिवार आता है। प्रधानमंत्री मोदी ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए विपक्षी नेताओं को नियुक्त करके बड़ा दिल दिखाया है। सुप्रिया सुले ने आगे कहा, 'जब तक आप उन आतंकवादियों को नहीं पकड़ लेते, तब तक 'ऑपरेशन सिंदूर' सफल नहीं है। जब तक आप आतंकवादियों को नहीं पकड़ लेते, तब तक इसका जश्न नहीं मनाया जा सकता। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी चर्चा के दौरान अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, " अपने सशस्त्र बलों को बधाई देता हूं। उन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाया है। आतंकी शिविर को नष्ट करना सबसे बड़ी उपलब्धि थी। पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और उनके डीप स्टेट भारत को कमजोर करना चाहते हैं। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस चल रही है और मंगलवार 29 जुलाई को राज्यसभा में भी इसी तरह की बहस होनी है। संसद ने चर्चा के लिए प्रत्येक सदन में 16 घंटे का समय निर्धारित किया है। लोकसभा की तरह ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राज्यसभा में भी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करेंगे।

असम के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों संग की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री और केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री से मुलाकात की और राज्य से जुड़े विकासात्मक मुद्दों पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात कर मार्घेरिटा स्थित कोल इंडिया की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय, सशक्त और उत्पादक बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की। इसके अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। उन्होंने वित्त मंत्री को असम के गहपुर में प्रस्तावित 'कनकलता बरुवा विश्वविद्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। यह विश्वविद्यालय असम की महान स्वतंत्रता सेनानी और वीरांगना कनकलता बरुवा को समर्पित होगा। यह देश के उन पहले उच्च शिक्षण संस्थानों में से एक होगा, जो पूरी तरह से उद्योगोन्मुखी शैक्षणिक दृष्टिकोण

पर आधारित होगा। यह संस्थान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और रोबोटिक्स जैसे अत्याधुनिक विषयों में शिक्षा प्रदान करेगा और तकनीकी युग के अनुरूप विद्यार्थियों को दक्ष बनाएगा।

25 दिन में 3 लाख 83 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने की अमरनाथ यात्रा

एजेंसी

श्रीनगर । अमरनाथ यात्रा में अब तक 3.83 लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल हो चुके हैं। इस वार्षिक तीर्थयात्रा के समापन में अब 12 दिन शेष रह गए हैं। इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा में अत्यधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुचारू वातावरण में हो रही है। श्रद्धालु काफी उत्साहित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को 1,490 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से दो सुरक्षा काफिलों में कश्मीर के लिए रवाना हुआ। इनमें से, 327 तीर्थयात्रियों को लेकर 16 वाहनों का पहला काफिला सुबह 3.25 बजे बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ, जबकि 1,163 यात्रियों को लेकर 45 वाहनों का दूसरा काफिला सुबह 3.57 बजे पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। इस दिन, 'नाग पंचमी' के अवसर पर, श्रीनगर के अमरेश्वर मंदिर में भगवान शिव की पवित्र छड़ी (छड़ी मुबारक) का 'छड़ी पूजन' मनाया जा रहा है। पवित्र गुफा मंदिर की ओर छड़ी मुबारक की अंतिम यात्रा 4 अगस्त को शुरू होगी। 'छड़ी मुबारक' को पारंपरिक रूप से श्रीनगर शहर के बुद्धशाह चौक क्षेत्र में दशनामी अखाड़ा भवन में

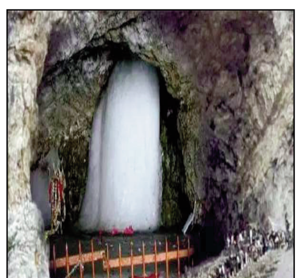

अमरेश्वर मंदिर के अंदर रखा जाता है। छड़ी मुबारक की यात्रा ही अमरनाथ यात्रा के स्थलों का निर्धारण करती है। यह 4 अगस्त को श्रीनगर के अमरेश्वर मंदिर से अमरनाथ गुफा मंदिर की ओर अपनी अंतिम यात्रा शुरू करेगी और 9 अगस्त को पवित्र गुफा मंदिर पहुँचेगी, जो यात्रा का आधिकारिक समापन होगा। अपने मुख्य स्थान से पवित्र गुफा मंदिर तक की यात्रा के दौरान, छड़ी मुबारक के अपने अंतिम गंतव्य, पवित्र गुफा मंदिर पहुंचने से पहले, रास्ते में पंपोर, बिजबेहरा, मट्टन और पहलगाम में पारंपरिक पूजा आयोजित की जाएगी।अधिकारियों ने इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा के लिए व्यापक बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है, क्योंकि यह यात्रा 22 अप्रैल के कायराना पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने बैसरन मैदान में 26 निहत्थे लोगों की हत्या कर दी थी। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा संख्या बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियाँ तैनात की गई हैं। सेना ने इस वर्ष तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 8,000 से ज़्यादा विशेष कमांडो तैनात किए हैं।यह यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी और 38 दिनों के बाद 9 अगस्त को समाप्त होगी।

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर भड़के अमित शाह, कहा- इसलिए वो वहां बैठे हैं, अगले 20 वर्षों तक वहीं रहेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर बोल रहे थे। इस दौरान विपक्ष हंगामा करते हुए व्यवधान उत्पन्न कर रहा था। वहीं, विपक्ष के हंगामे को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भड़क गए। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें भारत के विदेश मंत्री पर नहीं, पाकिस्तान पर भरोसा है। इसलिए वे उधर बैठे हैं और अगले 20 वर्षों तक वहीं बैठने वाले हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मुझे इस बात पर आपत्ति है कि भारत देश की शपथ लिए हुए विदेश मंत्री यहां बोल रहे हैं, उन पर भरोसा नहीं है, बल्कि किसी और देश पर भरोसा है। मैं समझ सकता हूं कि उनकी पार्टी में विदेश का क्या महत्व है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी पार्टी की सभी बातें यहां सदन में थोपी जाएं। भारत के विदेश मंत्री पर भरोसा नहीं करोगे। यही कारण है कि वे वहां (विपक्षी बेंचों पर) बैठे हैं और अगले 20 वर्षों तक वहीं बैठने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा, जब उनके अध्यक्ष बोल रहे थे, तो हम उन्हें धैर्यपूर्वक सुन रहे थे। मैं आपको कल बताऊंगा कि उन्होंने

कितने झूठ बोले हैं। अब वे सत्य भी नहीं सुन पा रहे हैं। बैठे-बैठे सबको टोका-टाकी करना सबको आता है। ऐसा नहीं है कि हमें नहीं आता है। मगर, जब इतने गंभीर विषय पर चर्चा हो रही हो तो सरकार के प्रमुख विभाग के मंत्री को बोलते हुए टोकना क्या ये विपक्ष को शोभा देता है? अध्यक्ष जी, आप उन्हें समझाइए, वरना हम भी बाद में अपने सदस्यों को कुछ नहीं समझा पाएंगे। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लोकसभा में %ऑपरेशन सिंदूर% पर चर्चा के दौरान स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग है, खासकर जब यह पाकिस्तान से शुरू होता है। उन्होंने यह भी साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई। जयशंकर ने कहा, 22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई फोन कॉल नहीं हुई।

मंडी में फिर मची तबाही : फ्लैश फ्लड से दो लोगों की मौत, कई वाहन क्षतिग्रस्त

एजेंसी

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी में एक बार फिर तबाही मची है। लगातार बारिश के कारण फ्लैश फ्लड की घटना में मंगलवार को दो लोगों की जान चली गई। सोमवार रात से हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मंडी में भी भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। इसी बीच फ्लैश फ्लड की घटना हुई। फिलहाल जिला प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक, मंडी के जेल रोड इलाके में अपनी गाड़ियों को निकालने के लिए कुछ लोग नाले के पास पहुंचे थे। इसी दौरान वे फ्लैश फ्लड की चपेट में आ गए। दो लोगों के शवों को निकाला जा चुका है, जबकि एक व्यक्ति का शव गाड़ियों के बीच फंसे होने की संभावना है। तस्वीरों में नजर आया कि सड़कों

पर पानी और मलबा दरिया की तरह बह रहा है। मंडी में मूसलधार बारिश के चलते कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हैं। जेल रोड इलाके में पहाड़ों से पानी के साथ गाद और कीचड़ जैसा मलबा नीचे आया, जिसमें दर्जनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। मूसलाधार बारिश सोमवार रात करीब 11 बजे शुरू हुई और सुबह 4 बजे तक तेज हो गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक मंडी का जोनल अस्पताल है, जहां नाले ओवरफ्लो होने के कारण परिसर में पानी भर गया।फ्लैश फ्लड और भूस्खलन के कारण जिले में कई रास्ते बंद हुए हैं। गंभीर हालातों के बाद कुछ क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, 28 जुलाई की शाम तक राज्यभर में 200 सड़कें अवरुद्ध रहीं। 20 जून से 28 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश में 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। 90 मौतें सीधे तौर पर भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और बादल फटने जैसी घटनाओं के कारण हुईं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बाकी 74 मौतें इसी अवधि के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में हुईं।

निसार की उल्टी गिनती शुरू, 30 जुलाई को होगा लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह को 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से लॉन्च किया जाएगा। इसरो ने एक्स पोस्ट में बताया कि निसार उपग्रह अब लॉन्चिग के लिए तैयार है। इसे प्रक्षेपण यान जीएसएलवी- एफ16 सिस्टम में स्थापित कर दिया गया है। इसकी जांच हो चुकी है। प्रक्षेपण अगले दो दिन में होगा। जीएसएलवी -एफ16 के माध्यम से निसार उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया जाएगा जिसका लाइव प्रसारण 30 जुलाई शाम 5 बजकर 10 मिनट शुरू होगा। जीएसएलवी -एफ 16 का प्रक्षेपण पांच बजकर 40 मिनट पर होगा। निसार इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का संयुक्त मिशन है। निसार की मदद से धरती के हर क्षेत्र पर नजर रखना संभव हो सकेगा। यह सैटेलाइट 740 किलोमीटर की

ऊंचाई पर स्थापित होगा। यह एक अत्याधुनिक रडार सैटेलाइट है, जो बादलों और बारिश के बावजूद 24 घंटे पृथ्वी की तस्वीरें ले सकता है। इसका उद्देश्य बाढ़, ग्लेशियर, कोस्टल इरोजन (तटीय क्षेत्रों में होने वाला कटाव) जैसी प्राकृतिक घटनाओं पर नजर रखना और उसकी पूर्व जानकारी देना है।

पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा के पोस्टर ब्वॉय बन गए हैं राहुल गांधी: अनुराग ठाकुर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि हमने विश्व को साफ शब्दों में बता दिया है कि अब भारत के विरुद्ध आतंकवाद की किसी भी घटना को भारत पर हमला, भारत के विरुद्ध युद्ध माना जाएगा। भारत अपने तरीके से इन आतंकी हरकतों का जबाब देगा, भारत की तरफ आंख उठाकर देखने वालों को वह कीमत चुकानी होगी जिसका दर्द उनकी आने वाली नस्लों को भी होगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार का विरोध करते करते राहुल गांधी लीडर ऑफ ऑपोजिशन से लीडर ओपेजिंग भारत बन गए हैं। ख़ास बात यह है कि राहुल गांधी पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा के पोस्टर ब्वॉय

बन गए। उन्होंने कहा कि हम जिस पाकिस्तान और उसके आतंकवाद के विरुद्ध लड़ रहे थे राहुल गांधी उन्हें कवर फायर दे रहे थे। पाकिस्तानी सेना और पाकिस्तानी सरकार लश्कर-ए राहुल के बयानों को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रही थी। पहले लगा कि दिक्कत मोदी से है, बाद में पता चला कि दिक्कत मातृभूमि से भी है। जब देश के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भारत की आवाज बुलंद कर रहे थे। उस समय राहुल ऑक्यूपाइड कांग्रेस के लोग उन प्रतिनिधि मंडल और अपनी ही पार्टी के लोगों के खिलाफ माहौल तैयार कर रहे थे। अनुराग ठाकुर ने कहा, आजादी के बाद अगर कांग्रेस ने 20 बड़े ब्लंडर और सरेंडर न किए होते तो आज भारत न जाने कहां होता। उन्होंने कांग्रेस सरकार की 20 गलतियां गिनवाते हुए कहा कि 1948 में कश्मीर जैसे आंतरिक विषय को संयुक्त राष्ट्र ले जाकर 'सरेंडर' कांग्रेस ने किया। 1950 से 60 के दशक में अक्साई चिन को बंजर कहकर चीन की झोली में डालकर सरेंडर किसने किया? कांग्रेस ने किया। 1954 में, तिब्बत में भारत के अधिकारों को छोड़ दिया, बिना किसी लाभ के चीन के कब्जे को स्वीकार कर सरेंडर कांग्रेस ने किया। उन्होंने कहा कि 1958 में, नून-नेहरू समझौते के तहत, विरोध के बावजूद बेरुबारी को पूर्वी पाकिस्तान में स्थानांतरित कर सरेंडर कांग्रेस ने किया। 1960 में पंजाब में सरजा माजरा, रख हरदित सिंह, पठानके, सुलेमानके और चक लाधेके को पाकिस्तान को सौंप कर सरेंडर कांग्रेस ने किया। 1960 में सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को 174 मिलियन डॉलर (आज के हिसाब से 1.6 बिलियन डॉलर) का भुगतान कर सरेंडर कांग्रेस ने किया।

चीन-पाक गठजोड़ का इतिहास पुराना, 'कुछ नहीं करने वाले पूछ रहे, आपने ज्यादा क्यों नहीं किया' : विदेश मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चीन-पाक गठजोड़ पर अगाह किए जाने के मुद्दे संबंधित कांग्रेस नेताओं के दावों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दो मोर्चों पर लड़ाई का एक इतिहास है और यह बहुत पहले ही शुरु हो गई थी। इससे मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ नहीं करने वाले पूछ रहे हैं कि आपने ज्यादा क्यों नहीं किया। विदेश मंत्री ने लोकसभा में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा में भाग लिया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की सरकारों के दौरान

विदेश मोर्चे से जुड़ी कमजोरियां गिनाई। विदेश मंत्री ने कांग्रेस को चीन के विषय पर घेरा। उन्होंने आर्थिक पहलू का जिक्र करते हुए कहा कि 2006 में कांग्रेस सरकार चीन के साथ क्षेत्रीय व्यापार समझौता करने जा रही थी। 3जी और 4जी तकनीक चीन से ली गई जबकि हमारी सरकार के दौरान 5जी में स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया गया। डोकलाम के दौरान विपक्ष के नेता चीन के राजदूत से ब्रीफिंग ले रहे थे। पाकिस्तान और चीन के सीमा मुद्दे पर जयशंकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान विकास नहीं करने की नीति थी। हमने सीमा के विकास पर ध्यान दिया और वहां निर्माण कार्यों के लिए बजट को चार गुना कर दिया।विदेश मंत्री ने मालदीव और श्रीलंका का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मालदीव ने कांग्रेस सरकार के दौरान एयरपोर्ट निर्माण से भारतीय कंपनी को बाहर कर दिया था जबकि आज वह देश हमें एयरपोर्ट बनाने के लिए आंमत्रित कर रहा है। श्रीलंका में हंबनटोटा पोर्ट (चीन ने इसे लीज पर लिया) का निर्माण 2005-08 के बीच हुआ और उस समय की कांग्रेस सरकार ने इसे सही ठहराने की कोशिश की। विदेश मंत्री ने कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान भारत में हुए आतंकी हमलों के बाद पाकिस्तान के साथ वार्ता और उसके नतीजों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान ही कोई कार्रवाई नहीं को ही सर्वश्रेष्ट कार्रवाई माना जाता था। हम कुटनीति से लक्ष्य हासिल करने की बात करते थे और वे भी हासिल नहीं कर पाते थे। वार्ताओं के बाद पाकिस्तान को भी आतंक का शिकार माना गया और यहां तक की ब्लूचिस्तान तक का मुद्दा शामिल कर दिया गया।

कल्याण बेनर्जी ने प्रधानमंत्री को ट्रम्प के बयान पर घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बेनर्जी ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति के सीजफायर के दावे पर घेरा। उन्होंने पूछा कि आजतक उन्होंने इसका खंडन नहीं किया। लोकसभा में पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा शुरू हुई। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कल्याण ने 'बंगाली अस्मिता' के मुद्दे को छुआ। हालांकि यह सब सांकेतिक था। उन्होंने बंगला में अपनी बात रखी। उन्होंने कह कि आतंकवादी हमले पर जवाबी कार्रवाई और देश को बचाने का पूरा श्रेय सेना को जाता है। यह श्रेय किसी और का नहीं है। उन्होंने सवाल पूछा कि पहलाम हमले के दौरान बीएसएफ और सीआईएसएफ क्या कर रही थीं। उन्होंने सीजफायर पर सवाल खड़े किए और कहा कि हर कोई चाहता था कि पाकिस्तान को कुचल दिया जाए, लेकिन अचानक युद्धविराम किया गया। क्या आपने कभी सुना है कि कोई 90 रन के बाद यह कहकर चला जाए कि वह नहीं खेलेगा? तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बेनर्जी ने बंगाली में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ÷पीएम मोदी, आप अपने एक्स हैंडल पर एक बार भी ये क्यों नहीं पोस्ट कर पाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कुछ भी कहा वो ग़लत है... जैसे ही आप अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने खड़े होते हैं, आपकी लंबाई 5 फ़ीट रह जाती है और आपकी छाती 56 इंच से घटकर 36 इंच रह जाती है। आप अमेरिकी राष्ट्रपति से इतना डरते क्यों हैं? कल्याण बेनर्जी ने इस दौरान सवाल पूछा कि कैसे पहलगाम हमला हुआ ।

देश के प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने फिलिस्तीन के समर्थन में एकजुटता का किया प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रमुख मुस्लिम संगठनों ने फिलिस्तीन के समर्थन में एकजुटता का प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही भारत सरकार, विश्व समुदाय और संयुक्त राष्ट्र संघ से गाजा में इजरायल के जरिए भूखे प्यासे निहत्थे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर की जा रही बमबारी को रोकने और वहां पर शांति स्थापित करने की मांग की है। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि गाजा में चल रहे नरसंहार को तत्काल बंद किया जाना चाहिए और वहां पर भूख-प्यास से मर रहे लोगों की जिंदगियों को बचाने के लिए राहत सामग्री को पहुंचाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। यहां प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अमीर सआदतउल्लाह हुसैनी, मरकज़ी जमीअत अहले हदीस के अमीर असगर अली इमाम सल्फी मेंहदी, जमीअत उलमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना हकीमउद्दीन कासमी, शिया जामा मस्जिद के इमाम सैयद मोहसिन तकवी सहित विभिन्न मुस्लिम संगठनों के जिम्मेदारों ने भाग लिया। मुस्लिम संगठनों ने संयुक्त बयान में गाजा में गहराते मानवीय संकट पर गंभीर चिंता जतायी। उन्होंने भारत सरकार से इजरायल की जारी आक्रामकता को रोकने में अधिक दृढ़ और नैतिक रूप से साहसी भूमिका निभाने का आह्वान किया है। मीडिया को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने गाजा की स्थिति को अभूतपूर्व मानवीय आपदा बताया तथा चेतावनी दी कि अकाल अत्यंत सन्निकट है जो विनाश का कारण बनेगा। उन्होंने कहा कि गाजा भूख से मर रहा है। समय पर कार्रवाई न करना एक ऐतिहासिक अपराध होगा। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि मानवीय सहायता अवरुद्ध होने और गजा के बुनियादी ढांचे के नष्ट होने के कारण 20 लाख से अधिक निवासी बड़े पैमाने पर भुखमरी, चिकित्सा प्रणालियों के पतन और अनिवार्य सेवाओं के पूर्ण अभाव का सामना कर रहे हैं। 90 फीसद से ज़्यादा अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा केंद्र बमबारी से तबाह हो चुके हैं या बंद पड़े हैं। वक्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के हालिया रुख को सराहा, जिसमें उसके स्थायी प्रतिनिधि द्वारा युद्ध विराम का आह्वान किया गया है और मानवीय आपातकाल पर जोर दिया गया है। वक्ताओं ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने देश के हालिया बयान का स्वागत करते हैं जिसमें एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राज्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और तत्काल युद्धविराम के आह्वान की पुष्टि की गई है। यह एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने मानवीय गलियारों को तुरंत खोलने और भारत से इजरायल के साथ सभी सैन्य और रणनीतिक सहयोग तब तक स्थगित करने का आह्वान किया जब तक कि युद्ध समाप्त न हो जाए। भारत को उत्पीड़ितों के साथ खड़े होने की एक गौरवशाली विरासत मिली है।

इंग्लैंड-भारत टेस्ट के दौरान पाकिस्तानी फैन की टी-शर्ट को लेकर खड़ा हुआ विवाद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। लंकाशायर ने कहा है कि वे उस घटना की जांच कर रहे हैं जिसमें ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड और भारत के बीच चौथे टेस्ट मैच में एक प्रशंसक को अपनी पहनी हुई पाकिस्तानी शर्ट को ढकने के लिए कहा गया था। पाकिस्तानी मीडिया में फारुख नजर नाम से मशहूर इस प्रशंसक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उससे मैदान पर मौजूद सुरक्षा स्टाफ के एक सदस्य ने अनुरोध किया है कि वह अपनी टी-शर्ट को ढक दे, जो पाकिस्तान की पारंपरिक हरे रंग की सीमित ओवरों की टी-शर्ट है।

खुद को लंकाशायर का कर्मचारी बताने वाला सुरक्षा गार्ड कहता है, 'नियंत्रण कक्ष ने मुझसे पूछा है कि क्या आप कृपया उस टी-शर्ट को ढक सकते हैं। बाद में एक प्रबंधक को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि टी-शर्ट %राष्ट्रवादी मानी जा सकती है%। वीडियो में नजर को बार-बार टी-शर्ट ढकने के अनुरोधों के कारण लगातार परेशान होते देखा जा सकता है। आखिरकार, एक पुलिस अधिकारी उसके पास आता है और उसे स्टैंड से दूर बातचीत जारी रखने के लिए कहता है। खबरों के मुताबिक नजर ने अपनी टी-शर्ट छिपाने के बजाय मैदान से बाहर जाने का फैसला किया।

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्षों से ठंडे पड़े राजनीतिक संबंध इस साल मई में दोनों देशों के बीच हुई एक संक्षिप्त सैन्य झड़प के बाद सबसे तनावपूर्ण रहे हैं। ये तनाव बीसीसीआई और पीसीबी के बीच संबंधों में भी उभरे हैं। दोनों पक्षों ने 2012-13 से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है और 2007-08 से कोई टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है। दोनों देशों द्वारा आयोजित आईसीसी आयोजनों में उनकी भागीदारी भी हाल ही में समस्याग्रस्त हो गई है, क्योंकि इस समस्या के एक मिश्रित समाधान के रूप में उनके मैचों के आयोजन के लिए एक तटस्थ स्थान को जोड़ा गया है।

यह स्पष्ट नहीं है कि ड्रॉ पर समाप्त हुए टेस्ट मैच के किस दिन यह घटना थी, लेकिन लंकाशायर ने पुष्टि की है कि वे इसकी जांच कर रहे हैं। लंकाशायर के प्रवक्ता ने कहा, 'हम संबंधित घटना से अवगत हैं और मामले से जुड़े तथ्यों और संदर्भ को पूरी तरह समझने के लिए कदम उठा रहे हैं।% हाल के वर्षों में लंकाशायर ने भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करने की खुलकर बात की है। इस मैदान पर स्थित द हंड्रेड टीम, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का 70त्न स्वामित्व संजीव गोयनका के आरपीएसजी समूह के पास जाने वाला है जो आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स का संचालन करता है। लंकाशायर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डैनियल गिडनी ने 100 गेंदों वाले इस टूर्नामेंट में बीसीसीआई को हिस्सेदारी देने का सुझाव दिया है।

दिव्या देशमुख की ऐतिहासिक जीत पर देशभर से बधाइयों की बौछार, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और आनंद समेत कई दिग्गजों ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2025 में भारत की युवा इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने इतिहास रचते हुए खिताब जीत लिया है। इस ऐतिहासिक जीत पर पूरे देश में उत्साह की लहर है। भारत की राजनीति, खेल और समाज के शीर्ष नेतृत्व ने दिव्या और उपविजेता कोनेरू हम्पी को बधाइयाँ दी हैं और भारतीय महिला शतरंज की इस उपलब्धि को 'स्वर्णिम युग' की शुरुआत बताया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, ÷एक ऐतिहासिक फाइनल जिसमें दो शानदार भारतीय शतरंज खिलाड़ी आमने-सामने थीं! 19 वर्ष की दिव्या देशमुख पर गर्व है जिन्होंने महिला विश्व शतरंज चैंपियन 2025 बनकर असाधारण उपलब्धि हासिल की। यह जीत कई युवाओं को प्रेरित करेगी। हम्पी ने भी पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त खेल दिखाया। दोनों को शुभकामनाएं।'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दिव्या को पहली भारतीय महिला विश्व कप विजेता बनने पर बधाई दी और हम्पी की स्थायी उत्कृष्टता की सराहना करते हुए कहा, 'दोनों भारतीय खिलाड़ियों का फाइनल में पहुँचना इस बात का प्रतीक है कि देश में विशेष रूप से महिलाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।'

नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस मौके को ÷एक गर्वित राष्ट्र का पल÷ बताया और लिखा, ÷दो भारतीय महिलाएं, एक विश्व मंच। दिव्या ने 19 साल की उम्र में जो हासिल किया, वह असाधारण है। हम्पी ने भी इस फाइनल को ऐतिहासिक बना दिया।'

भारत के पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने दिव्या को जीत, ग्रैंडमास्टर बनने और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान पक्का करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, 'यह मानसिक मजबूती की अद्भुत परीक्षा थी। हम्पी ने एक बार फिर दिखाया कि वह कितनी बड़ी चैंपियन हैं।' यह भारतीय शतरंज, खासकर महिला शतरंज का शानदार उत्सव था।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर को बड़ा झटका, टीम का प्रमुख सदस्य हुआ अलग

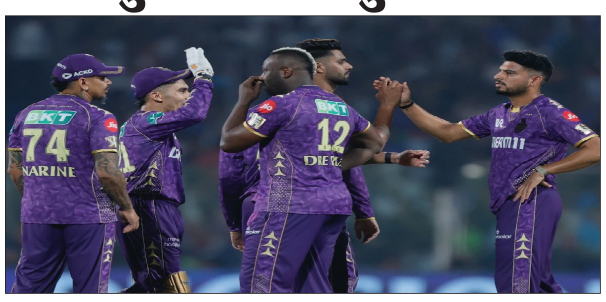

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के अगले सीजन को शुरू होने में अभी काफी समय बाकी है। इससे पहले आईपीएल 2024 की विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स को एक बड़ा झटका लग गया है। दरअसल, हेड कोच चंद्रकांत पंडित ने फेंचाइजी से अलग होने का फैसला कर लिया है। उन्हें अगस्त 2022 में टीम का हेड कोच नियुक्त किया था। पंडित ने ब्रेंडन मैकुलम की जगह ली थी। 2026 में अब वो इस टीम के लिए कोच की भूमिका नहीं निभाएंगे।

बता दें कि, आईपीएल 2025 में टीम का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम प्लेऑफ में भी जगह बनाने में सफल नहीं हो पाई थी। केकेआर ने 14 में से सिर्फ 5 मुकाबले जीते थे और अंक तालिका में आठवें पायदान पर रही थी। फैंस टीम के इस तरह के लचर प्रदर्शन से काी नाखुश थे।

केकेआर ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरि चंद्रकांत के टीम से अलग होने की वजह से बताई है। फेंचाइजी के मुताबिक, चंद्रकांत ने नए अवसर तलाशने के लिए ये निर्णय लिया है। फेंचाइजी ने अपने हेड कोच को विदा देते हुए लिखा। केकेआर ने लिखा कि चंद्रकांत पंडित अब केकेआर के हेड कोच के रूप में बरकरार नहीं रहेंगे। उन्होंने नए अवसर तलाशने का निर्णय लिया है। हम उनके योगदान के लिए आभारी हैं। खासकर 2024 में टीम को आईपीएल खिताब दिलाने और एक मजबूत, जुझारू टीम बनाने में मदद करने के लिए। उनकी नेतृत्व क्षमता और अनुशासन ने टीम पर गहरा असर छोड़ा है। हम उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

'पांचवें टेस्ट में जाने के लिए काफी आत्मविश्वास' : पार्थिव पटेल ने चौथे मैच में भारत की वापसी पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का मानना है कि मैच की शुरुआत में चुनौतियों का सामना करने के बावजूद भारत ने चौथे टेस्ट में सराहनीय प्रदर्शन किया। टीम के समग्र प्रदर्शन पर विचार करते हुए पार्थिव ने कहा कि इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान एक खास दौर को छोड़कर, वह ज़्यादा कुछ बदलना नहीं चाहेंगे।

उन्होंने कहा, 'भारत ने इस टेस्ट मैच में जिस तरह से खेला, उसे देखते हुए मैं ज़्यादा कुछ नहीं बदलना चाहूंगा लेकिन अगर आप पूछें कि क्या बेहतर किया जा सकता था, तो मैं कहूंगा कि दूसरे दिन इंग्लैंड की बल्लेबाजी का दौर।% उन्होंने कहा कि उस दौरान भारत की गेंदबाजी में तेजी और सटीकता की कमी थी। उन्होंने कहा, 'उस दौरान भारत की गेंदबाजी में निरंतरता की कमी थी और विकेट के दोनों ओर थोड़ी भटकाव था। यहीं पर कुछ सुधार संभव था।'

पार्थिव ने इंग्लैंड के पहली पारी के 669 रनों के पहाड़ के बाद कठिन परिस्थितियों में भारतीय टीम के जज्बे और दृढ़ता की सराहना की। उन्होंने कहा, 'बाकी, यह भारत के लिए एक बहुत अच्छा टेस्ट मैच रहा है, खासकर टॉस के बाद की स्थिति को देखते हुए। लगभग सब कुछ भारत के खिलाफ जाता दिख रहा था - जब भारत बल्लेबाजी करने गया, तो बादल छाए हुए थे; जब इंग्लैंड बल्लेबाजी के लिए उतरा, तो सूरज चमक रहा था, जिसने भारत के काम को और भी कठिन बना दिया।'

बाधाओं के बावजूद पार्थिव ने भारतीय टीम के जोशपूर्ण वापसी की प्रशंसा की, जो उनके अनुसार श्रृंखला के अंतिम मैच से पहले एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'फिर भी जिस तरह से भारत ने वापसी की, उससे पांचवें टेस्ट में जाने के लिए काफी आत्मविश्वास है।'

आखिरी दिन रवींद्र जडेजा ने नाबाद 107 रन और वाशिंगटन सुंदर ने नाबाद 101 रनों की पारी खेलकर अपना पहला शतक पूरा किया। दोनों की 203 रनों की अटूट साझेदारी ने भारत को मैच बचाने और अंतिम टेस्ट से पहले श्रृंखला को जीवंत रखने में मदद की। चार टेस्ट मैचों की समाप्ति के बाद भारत 1-2 से पीछे चल रहा है और पांच मैचों की श्रृंखला के आखिरी मुकाबले के लिए दोनों टीमें लंदन लौट रही हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया, 5–0 से टी20 सीरीज जीती

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को पांचवें टी20 मैच में तीन विकेट से हराकर सीरीज में 5–0 से जीत हासिल की है। इस अंतिम मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की टीम ने 19.4 ओवरों में 170 रन बनाये। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ये लक्ष्य तीन ओवर पहले ही हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। कप्तान शाई होप दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। वहीं ब्रैंडन किंग 11, कीसी कार्टी 1 और शेरफेन रदरफोर्ड 35 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शिमरोन हेटमायर ने जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन बनाकर टीम को संभाला। हेटमायर ने तीन छक्के और तीन चौके लगाकर 31 गेंदों में 52 रन बनाये। वहीं जेसन होल्डर ने 20 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने तीन जबकि नाथन एलिस ने दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 17 ओवरों में ही मैच जीत लिया। कंगारुओं की शुरुआत भी खराब रही और उसने 60 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। इसके बाद कैमरून ग्रीन ने मिचेल ओवन के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 63 रन बनाकर टीम को संभाला। ग्रीन ने 18 गेंदों में 32 रन बनाये जबकि मिचेल ओवन ने 17 गेंदों में 37 रन बनाये। आरोन हार्डी ने 25 गेंदों में 28 रन बनाये। मेजबान टीम की तरफ से अकील हुसैन को तीन जबकि अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर को दो–दो विकेट मिले।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 15, 16, 19 और 21 अगस्त तक होने वाले इन मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी एशिया कप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करेगी। एशिया कप का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितम्बर तक बिहार के राजगीर में होना है। एशिया कप इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें प्रदर्शन के आधार पर अगले वर्ष के एफआईएच विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लेकर कहा, ''यह दौरा बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप से ठीक पहले होने से टीम ओ अपनी तैयारियों का आंकलन करने का बेहतर अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम को अपनी कमजोरियों के साथ ही अपनी क्षमताओं का भी पता चलेगा।'' हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों करीबी हार को सामना करना पड़ा था।

अंतिम टेस्ट में ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ सकते है शुभमन

लंदन। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल अब तक इंग्लैंड दौरे पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन ने हर मैच में एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब उनके पास ओवल में 31 जुलाई से शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक और रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। शुभमन ने इस सीरीज में अबतक चार शतक लगाने के साथ ही 700 से अधिक रन बनाये हैं। अब उन्हें एक सीरीज में सबसे अधिक रनों का ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल 89 रनों की जरुरत है। शुभमन ने अब तक इस सीरीज में 722 रन बनाये हैं। वहीं ब्रैडमैन ने 88 साल पहले साल 1936/37 की एशेज सीरीज में 810 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान 89 बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में 811 रन बनाने वाले पहले कप्तान बन जाएंगे। ऐसे में शुभमन जब ओवल में खेलने के लिए उतरेंगे तो उनकी नजरें ब्रैडमैन से आगे निकलने पर रहेंगी। जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने तक किया है। उसको देखते हुए क्रिकेट प्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि शुभमन सबसे अधिक रनों का रिकार्ड आसानी से बना देंगे। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक सिर्फ पांच कप्तान ऐसे रहे हैं जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में 722 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। शुभमन गिल इस लिस्ट में अब छठे पायदान पर हैं, पर वह अंतिम टेस्ट के बाद पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं।

अश्विन का पांचवे टेस्ट से पहले कप्तान गिल को सूझाव, कृपया यह फैसला लेकर अब सुधार करो

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शुभमन गिल की बतौर बल्लेबाज तारीफ की लेकिन वह चाहते है कि वह रणनीतिक रूप से मजबूत कप्तान बने। इसलिए अश्विन ने गिल को टीम में कुछ बदलाव करने के लिए सूझाव दिया।

अश्विन के अनुसार गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बल्लेबाजी की गहराई बढ़ाने का फैसला किया है लेकिन उनके पास विकेट लेने के पर्याप्त विकल्प नही है। कुलदीप यादव ने अभी तक इस दौरे पर कोई मैच नहीं खेला। पांचवे टेस्ट से पहले वह चाहते है कि भारत ये बदलाव करे क्योंकि उनका लक्ष्य सीरीज 2-2 से बराबर करना है।

अश्विन ने कहा, 'अब सुधार कीजिए और कृपया फैसला लीजिए। इस फैसले के बाद भी आप हार सकते हैं, लेकिन फैसला लीजिए, क्योंकि टेस्ट मैच बल्लेबाजी की गहराई से नहीं जीते जाते, बल्कि बल्लेबाजी की गहराई से ड्रॉ होते हैं। टेस्ट मैच उन गेंदबाजों की मदद से जीते जाते हैं जिनमें विकेट लेने की क्षमता होती है।'

उन्होने यह भी बताया कि कैसे दौरे से पहले गिल की आलोचना की गई थी और उनकी तकनीक पर सवाल उठाए गए थे। अश्विन ने 25 वर्षीय गिल को अपनी बल्लेबाजी पर पूरी तरह नियंत्रण रखने के लिए सराहना की।

अश्विन ने आगे कहा, 'शुभमन गिल का क्या ही शानदार शतक। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्होंने अपनी तकनीक पर काम किया है। कप्तान के तौर पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जिस तरह से उन्होंने वाशिंगटन सुंदर को देर से बुलाया वह एक बड़ी रणनीतिक गलती थी, लेकिन ऐसा होता है। वह एक युवा कप्तान हैं और गलतिया करके ही सीखेंगे, और मुझे उम्मीद है कि वह तेज़ी से सीखें।'

'गिल ने सभी चीजों को एक तरफ रखते हुए एक बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरकर प्रमुख पारिया खेली। उन्होंने बर्मिंघम में रन बनाए, जब भारत 0-1 से पीछे था तब उन्होंने बड़ा स्कोर बनाया। उन्होंने हेडिंग्ले में भी रन बनाए। हम लॉर्ड्स में हार गए थे और कई लोगों ने उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठाए। जब सब कुछ नीचे था, तब वह क्रीज़ पर आए, पूरे नियंत्रण में रहे और शानदार बल्लेबाजी की। हा, उन्हें कुछ जीवनदान मिले, लेकिन मुझे लगता है कि वह शानदार थे।'

हांगकांग की टीम के कोच बने श्रीलंका के कौशल सिल्वा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कौशल सिल्वा अब हांगकांग की पुरुष क्रिकेट टीम के नया मुख्य कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। हांगकांग क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 को देखते हुए सिल्वा को कोच की जिम्मेदारी दी है। सिल्वा ओपनर और विकेटकीपर रहे हैं। अब वह एशिया कप से पहले हांगकांग की टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए टिप्स देंगे। एशिया कप 2025 में हांगकांग को ग्रुप बी में श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के साथ जगह मिली है। ऐसे में सिल्वा की जिम्मेदारी टीम को इन मुकाबलों के लिए तैयार करना रहेगा। सिल्वा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2011 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। वे 7 साल तक श्रीलंका की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 39 टेस्ट मैच खेले और 74 पारियों में 28.36 की औसत से 2099 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 3 शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। 2019 में क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वह कोच बन गये। उनके पासा श्रीलंका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में घरेलू टीमों की कोचिंग का अनुभव लिया हालांकि वह पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कोचिंग देते नजर आएंगे। हांगकांग की टीम ने अब तक चार बार एशिया कप में भाग लिया है।

ओवल में मिल सकता है अभिमन्यु को अवसर

इंग्लैंड। बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर अब तक एक भी मैच में अवसर नहीं मिला है। अभिमन्यु पिछले चार साल से टीम के साथ हैं पर उन्हें अब तक डेब्यू का मौका नहीं मिला है जबकि उनका घरेलू क्रिकेट का रिकार्ड अच्छा है। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अभिमन्यु ने भारत ए टीम की कप्तानी की थी। उसके सामने ही 15 खिलाड़ियों को डेब्यू का अवसर मिल है पर वह बैंच पर ही बैठा अपनी बारी का इंतजार करता रह गय है। इस दौरान तीन कोच और कप्तान तक बदले हैं पर किसी ने भी उसे अवसर नहीं दिया है। वहीं अब 31 जुलाई से ओवल में होने वाले पांचवे व अंतिम टेस्ट में अभिमन्यु को अवसर मिल सकता है। इस मैच में अगर करुण नायर बाहर रहे तो अभिमन्यु को उनकी जगह मिल सकती है। इस बल्लेबाज ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 27 शतक दर्ज हैं और 7,841 रन बनाये हैं। वहीं 31 अर्धशतक भी उनके नाम हैं। अभिमन्यु ईश्वरन के

रिकॉर्ड को देखें तो वह इस सीरीज में डेब्यू करने वाले साई सुदर्शन के घरेलू रिकॉर्ड से कहीं आगे हैं। सुदर्शन ने अभी तक कुल 30 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 36 की औसत से खेलते हुए 1987 रन बनाए हैं। वहीं, अभिमन्यु का बैटिंग औसत 103 मैच खेलने के बावजूद 54 का है। 51 पारियों में सुदर्शन सिर्फ 7 शतक और 5 अर्धशतक ही लगा सके हैं। अनुभव से लेकर बल्लेबाज रिकॉर्ड तक में अभिमन्यु सुदर्शन से कहीं ज्यादा आगे हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर सबा करीम का ये मानना है कि सुदर्शन सिर्फ इसलिए लाइमलाइट में आ गए, क्योंकि आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन जोरदार रहा था अब कोई टीम अभिमन्यु को आईपीएल में नहीं लेती तो इसका मतलब ये नहीं कि वो बल्लेबाज खराब है। अभिमन्यु ईश्वरन पिछले लगभग 4 साल से स्क्वॉड में आते हैं और पानी पिलाकर घर लौट जाते हैं। ड्रेसिंग रूम में अभिमन्यु ने समय तो बहुत बिता लिया है, लेकिन टीम इंडिया की जर्सी में खेलने का सपना अब तक साकार नहीं हुआ है। इस क्रिकेटर के सामने ही यशस्वी जायस्वाल रजत पाटीदार, ईशान किशन जैसे युवा बल्लेबाज बल्लेबाजों ने डेब्यू किया है।

कुलदीप को अंतिम टेस्ट में भी शायद ही अवसर मिले

मैनचेस्टर। चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड दौरे में अब तक जगह नहीं मिली है ओर जिस प्रकार का प्रदर्शन अभी तक स्पिन ऑलराउंडरों रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने किया है। उसको देखते हुए कुलदीप को अंतिम मैच में भी शायद ही जगह मिले। कुलदीप को टीम में तभी जगह मिल सकती है। जब टीम तीन स्पिनरों के साथ खेले और ऐसी संभावना कम ही है। अब तक इस सीरीज में कुलदीप को बाहर रखे जाने के कारण टीम संतुलन बताया गया। कोच ओर कप्तान ने माना है कि कुलदीप काफी अच्छे कलाई के स्पिनर हैं परन्तु तेज पिचों को देखते हुए उन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा। सुंदर को उनपर वरीयता इसलिए दी जा रही है क्योंकि सुंदर गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाकर रविन्द्र जडेजा के साथ लंबी साझेदारी की थी। ओल्ड

ट्रैफर्ड के मैदान पर डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज कुछ खास नहीं कर पाये। वहीं ऑलराउडर शार्दुल ठाकुर को केवल 11 ओवर ही गेंदबाजी दी गयी। इसके बाद भी कुलदीप की टीम में जगह नहीं बन पाना हैरानी की बात है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाजों का रिकार्ड देखा जाये तो कलाई के स्पिनरों के सामने वे सहज नहीं रहते उसके बाद भी कुलदीप को अब तक इस सीरीज में बहार रखा गया है।

इंग्लैंड में जिस तरह की क्रिकेट खेली, वह गर्व की बात : गौतम गंभीर

लंदन (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। गंभीर श्रृंखला के दौरान टीम के समर्थन के लिये प्रशंसकों को धन्यवाद देने के लिए सोमवार को इंडिया हाउस में संबोधित कर रहे थे। भारत ने चौथे टेस्ट में जीत की कगार पर पहुंचकर मैच ड्रॉ कराया था।

गंभीर ने कहा, 'इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच इतिहास ऐसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हमने जब भी ब्रिटेन का दौरा किया है, हमें प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। हम किसी भी चीज को हलके में नहीं लेते।' उन्होंने कहा, 'पिछले पांच सप्ताह दोनों टीमों के लिए काफी रोमांचक रहे हैं। श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा।'

लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा भारतवंशियों के स्वागत समारोह में भारतीय टीम का समुदाय के नेताओं, सांसदों और खेलप्रेमियों ने जबर्दस्त स्वागत किया। भारत और इंग्लैंड के बीच निर्णायक पांचवां टेस्ट ओवल पर बृहस्पतिवार से खेला जाएगा। गंभीर ने कहा, 'दोनों टीमों ने काफी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया है। हमारे पास एक सप्ताह और है और हम पूरा प्रयास करेंगे कि देशवासियों और यहां मौजूद लोगों को गर्व करने का मौका दें।'

इंग्लैंड में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने कहा कि टीम ने श्रृंखला में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह विषमताओं से लड़ने की देश की इच्छाशक्ति का परिचायक है। उन्होंने कहा, 'यह शानदार श्रृंखला रही है और बेहतरीन भावना के साथ खेली गई। सारे मैच पांच दिन तक चले और रोमांचक रहे। हमारी टीम ने जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह नए भारत के जीवट का प्रतीक है। पांचवें टेस्ट का परिणाम चाहे जो हो, हमें अपनी टीम पर गर्व है।'

समारोह के आखिर में कमेंटेटर और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ खिलाड़ियों के साथ बातचीत सत्र का संचालन किया। श्रृंखला में अब तक 700 से ऊपर रन बना चुके गिल ने कहा, 'श्रृंखला शुरू होने से पहले मुझे लगा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैने अपने खेल पर काफी काम किया और मैं खुद को साबित करना चाहता था।'

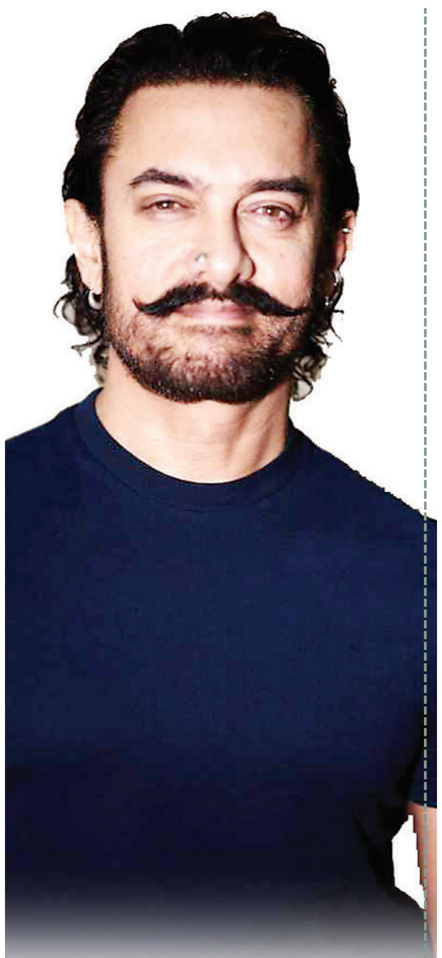

मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल में तिरंगा फहराएंगे आमिर खान, 'बदनाम बस्ती' की होगी स्क्रीनिंग

आमिर खान अगस्त में आयोजित 16वें द इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस फिल्म फेस्टिवल में वह तिरंगा भी फहराएंगे। उनकी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग भी निर्धारित है। फेस्टिवल डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने बताया, फिल्म फेस्टिवल में राष्ट्रीय ध्वज फहराना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और एकजुट करने वाला अनुभव है। विदेशी धरती पर तिरंगा लहराते देखना भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के बीच गर्व का क्षण है। आमिर खान के सिनेमाई नजरिए ने विश्व स्तर पर दर्शकों को प्रभावित किया, इस पल का नेतृत्व करेंगे, जो हमारे लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा कि आमिर की मौजूदगी भारतीय कहानियों की ताकत और आईआईएफएम के मूल्यों, समानता और विविधता में एकता को दिखाती है। इस फिल्म फेस्टिवल में उनकी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग भी निर्धारित है। फेस्टिवल के 16वें संस्करण में आमिर खान के भारतीय सिनेमा में योगदान को एक स्पेशल सेक्शन के जरिए सम्मानित किया जाएगा। इस सेग्मेंट में चुनिंदा फिल्मों का प्रदर्शन होगा, जिसमें उनकी फिल्म सितारे जमीन पर भी शामिल है। विक्टोरिया सरकार द्वारा समर्थित आईआईएफएम, भारत के बाहर सबसे बड़ा भारतीय फिल्म फेस्टिवल है, जो विविध और प्रभावशाली भारतीय कहानियों को प्रदर्शित करता है। इस बार महोत्सव में 75 फिल्में दिखाई जाएंगी, जो जेंडर, नस्ल, दिव्यांगता और महिला प्रतिनिधित्व जैसे विषयों पर बनी हैं। फिल्म फेस्टिवल में निर्माता प्रेम कपूर की 1971 की फिल्म 'बदनाम बस्ती' का रीस्टोर्ड वर्जन की स्क्रीनिंग होगी। इसे भारत की पहली समलैंगिक फिल्म माना जाता है, जो अपने समय से आगे की कहानी प्रस्तुत करती है। यह फिल्म एलजीबीटीक्यू प्लस प्राइड नाइट के दौरान 22 अगस्त को दिखाई जाएगी, जो क्वीर सिनेमा और दक्षिण एशियाई क्वीर पहचान को समर्पित आयोजन होगा। फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम की बंगाली फिल्म 'बक्शो बोंदी – शैडोबॉक्स' से होगी। तनुश्री दास और सौम्यानंद साही के निर्देशन में बनी इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर बर्लिन फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुआ था।

वॉर 2 में क्यों नहीं हैं वाणी कपूर? मेकर्स के सामने रखी थी ये शर्त!

वॉर 2 का ट्रेलर रिलीज के ठीक पहले वाणी कपूर ने खुलासा किया है कि सीक्वल का हिस्सा क्यों नहीं हैं। वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के अलावा कियारा आडवाणी हैं। वाणी कपूर साल 2019 में आई ह्रत्रऋ की फिल्म वॉर का हिस्सा थीं, जिसमें ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ भी थे, पर वह वॉर 2 में नजर नहीं आएंगी। वॉर 2 का ट्रेलर 25 जुलाई को रिलीज है, और इससे ठीक पहले ही वाणी ने खुलासा किया है कि वह इस फिल्म का हिस्सा क्यों नहीं हैं। मालूम हो कि वॉर में वाणी ने नैना का रोल प्ले किया था और वह टाइगर श्रॉफ के ऑपोजिट थीं। अब वॉर 2 में ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी हैं।

वाणी कपूर इस वक्त अपनी सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में हैं, जो 25 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसे यशराज फिल्म्स ने ही बनाया है। इसके प्रमोशन के दौरान वाणी कपूर ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में वॉर 2 के बारे में बात की।

वाणी कपूर ने बताया वह क्यों नहीं हैं वॉर 2 का हिस्सा

वाणी कपूर से जब पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि उन्हें वॉर 2 का हिस्सा होना चाहिए था, तो वह बोलीं, नहीं, मैं टीम को शुभकामनाएं देती हूं। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे कम से कम वॉर जैसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। वॉर 2 खूबसूरत लग रही है। यह लार्जर देन लाइफ फिल्म है। पूरी टीम को बधाई।

अगर टाइगर वापस आता है तो...

वाणी ने आगे कहा, मैं, सिड (सिद्धार्थ आनंद) और टाइगर सीक्वल (वॉर 2) का हिस्सा नहीं हैं। वॉर में मैं और टाइगर दोनों ही मर गए थे। तो मैंने कहा कि अगर टाइगर वापस आता है तो मैं भी आऊंगी।

वॉर साल 2019 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। फिल्म के जबरदस्त एक्शन सीन्स की खूब तारीफ हुई थी। सैक्निल्क के मुताबिक, इसने देशभर में 318.01 करोड़ और वर्ल्डवाइड 471 करोड़ का कलेक्शन किया था। वॉर 2 से भी कुछ ऐसी ही उम्मीदें हैं।

क्या वॉर 2 में चलेगा ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर का जादू?

फिल्म वॉर 2 के जरिए पहली बार ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। वॉर 2 में डायरेक्शन की कमान सिद्धार्थ आनंद की जगह अयान मुखर्जी के हाथों में है। यह फिल्म 14 अगस्त को हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगू भाषा में भी रिलीज होगी। फिल्में आशुतोष राणा भी अहम रोल में हैं।

क्योंकि 2.... में मिहिर के रूप में वापसी कर रहे हैं अमर उपाध्याय

भारतीय टेलीविजन के लोकप्रिय शो में से एक की शानदार वापसी हो रही है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी अपने बहुप्रतीक्षित दूसरे सीज़न के साथ वापस आ गया है और इसके साथ ही एक ऐसे किरदार का पुनर्जन्म भी हुआ है, जो कभी प्राइम-टाइम टीवी की पहचान हुआ करता था। मिहिर विरानी के रूप में लाखों लोगों के चहेते अमर उपाध्याय, अपनी इस शानदार भूमिका को फिर से निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे दर्शकों की पीढ़ियों में उत्साह की लहर दौड़ जाएगी। इस 29 जुलाई से रात 10:30 बजे स्टार प्लस पर प्रीमियर होने वाला यह शो पुरानी यादों, ड्रामा और घर वापसी के ज़बरदस्त एहसास का वादा करता है। स्टार प्लस द्वारा हाल ही में जारी एक रील में, अमर उपाध्याय खुद उस भावुक और रोमांचक पल को साझा करते हैं, जब उन्हें सीज़न 2 के लिए संपर्क किया गया था। खुलकर बात करते हुए, वह उस कॉल को याद करते हैं जिसने उन्हें क्योंकि की विरासत की याद दिला दी। उन्होंने कहा, हम क्योंकि सीज़न 2 की शूटिंग कर रहे हैं। अपनी तारीखें तय कर लीजिए, और अमर के लिए इसमें कोई झिझक नहीं थी। हाँ, बिल्कुल, मैं तैयार हूँ! वह मुस्कुराते हुए कहते हैं, जो इस शो और इसके दर्शकों के लिए उनके गहरे प्यार और जुड़ाव को दर्शाता है। यह रील न केवल अमर के शब्दों से, बल्कि उस शो को वापस लाने के महत्व से भी पुरानी यादें ताज़ा करती है जिसने कभी भारतीय टीवी की तस्वीर ही बदल दी थी। तुलसी और मिहिर, जो किरदार घर-घर में मशहूर हो गए थे, के बीच की केमिस्ट्री कुछ ऐसी है जिसे प्रशंसक लंबे समय से मिस कर रहे थे और अब, शो की वापसी के साथ, उत्साह साफ़ दिखाई दे रहा है।

अमर ने अपने सह-कलाकारों, खासकर स्मृति ईरानी, जिन्होंने तुलसी का प्रतिष्ठित किरदार निभाया था, के साथ अपने खूबसूरत रिश्ते का भी ज़िक्र किया। दोनों किरदारों के बीच एक सहजता और समझ है, जो पर्दे पर सहजता से झलकती है। उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के साथ सेट पर वापस आना काम से ज़्यादा परिवार से मिलने जैसा लगता है। गर्मजोशी, विश्वास और साझा यादें शूटिंग के हर दिन को खास बनाती हैं, और उसी जादू को जीवंत करती हैं जिसने कभी लाखों लोगों के दिलों पर कब्ज़ा किया था। वीडियो को एक भावपूर्ण निमंत्रण के साथ समाप्त करते हुए, अमर दर्शकों से आग्रह करते हैं, 29 जुलाई को रात 10:30 बजे हमें ज़रूर देखें। और इसके साथ ही, टेलीविजन के सबसे प्रतिष्ठित कमबैक्स में से एक की उल्टी गिनती आधिकारिक तौर पर शुरू हो जाती है। भारतीय टेलीविजन इतिहास के सबसे यादगार चेहरों में से एक, मिहिर के रूप में अमर उपाध्याय की वापसी महज एक कास्टिंग निर्णय से कहीं अधिक है; यह विरासत का उत्सव है!

कब आएगी 'एनिमल 2' बॉबी देओल ने दिया जवाब

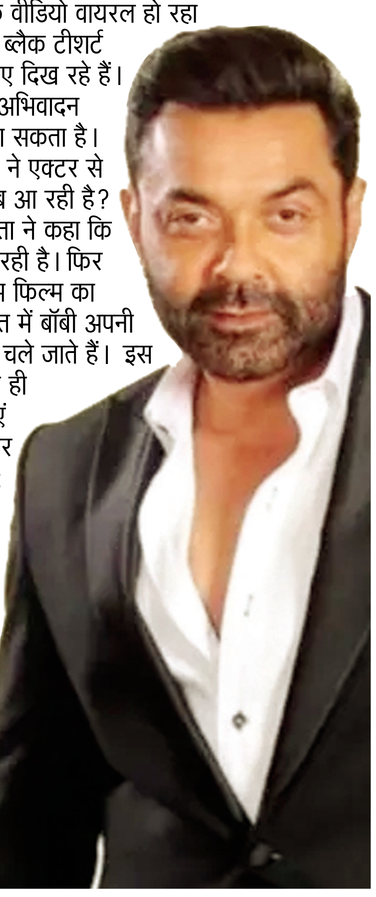

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। एक्टर की फिल्म एनिमल को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और उनकी एक्टिंग को भी खूब सराहना मिली थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बॉबी देओल ब्लैक टीशर्ट और सिर पर कैप लगाए दिख रहे हैं। अभिनेता को फैंस का अभिवादन स्वीकार करते देखा जा सकता है। इसी दौरान किसी पैप्स ने एक्टर से पूछा कि एनिमल 2 कब आ रही है? इसके जवाब में अभिनेता ने कहा कि उन्हें नहीं पता कब आ रही है। फिर पैप्स ने कहा कि वो इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। अंत में बॉबी अपनी कार में बैठकर वहां से चले जाते हैं। इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा कि एनिमल 2 शानदार होगी। दूसरे यूजर ने कहा कि एनिमल मूवी जल्द रिलीज होने वाली है। इसके अलावा अन्य यूजर्स बॉबी देओल के लुक को पंसद कर रहे हैं और लाल दिल वाला इमोजी बनाकर कमेंट्स कर रहे हैं।

साउथ की फिल्मों के सेट पर अनुशासन देखने को मिलता है

अभिनेत्री पायल घोष ने साउथ इंडस्ट्री और बॉलीवुड की तुलना करते हुए अपनी बातें रखी। उन्होंने बताया कि बॉलीवुड की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में प्रोफेशनल तरीके के साथ काम किया जाता है। अभिनेत्री ने कहा, मैंने साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में काम किया है और दोनों में मेरा काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें साउथ इंडस्ट्री बॉलीवुड के मुकाबले थोड़ा ज्यादा प्रोफेशनल लगता है। साउथ इंडस्ट्री में लोगों को पता रहता है कि उन्हें क्या करना है और कमाल की बात यह है, जब वहां की फिल्में शूट होती है, तो उस दौरान सभी का व्यवहार एक दूसरे को लेकर समान देखने को मिलता है, चाहे वह मुख्य कलाकार हो या फिर कोई क्रू। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण की फिल्मों के सेट पर अनुशासन होता है, लेकिन बॉलीवुड में अपने हिसाब से काम करने में विश्वास रखा जाता है। दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर बताते हुए अभिनेत्री ने कहा,साउथ में सीन ज्यादा होते हैं। वह फिल्म की स्टोरी बोर्ड में जो तैयार करते हैं, उसे ही फॉलो करते हैं और इतना ही नहीं, वह प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन पर भी उसी प्रक्रिया को लागू करते हैं। दूसरी ओर, बॉलीवुड में कई बार जो योजना बनाई जाती है और जो लागू होता है, उन दोनों में जमीन आसमान का फर्क होता है। कई बार शॉट्स ले लिए जाते हैं और उन्हें एडिटर के लिए छोड़ दिया जाता है, और रवैया यह होता है कि एडिट में देख लेंगे। पायल ने अंत में बताया कि दोनों इंडस्ट्री के सकारात्मक और नकारात्मक पहलू हैं।

मन्नारा चोपड़ा ने खुद को किया मोटिवेट, बोलीं - अब मुझे आगे बढ़ना है

अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा अपने पिता रमन रॉय के निधन से धीरे-धीरे उबर रही हैं। अभिनेत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए कहा कि कई दिनों के बाद तैयार होने के लिए कुछ पल निकाले। अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर दो सेल्फी शेयर की। पहली तस्वीर शेयर कर मन्नारा ने लिखा, कई दिनों के बाद कुछ पल निकाले... मां कहती थी... मुझे फ्रेश दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं अब तैयार हो रही हूं। दूसरी तस्वीर शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, मैंने आज गाड़ी चलाई, क्योंकि गाड़ी चलाना मुझे याद दिलाता है कि मुझे अभी जिंदगी में आगे बढ़ना है।

बता दें, अभिनेत्री के पिता रमन राय हांडा का निधन 16 जून को 72 वर्ष की आयु में हो गया था। मन्नारा के पिता पेशे से दिल्ली हाई कोर्ट में वकील थे। अपने पिता के निधन की जानकारी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए दी थी। उन्होंने एक फोटो के साथ ओम नमः शिवाय से शुरुआत करते हुए लिखा, गहरे दुख और शोक के साथ हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे पिता का निधन हो गया। वे हमारे परिवार की ताकत और सहारा थे। मन्नारा के पिता रमन, पिछले कुछ समय से बीमार थे। वह परिवार के साथ मुंबई में ही रहते थे। अभिनेत्री की मां और प्रियंका चोपड़ा की बुआ, कामिनी चोपड़ा हांडा, एक ज्वेलरी डिजाइनर हैं। वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म जिद से की थी। साउथ की फिल्मों में मन्नारा बड़ी एक्ट्रेस के तौर पर जानी जाती हैं। अभिनेत्री बिग बॉस 17 में दूसरी रन-अप रही थीं, जिसके बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई थी। हाल ही में अभिनेत्री को कॉमेडी रिएलिटी शो लाफ्टर शेफ्स फन अनलिमिटेड-2 में देखा गया था। शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रुबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह भी प्रतियोगी हैं। इस शो की मेजबानी भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी कर रहे हैं।

अर्जुन कपूर ने की क्रिप्टिक पोस्ट, लिखा- जिंदगी में मौजूद लोगों...

अर्जुन कपूर की एक्टिंग जर्नी के साथ-साथ पर्सनल लाइफ भी काफी चर्चा में रही है। मलाइका अरोड़ा के साथ ब्रेकअप के बाद वह खुद को सिंगल बता चुके हैं। छह साल रिलेशनशिप में रहने के बाद वह मलाइका से अलग हो गए थे। हाल ही में अर्जुन कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट साझा की। जिसमें रिश्तों को लेकर एक क्रिप्टिक पोस्ट की है।

अर्जुन कपूर अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'जिंदगी में मौजूद लोगों के बारे में आपका दिल जो कहता है, उस बात को जरूर सुनें।' इस क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए अर्जुन कपूर किसकी तरफ इशारा कर रहे हैं, यह साफ नहीं हुआ। लेकिन इतना जरूर है कि वह रिश्तों को लेकर अलर्ट रहने की बात कर रहे हैं।

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान षिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

क्यों देखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।